नई दिल्ली
रविवार, 2 मार्च 2025
फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष,
तृतीया वर्ष : 28, अंक : 322
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 26
न्यून. 11

हरिभूमि
दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

बाकी बचे हुए 5 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए सेना व अन्य सुरक्षा बलों का राहत-बचाव अभियान जारी

माणा में आए हिमस्खलन के बीच बचाए गए 50 मजदूरों में से 4 की हुई मौत

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घटनास्थल का हवाई सर्वेक्षण कर लिया अभियान का जायजा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

उत्तराखंड के माणा क्षेत्र में आए हिमस्खलन के बीच बचाए गए सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के 50 में से 4 मजदूरों की दुखद मौत हो गई है। जबकि बाकी बचे हुए 5 मजदूरों की तलाश के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण बने हुए मौसम के बीच सेना, आईटीबीपी और अन्य सुरक्षा एजेंसियों का राहत और बचाव अभियान हादसे के दूसरे दिन युद्धस्तर पर जारी है।

जोशीमठ हेलीपैड से हेलिकॉप्टर सेवा शुरू होने के बाद घायलों को इलाज के लिए सेना और वायुसेना के हेलिकॉप्टरों के जरिए माणा से जोशीमठ के सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सेना ने शनिवार को इस हादसे में बीआरओ ▶▶ शेष पेज 5 पर

धामी ने जोशीमठ में जाना घायलों का हालचाल

मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में बताया कि चमोली जिले के माणा में हिमस्खलन प्रभावित क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया और राहत-बचाव कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि जोशीमठ के सैन्य अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती मजदूरों का हालचाल जाना। साथ ही अभियान में लगे हुए सेना और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत कर विस्तृत जानकारी ली और उन्हें जरूरी निर्देश दिए। सरकार संकट की इस घड़ी में प्रभावितों की हर प्रकार से सहायता करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। केंद्र के स्तर पर गृह मंत्री अमित शाह स्वयं प्रदेश में जारी राहत अभियान पर लगातार पैनी नजर बनाए हुए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में बने हुए हैं और अभियान से जुड़ी हुई तमाम जरूरी अपडेट ले रहे हैं।

हिमस्खलन के बीच फंसे थे 55 मजदूर

सेना ने बताया कि माणा में बीआरओ के कैंप में 55 मजदूर फंसे हुए थे। जिनमें से 10 को हिमस्खलन आने के तुरंत बाद बीते 28 फरवरी को ही सुरक्षित बचाया गया था। जबकि 22 लोग घटनास्थल से भागने में सफल रहे, अंत में वह एक होटल में मिले। इस प्रकार से 32 लोग हिमस्खलन के ठीक बाद बचाए गए। जबकि बाकी बचे हुए 23 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए 1 मार्च की सुबह से ही राहत-बचाव अभियान की फिर से शुरुआत की गई। 14 लोगों को बचा लिया गया है। इनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। इसके अलावा बाकी बचे हुए लोगों को ढूंढने के लिए राहत-बचाव अभियान जारी है। शुरुआत में बचाए गए 19 घायलों का जोशीमठ के सैन्य अस्पताल में इलाज जारी है। कुछ मजदूरों के हाथ की हड्डी टूटने की सूचना मिली है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

कुली बनकर कुलियों से मिले राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचे और वहां पर उन्होंने कुलियों से मुलाकात की। इससे पहले उन्होंने कुलियों की पोशाक पहनी और यात्रियों का सामान भी उठा। उन्होंने कुलियों से करीब 40 मिनट तक बातचीत की और उनकी परेशानियों के बारे में जानकारी ली। एक कुली दीपेश मीणा ने कहा कि हम बहुत खुश हैं।

1 मार्च से कमर्शियल एलपीजी के बढ़े दाम

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने 1 मार्च 2025 से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दामों में 6 रुपए की बढ़ोतरी की है। पिछले पांच सालों के प्राइस ट्रेंड पर नजर डालें, तो मार्च 2025 में सबसे कम बढ़ोतरी की गई है। इंडियन ऑयल के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के नए दाम 1803 रुपए हो गए हैं, जो फरवरी में 1797 रु.था।

प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि एवं ग्रामीण समृद्धि के बारे में बजट पश्चात वेबिनार को संबोधित किया

कृषि क्षेत्र का विकास और गांवों की समृद्धि हमारे दो बड़े लक्ष्य: मोदी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि कृषि क्षेत्र का विकास और गांवों की समृद्धि हमारे दो बड़े लक्ष्य हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हमारे संकल्प बहुत स्पष्ट हैं और हम सब मिलकर एक ऐसा भारत बना रहे हैं, जहां किसान समृद्ध और सशक्त हों। प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि एवं ग्रामीण समृद्धि के बारे में बजट पश्चात वेबिनार को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी किसान पीछे न छूटे और हर किसान को आगे बढ़ाया जाए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि को विकास का पहला इंजन माना जाता है, जिससे किसानों को प्रतिष्ठित स्थान मिलता है। उन्होंने कहा,भारत एक साथ दो प्रमुख लक्ष्यों की ओर काम कर रहा है: कृषि क्षेत्र का विकास और गांवों की समृद्धि। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस वर्ष का बजट सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट है, जो नीतियों में निरंतरता तथा विकसित भारत के दृष्टिकोण का नया विस्तार दर्शाता है। उन्होंने बजट से पहले सभी हितधारकों से प्राप्त बहुमूल्य जानकारियों और सुझावों को स्वीकार किया, जो बहुत उपयोगी रहे। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस बजट को और अधिक प्रभावी बनाने में हितधारकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है।

कहा, हमने कृषि को विकास का पहला इंजन माना किसानों को विशिष्ट स्थान मिला, उन्हें आगे बढ़ाया

पीएम किसान में 3.75 लाख करोड़ प्रदान किए

मोदी ने कहा कि छह साल पहले लागू की गई पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को लगभग 3.75 लाख करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं और यह राशि सीधे 11 करोड़ किसानों के खातों में हस्तांतरित की गई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 6,000 रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रही है। उन्होंने उल्लेख किया कि इस योजना का लाभ देश भर के किसानों तक पहुंचाने के लिए किसान-केन्द्रित डिजिटल बुनियादी ढांचा बनाया गया है, जिससे बिचौलियों या लीकेज की कोई गुंजाइश नहीं रह गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसी योजनाओं की सफलता विशेषज्ञों और दूरदर्शी व्यक्तियों के सहयोग से संभव है। उन्होंने उनके योगदान की सराहना ▶▶ शेष पेज 5 पर

चना और मूंग उत्पादन में देश आत्मनिर्भर

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि हाल के वर्षों में किए गए प्रयासों से देश में दालों का उत्पादन बढ़ा है, लेकिन घरेलू खपत का 20 प्रतिशत हिस्सा अभी भी आयात पर निर्भर है, जिससे दालों के उत्पादन में वृद्धि की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत ने चना और मूंग के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल कर ली है, लेकिन अरहर, उड़द और मसूर के उत्पादन में तेजी लाने ▶▶ शेष पेज 5 पर

2,900 से अधिक नई किस्में विकसित की

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले दशक में आईसीएआर ने अपने प्रजनन कार्यक्रम में आधुनिक उपकरणों और अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया है, और इसके परिणामस्वरूप 2014 से 2024 के बीच अनाज, तिलहन, दलहन, चारा और गन्ना सहित फसलों की 2,900 से अधिक नई किस्में विकसित की गई हैं। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया कि ये नई किस्में किसानों को सस्ती दरों पर उपलब्ध हों और उनकी उपज मौसम के उतार-चढ़ाव से प्रभावित न हो। उन्होंने इस वर्ष के बजट में उच्च उपज वाले बीजों के लिए एक राष्ट्रीय मिशन की घोषणा ▶▶ शेष पेज 5 पर

कृषि उत्पादन बढ़कर 330 मिलियन टन

इस बात पर जोर देते हुए कि भारत का कृषि उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, प्रधानमंत्री ने कहा कि 10-11 साल पहले कृषि उत्पादन लगभग 265 मिलियन टन था, जो अब बढ़कर 330 मिलियन टन से अधिक हो गया है। इसी तरह, बागवानी उत्पादन 350 मिलियन टन से अधिक हो गया है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय बीज से बाजार तक सरकार के दृष्टिकोण, कृषि सुधारों, किसान सशक्तिकरण और एक मजबूत मूल्य श्रृंखला को दिया। मोदी ने देश की कृषि संभावना का पूरा उपयोग करने और इससे भी बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस दिशा में, बजट में पीएम धन धन्य कृषि योजना की घोषणा की गई ▶▶ शेष पेज 5 पर

1989 बैच के आईडीएएस अधिकारी

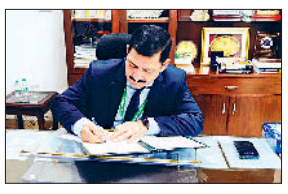

डॉ. मयंक शर्मा ने संभाला रक्षा लेखा महानियंत्रक का कार्यभार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

डॉ. मयंक शर्मा ने शनिवार को रक्षा लेखा महानियंत्रक (सीजीडीए) का कार्यभार संभाला। वह भारतीय रक्षा लेखा सेवा (आईडीएएस) के वर्ष 1989 बैच के अधिकारी हैं। उनका सरकार में करीब तीन दशक से अधिक का विशिष्ट करियर रहा है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि डॉ. शर्मा ने सरकार के रक्षा लेखा विभाग सहित कई अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। उन्होंने कैबिनेट सचिवालय, संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी), संयुक्त राष्ट्र अपराध रोकथाम एवं आपराधिक न्याय आयोग तथा संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय व्यापार कानून आयोग में वैकल्पिक स्थायी प्रतिनिधि के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। मंत्रालय के मुताबिक, डॉ. मयंक शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक अकादमी और वियना की राजनयिक अकादमी में देश का प्रतिनिधित्व ▶▶ शेष पेज 5 पर

बीजेपी ने बैठक के बहिष्कार का किया ऐलान

स्टालिन ने परिसीमन और त्रि-भाषा विवाद पर बुलाई सर्वदलीय बैठक

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 5 मार्च को सर्वदलीय बैठक बुलाई है, जिसमें लोकसभा परिसीमन और तीन-भाषा नीति पर चर्चा होगी। इस बैठक में 45 राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया गया है, हालांकि, बीजेपी ने बैठक का बहिष्कार करने का फैसला किया है। बीजेपी नेताओं ने कहा कि यह निर्णय गहन विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। स्टालिन ने राज्य के लोगों से परिसीमन और तीन-भाषा नीति के खिलाफ आवाज उठाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार दावा कर रही है कि वह राज्य पर अपनी इच्छाएं नहीं थोप रही है, लेकिन उसकी कार्रवाई इसके विपरीत संकेत देती है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्टालिन के आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सहित किसी भी दक्षिणी राज्य में ▶▶ शेष पेज 5 पर

तीनों सशस्त्र सेनाओं ने संयुक्त रूप से प्रदर्शित की अपनी मारक क्षमता

जोधपुर एयरबेस पर संपन्न हुआ 'डेजर्ट हंट-2025' युद्धाभ्यास

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सीमाओं पर बने हुए चुनौतीपूर्ण सुरक्षा परिदृश्य के बीच भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित तीनों सशस्त्र सेनाओं का संयुक्त युद्धाभ्यास 'डेजर्ट हंट-2025' राजस्थान के जोधपुर एयरबेस पर सफलता के साथ संपन्न हो गया है। इसमें सेना के विशिष्ट पैरा बल (पैरा-एसएफ), नौसेना के मरीन कमांडो और वायुसेना के गरुड़ कमांडो ने एक साथ भाग लिया। यह युद्धाभ्यास पांच दिवसीय था। जिसकी शुरुआत बीते 24 फरवरी को हुई और इसका समापन 28 फरवरी को हुआ। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि डेजर्ट हंट युद्धाभ्यास के जरिए तीनों सशस्त्र सेनाओं ने युद्ध के कृत्रिम वातावरण में एकजुटता से न केवल अपनी युद्धक क्षमता का प्रदर्शन किया। ▶▶ शेष पेज 5 पर

पाक सीमा के करीब हुआ युद्धाभ्यास

यहां बता दें कि डेजर्ट हंट युद्धाभ्यास राजस्थान में भारत की पाकिस्तान से लगी हुई सीमा के करीब स्थित वायुसेना के एक अग्रणी जोधपुर एयरबेस पर किया गया था। दोनों देशों के बीच बीते दिनों जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर अचानक हुई गोलीबारी की घटनाओं की वजह से कुछ तनाव पनपा था। जिसे स्थानीय सैन्य कमांडरों ने बातचीत के माध्यम से हल कर लिया है। फिलहाल एलओसी पर जमीनी स्थिति नियंत्रण में है। दोनों देश युद्धविराम समझौते का पूरी तरह से पालन कर रहे हैं।

PATANJALI wellness
Yoga, Ayurveda & Naturopathy

योग ग्राम व निरामयम्

एलोपैथिक डॉक्टर्स के लिए होली तक उपचार का विशेष उपहार

MD, MBBS, सर्जन, डेंटिस्ट, डर्माटोलॉजिस्ट, ENT, ओफ्थाल्मोलॉजिस्ट, आर्थोपेडिक, गाइनीकॉलोजिस्ट, कार्डियोलॉजिस्ट ऐसे एलोपैथी डॉक्टर्स के लिए पतंजलि वेलनेस, निरामयम् व योगग्राम में स्पेशल डिस्काउन्ट।

सेवारत डॉक्टरों के लिए 50% की छूट | सेवानिवृत्त डॉक्टरों के लिए 100% मुफ़्त

जिनसे मानवता का हित, उनके लिए हम समर्पित

रोगों से पीड़ित, मानवता की सेवा में लगे डॉक्टर्स को सनातन संस्कृति में हम भगवान स्वरूप मानते हैं परन्तु हृदय को पीड़ा देने वाली वेदना यह है कि रोगियों की सेवा करते–करते डॉक्टर्स भी रोगी हो जाते हैं। अति व्यस्तताओं के चलते हेल्दी लाइफस्टाइल, योग, हेल्दी फूड हैबिट्स को फॉलो ना कर पाने के कारण से वे बीपी, थायरॉइड, शुगर, अस्थमा, लीवर, किडनी, हार्ट प्रॉब्लम्स, सर्वाइकल पेन और ओबेसिटी जैसे रोग चक्र में घिर जाते हैं।

हम अत्यन्त स्नेह, सम्मान व करुणा पूर्वक सभी डॉक्टर्स को पतंजलि वेलनेस, योगग्राम, निरामयम् में आमंत्रित करते हैं

इस आश्वासन के साथ कि हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ, इनकी सभी लाइफस्टाईल और इंक्यूरेबल डिज़ीज़ेज को मैनेज करें और रिवर्स व डीरूट करें एवं पंचकर्म, षट्कर्म के द्वारा वे शुद्धिकरण करें। जो समर्थ हैं उनको भी 50% डिस्काउन्ट करके, एक–एक व्यक्ति को प्रतिदिन 10 थेरेपियां देते हैं जो कि 5 से 10 हजार रुपए (वैल्यू) की होती हैं। प्रतिदिन शिरोधारा, अभ्यंग, बाह्य एवं आंतरिक बस्ती, हाइड्रोथेरेपी, कोलोन थेरेपी, श्रृंगी, वात मोक्षण, रक्त मोक्षण, एक्यूपंक्चर, एक्यूप्रेशर, ओजोन थेरेपी, यज्ञ थेरेपी एवं ऐसी अनेक रोगानुसार थेरेपीज द्वारा डिटॉक्स करें और ऋषियों की योग, आयुर्वेद की विरासत को एक्सपीरियंस करें।

विशेष– जो गवर्नमेंट या प्राइवेट जॉब के बाद रिटायर्ड डॉक्टर हैं एवं जिनके पास आर्थिक संसाधन नहीं है उनके लिए योग, आयुर्वेद, पंचकर्म, षट्कर्म का 100% फ्री ट्रीटमेन्ट उपलब्ध करवा कर के हम उनकी सेवा का सौभाग्य पाना चाहते हैं।

*शर्तें लागू

नोट– टाईप 1 डायबिटीज़, लीवर, किडनी फेलियर, कैंसर, ऑटो इम्यून डिज़ीज के पेशेन्ट के लिए 25% off (डिस्काउन्ट) केवल मार्च महीने में उपलब्ध रहेगा।

पतंजलि वेलनेस में साप्ताहिक उपचार व रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें

8954666111, 8954666222, 8954666333 (कॉल करने का समय प्रातः 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक)

या विज़िट करें: www.patanjaliwellness.com I booking@patanjaliwellness.com

यदि आप ऑनलाइन पेमेंट करना नहीं जानते हैं, तो यहाँ सीधे आकर डायरेक्ट रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

तमिलनाडु हाउस को बम से उड़ाने की फर्जी सूचना मिली

एजेंसी, नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के चाणक्यपुरी इलाके में स्थित तमिलनाडु हाउस को शनिवार सुबह बम से उड़ाने की सूचना मिली। हालांकि यह सूचना फर्जी पाई गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा विभाग (डीएफएस) के प्रमुख अतुल गर्ग ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (नयी दिल्ली) देवेश कुमार महला ने हालांकि तमिलनाडु हाउस पर किसी भी तरह की धमकी मिलने से इनकार किया है। डीएफएस के अनुसार सुबह साढ़े दस बजे एक कॉल आई थी जिसमें तमिलनाडु हाउस में बम होने की धमकी दी गई थी। हालांकि, यह एक फर्जी सूचना निकली। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक दमकल वाहन को तमिलनाडु हाउस भेजा गया। उन्होंने बताया कि परिसर को खाली करा लिया गया और गहन तलाशी ली गई।

एसी, फर्नीचर और दस्तावेज जलकर खाक

बैंक, अस्पताल और फैक्ट्री में आग लगी, कोई हताहत नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

मध्य जिले के दरियागंज इलाके में शनिवार सुबह एक्सिस बैंक में आग लग गई। घटना में किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है। आग में एसी, फर्नीचर और दस्तावेज जलकर खाक हो गये। दमकल विभाग की चार गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) प्रमुख अतुल गर्ग के अनुसार शनिवार सुबह नौ बजकर 25 मिनट पर गोलचा सिनेमा के सामने स्थित एक्सिस बैंक में आग की सूचना मिली थी।

दमकल की चार गाड़ियां मौके पर भेजी गई। आग पर सुबह 10 बजकर 10 मिनट पर काबू पा लिया गया। आग लगने के कारणों की जांच चल रही है। शुरुआती तौर पर आग लगने के पीछे शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है।

गद्दा फैक्ट्री में लगी भीषण आग

नंगली सकरावती इंडस्ट्रियल एरिया में शुक्रवार रात गद्दा फैक्ट्री में आग लगने का मामला सामने आया। इस दौरान आठ सिलेंडर समय रहते बाहर निकाल लिये गये। साथ ही ऑयल गोदाम को भी बचा लिया गया। आधा दर्जन दमकल गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस घटना में किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है। रात करीब आठ बजे के आसपास फैक्ट्री में आग लगी थी। पुलिस व दमकल विभाग के मुताबिक करीब सवा दो घंटे की मशक्कत के बाद फैक्ट्री की आग काबू कर ली गई थी। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस के अनुसार लगभग यह फैक्ट्री करीब 1200 गज में बनी है।

बाड़ा हिंदू राव अस्पताल की ओपीडी में लगी आग

वहीं शुक्रवार देर रात नॉर्थ दिल्ली के बाड़ा हिंदू राव अस्पताल में भी आग लगने की सूचना दमकल विभाग को मिली। मौके पर तुरंत नजदीकी फायर स्टेशनों से गाड़ियां भेजी गईं। पता चला कि आग ओपीडी के गेट के सामने बिजली के मीटर बोर्ड में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। आग ज्यादा नहीं फैली और कुछ ही मिनटों में काबू कर ली गई। फायर कंट्रोल रूम को रात 11:40 पर आग लगने की सूचना मिली थी।

जनसुनवाई कार्यक्रम में कई शिकायतों का हुआ निस्तारण

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

शाहदरा जिला पुलिस शिकायत समाधान के लिए साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित कर रही है। डीसीपी प्रशांत गौतम के नेतृत्व में शनिवार को सभी एसडीपीओ कार्यालयों में उपमंडल स्तर पर साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल 71 शिकायतकर्ताओं ने भाग लिया, जिसमें से कत्वरित हस्तक्षेप से 69 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

पुलिस अधिकारियों का मानना है कि कानून और व्यवस्था, अपराध, सार्वजनिक सुरक्षा और अन्य प्रशासनिक चिंताओं सहित विभिन्न मुद्दों से संबंधित 71 शिकायतें कार्यक्रम में उठाई गई। यह जनसुनवाई कार्यक्रम शाहदरा पुलिस की सामुदायिक पुलिसिंग और पारदर्शिता के प्रति जारी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। नागरिकों से सीधे जुड़कर पुलिस का लक्ष्य जनता का विश्वास बढ़ाना और शिकायतों पर त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है। शाहदरा पुलिस नागरिकों से इन कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह कर रही है।

भाई को खोजने निकली बहन हो गई थी लापता चार महीने बाद मिली

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

- ट्रेन में यात्रा के दौरान आगरा में बिछड़ गया था भाई

साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट की सरोजनी नगर पुलिस ने ट्रेन यात्रा के दौरान बिछड़े भाई को खोजने में खुद लापता हो गई महिला को चार महीने बाद परिवार से मिलवाया है। महिला विवाहिता है और चार महीने से दिल्ली-एनसीआर में भटक रही थी। सफदरजंग रेलवे स्टेशन पर परेशान हालत में देख एक जागरूक यात्री ने पुलिस को इसके बारे में सूचना दी थी।

दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि 25 फरवरी को सरोजिनी नगर थाने में पीसीआर कॉल आई। फोन करने वाले ने बताया कि एक महिला कौशल भवन, सफदरजंग रेलवे स्टेशन के पास बैठी है। टीम मौके पर पहुंची और महिला से पूछताछ की। महिला के मुताबिक नवंबर 2024 के पहले सप्ताह में वह अपने भाई के साथ ससुराल जोधपुर, राजस्थान से मायके घोसी, उत्तर प्रदेश जाने के लिए ट्रेन से निकली थी। आगरा रेलवे स्टेशन पर भाई बिछड़ गया। उसने अपने भाई को खोजने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं मिला। तब से वह इधर-उधर भटक रही है। टीम ने घोसी थाने की पुलिस से संपर्क किया और लापता लड़की की तस्वीरें और अन्य जानकारी साझा की गई। घोसी पुलिस द्वारा पुष्टि करते हुए उसके परिवार के सदस्यों से संपर्क किया गया। इसके बाद सरोजिनी नगर पुलिस को महिला के भाई और उसकी मां को मोबाइल नंबर मिला। परिवार से संपर्क कर महिला के सकुशल होने की जानकारी के साथ दिल्ली आने का निर्देश दिया। मेडिकल जांच कराकर महिला को वन स्टॉप सेंटर में रखा गया। परिजन 28 फरवरी को दिल्ली पहुंचे। सभी कानूनी औपचारिकताओं के बाद महिला को परिजनों को सौंप दिया गया।

प्रेस वार्ता में लगाये गए थे दिल्ली सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

- क्या अब दिल्ली में सरकार बनने के बाद एक्शन लेगी भाजपा सरकार

दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने से पहले दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय में दिल्ली सरकार पर विभिन्न परियोजनाओं में हुए हेर फेर या घोटालों को लेकर आरोप लगाए जाते थे कि उनकी सरकार आने पर वह दिल्ली सरकार और संबंधित अधिकारियों पर एक्शन लेगी। अब देखना है कि क्या दिल्ली की भाजपा सरकार घोटाले करने वाले ऐसे मंत्रियों व अधिकारियों पर एक्शन लेती है या नहीं। बता दें कि दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने 6 दिसंबर 2023 को प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक संयुक्त प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा था कि दिल्ली सरकार के हर विभाग में भ्रष्टाचार फैला है, गत दो सप्ताह में हमने दिल्ली जल बोर्ड के टेंडर एवं अन्य घोटालों को उजागर किया जिसके बाद केजरीवाल सरकार छटपटा कर दिल्ली में जल संकट का भ्रम फैला रही है ताकि उसके भ्रष्टाचार की जांच टल सके। इसके बाद उन्होंने दिल्ली सरकार के 'बाढ़ एवं सिंचाई विभाग' के चार घोटालों की पोल खोली।

सचदेवा ने कहा था कि 'बाढ़ एवं सिंचाई विभाग' के चार घोटाले दिल्ली वालों के सामने रख कर इनकी जांच की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि जनता के लिए ये चार कार्य हुए ही नहीं, और ठेकेदार को करोड़ों में भुगतान कर दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि पहला कार्य, खेड़ा कला में विस्तारित लाल डोरे (ईएलडी) 77 में दोनों तरफ आर.सी.सी. ड्रेन से संबंधित हैं। दूसरा कार्य, जी-20 के दौरान नाले की मरम्मत और पेंटिंग वर्क के काम के ठेके के संदर्भ में है। तीसरा कार्य, नरेला विधानसभा के गांव टिकरी में रोड निर्माण के संदर्भ में और चौथा कार्य गांव सिरसपुर की कॉलोनी में बढ़े हुए लाल डोरा के नाम पर एक पार्ट फर्जी बनाया गया जो हकीकत में कहीं पर है ही नहीं।

अब दिल्लीवालों से किए वादों को पूरा करे भाजपा : आप

नई दिल्ली। भाजपा गाली- गलौज की राजनीति को छोड़ कर अब दिल्लीवालों से किए अपने वादों को पूरा करे। वह 27 साल के लंबे अंतराल के बाद दिल्ली की सत्ता में आई है। इसके बाद भी उसका दिल्ली की गवर्नेंस पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं है और अभी भी वह सिर्फ आम आदमी पार्टी को गालियां दे रही है। आम आदमी पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने शनिवार को यह बयान जारी कर भाजपा पर उक्त आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सरकार बनने के बावजूद जनता के लिए काम करने के बजाय भाजपा सिर्फ गाली-गलौज की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपनी पहली ही कैबिनेट में प्रस्ताव पास कर 8 मार्च तक महिलाओं को 2500 रुपए प्रतिमाह देने का वादा किया था, जो पूरा नहीं हुआ है। इसलिए अब भाजपा को दिल्ली की जनता से किए अपने वादों पर ध्यान आकर्षित करना चाहिए।

यातायात पुलिस ने डीटीसी चालकों और छात्रों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

- प्राइवेट स्कूल के लगभग 57 छात्रों और 12 शिक्षकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया

यातायात पुलिस ने डीटीसी चालकों और स्कूली बच्चों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिये विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। प्राइवेट स्कूल के लगभग 57 छात्रों और 12 शिक्षकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। यातायात पुलिस का कहना है कि इस कार्यक्रम के जरिये उसका उद्देश्य युवाओं को आवश्यक यातायात नियमों और जिम्मेदार सड़क व्यवहार के बारे में शिक्षित करना था। कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्रों को ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क की यात्रा पर ले जाया गया, जहा उन्हें ट्रैफिक सिग्नल, सड़क संकेत और पैदल यात्री नियमों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। इंटरैक्टिव गतिविधियों और व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से बच्चों को मजेदार और आकर्षक तरीके से सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक किया गया। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देश और महिला सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए डीटीसी डिपो नंद नगरी ट्रेनिंग स्कूल में डीटीसी और क्लस्टर बस चालकों के लिए भी एक कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें लगभग 35 डीटीसी ड्राइवर, 30 क्लस्टर बस ड्राइवर और आठ अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य जिम्मेदार ड्राइविंग व्यवहार को सुदृढ़ करना और सार्वजनिक परिवहन चालकों के लिए सुरक्षा मानदंडों का पालन सुनिश्चित करना है। इस दौरान स्पेशल सीपी ट्रैफिक, अजय चौधरी, एडिशनल सीपी मुख्यालय यातायात, सत्यवीर कटारा और शशांक जयसवाल (डीसीपी मुख्यालय यातायात) द्वारा बच्चों और सार्वजनिक परिवहन चालकों के बीच जागरूकता फैलाने में सड़क सुरक्षा सेल के प्रयासों की सराहना की गई।

श्री अरबिंदो कॉलेज में अस्मितामूलक हिंदी साहित्य पर परिचर्चा का किया आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री अरबिंदो कॉलेज के छात्रों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय पाठ्यक्रम के अंतर्गत पढ़ाए जा रहे अस्मितामूलक हिंदी साहित्य पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया व पाठ्यक्रम संबंधी प्रश्न पूछे। इस परिचर्चा में हिंदी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हंसराज सुमन ने छात्रों को अपने संबोधन में दलित साहित्य के महत्व को बताते हुए उसके मानवीय मूल्यों एवं सांस्कृतिक समन्वय पर विस्तार से बात की। सांस्कृतिक समन्वय के विषय में बात करते हुए उन्होंने बताया कि ज्योतिबा फुले, डॉ. अम्बेडकर, कबीर व रैदास द्वारा लिखी गई साखी, शबद की प्रासंगिकता आज भी समाज में लोकप्रिय बनी हुई हैं। इन्हीं कारणों से मुझे लगता है कि अस्मितामूलक साहित्य दलित साहित्य के बीच से निकला हुआ साहित्य है। उन्होंने बताया कि वर्तमान दलित साहित्य में हमें समता, समानता, बंधुत्व, मैत्री और समरसता का भाव दिखाई देता है इसलिए दलित साहित्यकारों को चाहिए कि वे अपने भोगे हुए यथार्थ को साहित्य की विषयवस्तु बनाए ताकि पुनः सम्पूर्ण समाज में अपने विचारों को फैला सकें।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में डीएमआरसी फिर लाया महिलाओं के लिए दो प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने महिलाओं के लिए एक ज्ञानवर्धक व रोचक प्रश्न प्रतियोगिता की घोषणा की है। इस प्रतियोगिता की विजेता महिला यात्रियों को डीएमआरसी की तरफ से विशेष आकर्षक पुरस्कार भी दिए जाएंगे और उनकी बेहतरीन कृतियों को दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर लोगों के अवलोकन के लिए प्रदर्शित भी किया जाएगा। डीएमआरसी के आगामी 8 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है। महिला दिवस को यादगार बनाने के लिए ऑन-द-स्पॉट पेबल आर्ट (कंकड़ कला) और सुडोकू प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। मेट्रो प्रवक्ता अनुज दयाल के अनुसार ने दिल्ली हाट आईएनए, राजीव चौक और विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशनों पर 3 और 4 मार्च 2025 को यह प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी। सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक महिला यात्री इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी रचनात्मकता कला का प्रदर्शन कर सकती हैं। प्रतियोगिता में चुनी गई बेहतरीन पेबल आर्ट कृतियों को दिल्ली मेट्रो के स्टेशनों पर प्रदर्शित किया जाएगा। वहीं इसके अलावा 28 फरवरी से 4 मार्च 2025 तक दैनिक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है। इस क्विज में जो महिलाएं सही उत्तर देंगी, उन्हें पुरस्कार दिया जाएगा। वहीं 5 मार्च को दिल्ली मेट्रो की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन क्विज और सुडोकू प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा की जाएगी। सभी विजेता महिलाओं को आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे।

बस क्यू सेल्टरों पर बन रही पार्किंग से यात्री परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली में अनेकों जगह बने हुए बस क्यू सेल्टरों को वाहन चालकों ने पार्किंग स्थल बना दिया है जिसके चलते यात्रियों को बसों में उतरते व चढ़ते समय भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों का कहना है कि एक तरफ तो दिल्ली सरकार कहती है सार्वजनिक बसों का बस लेन में चलाया जाए, ताकि यात्रियों को परेशानी ना हो लेकिन वहीं, दूसरी तरफ बस लेन और बस क्यू सेल्टरों को ही पार्किंग बनाया जा रहा है। बता दें कि हाल ही में दिल्ली पुलिस ने सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए जगह जगह जागरूकता अभियान आयोजित किए लेकिन दिल्ली पुलिस को दिल्ली नगर निगम सिविक सेंटर के पास कमला मार्केट थाने के निकट और शालीमार बाग बस क्यू सेल्टर पर खड़े हुए वाहन नजर नहीं आते हैं जिसके चलते हर रोज बड़ी संख्या में राहगीरों व बस यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शहीद स्मारक की स्टील ग्रिल चोरी पर दर्ज की शिकायत

- आपराधिक तत्वों की धर पकड़ के लिए अभियान चलाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

भाजपा के पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद त्रिवेदी ने खजूरी खास थाने में शहीद स्मारक की स्टील ग्रिल चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई है। इस बाबत उन्होंने एक लिखित पत्र थाना खजूरी खास के प्रभारी, सहायक आयुक्त, उत्तर पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त दिल्ली के आयुक्त पुलिस एवं दिल्ली के उपराज्यपाल ई मेल के जरिए भेज कर कानूनी कार्यवाही एवं आपराधिक तत्वों की विशेष धर पकड़ के लिए अभियान चलाने की मांग की है। आनंद त्रिवेदी ने लिखे पत्र में कहा कि उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी के कार्यालय द्वारा स्मारक की सुरक्षा के लिए लिखित पत्र देकर पहले भी आगाह किया जा चुका है लेकिन संबंधित पुलिसकर्मियों की लापरवाही के चलते शहीद स्मारक को क्षतिग्रस्त कर ग्रिल चोरी कर ली गई। उन्होंने शिकायत पत्र में खजूरी चौक पर सामाजिक तत्वों के सक्रिय होने और आए दिन आपराधिक घटनाओं की शिकायत की है तथा इन घटनाओं से क्षेत्र निवासियों में भय व्याप्त होने की भी शिकायत की है।

आईपी यूनिवर्सिटी ने किया उद्यमिता सेल को सम्मानित

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी ने हाल ही में आईआईटी बॉम्बे द्वारा आयोजित राष्ट्रीय उद्यमिता चुनौती (एनईसी) में अपने संबद्ध संस्थान 'एमईआरआई (मेरी)' के उद्यमिता सेल को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया है। उद्यमिता सेल ने फाइनल राउंड में प्रवेश किया और विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र टीम थी। सम्मान समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने टीम के समर्पण और उद्यमी भावना की प्रशंसा की। आईपीयू के जनसंपर्क अधिकारी नलिनी रंजन ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नागेश उर्फ मोटू, पुत्र** : श्री सुरेश, **पता:** बी–26, सब्ज़ी मंडी, मंगोलपुरी, दिल्ली ने मुकदमा **FIR No. 40192/19 U/S 379 / 411 / 34 IPC, थाना: नांगलोई, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नागेश उर्फ मोटू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नागेश उर्फ मोटू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 40192/19 U/S 379 / 411 / 34 IPC, थाना: नांगलोई, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **नागेश उर्फ मोटू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.05.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री आकांक्षा
न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी–05 (पश्चिम)
कमरा नं. 336ए, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/2436/OD/2025
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राज कुमार सुराना, पुत्र** : स्व. श्री नाग राज सुराना, **पता:** चौहान निवास, आरजेडजी–49/20, द्वितीय तल, निहाल विहार, खेड़ा डिपार्टमेंटल स्टोर के पास, नई दिल्ली–41 ने कोर्ट मुकदमा सं. **14205/18 U/S, थाना: पूर्वी पश्चिम विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राज कुमार सुराना** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राज कुमार सुराना** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि कोर्ट मुकदमा सं. **14205/18 U/S, थाना: पूर्वी पश्चिम विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राज कुमार सुराना** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **07.04.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री शुभम गुप्ता
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी (एनआई एक्ट)–04
कमरा नं. 4, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/2391/OD/2025
(Court Matter)

द्वारका पार्क में डीडीए द्वारा प्रवेश शुल्क लगाने के विरोध में स्थानीय लोगों ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा द्वारका के द्वारका गोल्फ कोर्स स्थित सेक्टर 16- डिस्ट्रिक्ट पार्क में प्रवेश के लिए शुल्क लगाए जाने के विरोध में स्थानीय लोगों ने शनिवार को विरोध प्रदर्शन करते हुए इसे वापस लेने की मांग की। लोगों का कहना है कि यह डीडीए की तानाशाही से कम नहीं है। पार्क के नजदीक बने अनेक अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों ने इसका विरोध करते हुए कहा कि डीडीए ने एक आदेश जारी किया है, जिसके अनुसार पार्क में आने के लिए लोगों को उम्र के हिसाब से फीस देनी होगी। जबकि स्थानीय अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों के लिए यही एकमात्र पार्क है, जहां वे घूमने फिरने के लिए आते हैं। इस पार्क में जहां एक तरफ सेवानिवृत बुजुर्ग अपना समय बीताते है वहीं सुबह के समय लोग सैर, व्यायाम आदि करते है जबकि ने बच्चों के खेलने के लिए भी एक पार्क है। ऐसे में डीडीए द्वारा पार्क में प्रवेश के लिए 20 रुपये शुल्क लगाना नाइंसाफी ही है। लोगों का कहना है कि यहां बने विभिन्न अपार्टमेंट में रहने वाले सभी लोग प्रॉपर्टी टैक्स से लेकर इनकम टैक्स व अन्य सभी प्रकार के टैक्स देने के बाद भी अगर बेसिक सुविधा नहीं मिलेगी, तो क्या फायदा है। लोगों का कहना है जैसे हाल ही में इस पार्क में डीडीए ने विशेष प्रकार का पलाश फ्लावर शो लगाया था। ऐसे आयोजनों में बेशक डीडीए शुल्क लगाने में कोई दिक्कत नहीं है। स्थानीय रेजिडेंट वेलफेयर असोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. के एस भाटी ने बताया कि द्वारका के सेक्टर 16 डी पार्क में शुल्क लगाना गलत है, क्योंकि दिल्ली में अन्य पार्क जैसे नेहरू पार्क, बुद्ध जयंती पार्क, मिलेनियम पार्क, स्वर्ण जयंती पार्क आदि में आज तक कोई एंट्री फीस नहीं लगती। यह समानता के अधिकार के विरुद्ध है।

यह शुल्क अनुच्छेद 14 और 21 का करता है उल्लंघन

यह शुल्क अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन करता है, जो भारतीय संविधान के अंतर्गत सामान्य और सुखी जीवन का अधिकार प्रदान करता है। इसलिए डीडीए को इसे तुरंत वापस लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि स्थानीय विधायक और पार्षद की तरफ से आश्वासन दिया गया है कि वे इसका जरूर कोई न कोई विकल्प निकालेंगे। बता दें कि डीडीए ने 25 फरवरी 2025 को एक नोटिस जारी करके बताया कि अब पार्क में जाने के लिए टिकट लगेगा। बुजुर्गों के लिए टिकट 10 रुपये का होगा, विदेशियों को 100 रुपये देने होंगे, वहीं 13 साल से ज्यादा उम्र वाले को 20 रुपये एंट्री फीस देनी होगी, जबकि 13 साल से छोटे बच्चों को कोई पैसा नहीं देना होगा, लेकिन उन्हें अपना पहचान पत्र दिखाना होगा।

खबर संक्षेप

निगम : मोबाइल ऐप पर लगेगी हाजिरी तो जारी होगा वेतन

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम कर्मियों को एमसीडी स्मार्ट मोबाइल ऐप पर दर्ज की गई उपस्थिति के अनुसार वेतन मिलेगा। जो कर्मचारी मोबाइल ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज नहीं करेंगे, उन्हें केवल उन्हीं दिनों के लिए वेतन मिलेगा जिनके लिए उन्होंने ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज की है। निगम प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी दी। निगम प्रशासन ने बताया कि दिल्ली नगर निगम प्रशासनिक सुधारों की दिशा में लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। निगम कर्मियों की कार्यकुशलता और समयबद्धता में सुधार लाने के लिए, दिल्ली नगर निगम मार्च 2025 से सभी कर्मियों का वेतन मोबाइल ऐप अटेंडेंस के आधार पर तैयार करेगा।

एनडीएमसी ने किया शिकायत निवारण सुविधा शिविर का आयोजन

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं को सूचना, सुविधा और शिकायत निवारण प्रदान करने के लिए जयसिंह मार्ग स्थित एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर में एक सुविधा शिविर का आयोजन किया। एनडीएमसी के संबंधित अधिकारियों ने शिविर में जनता से 63 शिकायतें प्राप्त की। एनडीएमसी प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी दी। एनडीएमसी प्रशासन ने बताया कि निवासियों की अधिकांश शिकायतें कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, बागवानी, सार्वजनिक स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्यिक, कर और संपदा विभागों से संबंधित हैं। इसके अलावा सैकड़ों स्थानीय निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं ने नागरिक सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए सुविधा शिविर का दौरा किया।

प्रदूषण को लेकर पर्यावरण मंत्री ने की अधिकारियों के साथ बैठक

31 मार्च के बाद, 15 साल पुरानी गाड़ियों को नहीं दिया जाएगा तेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के प्रदूषण को नियत्रित करने के लिए दिल्ली सरकार अभी से एक्शन मोड़ में नजर आने लगी है। इसी कड़ी में शनिवार को दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दिल्ली में 15 साल पुराने वाहनों को अब पेट्रोल पंप पर तेल नहीं दिया जाएगा। बता दें कि दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली प्रदूषण को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की। सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी साझा करते हुए मंत्री सिरसा ने कहा कि 31 मार्च के बाद, 15 साल पुरानी गाड़ियों को ईंधन नहीं दिया जाएगा। इसके अलावा दिल्ली में कुछ बड़े होटल, कुछ बड़े ऑफिस कॉम्प्लेक्स, दिल्ली एयरपोर्ट, बड़े निर्माण स्थल हैं वहां हम अनिवार्य बनाने जा रहे हैं कि वे तुरंत एंटी-स्मॉग गन लगवाएं ताकि प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके। हम दिल्ली की सभी ऊंची इमारतों के लिए अनिवार्य करने जा रहे हैं कि वे स्मॉग गन लगवाएं।

मंत्री सिरसा ने कहा कि हम दिल्ली के सभी होटलों के लिए अनिवार्य करने जा रहे हैं कि वे स्मॉग गन लगवाएं। इसी तरह, हम सभी व्यापारिक कॉम्प्लेक्सेस के लिए भी यह अनिवार्य करने जा रहे हैं। हमने आज निर्णय लिया है कि हम क्लाउड सीडिंग यानी कृत्रिम बारिश के लिए जो भी अनुमति की आवश्यकता होगी, उसे प्राप्त करेंगे और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जब दिल्ली में गंभीर प्रदूषण हो, तो कृत्रिम बारिश के जरिए बारिश करवाई जा सके और प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके।

फ्लावर फेस्टिवल : एलजी ने लोगों से कहा, आएं और देखें फूलों की सुंदरता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने नई दिल्ली पालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में आयोजित फ्लावर फेस्टिवल 2025 का शनिवार को उद्घाटन किया। इस मौके पर उपराज्यपाल ने दिल्ली वालों से आग्रह किया है कि वह आए और विभिन्न प्रकार के खिलते हुए फूलों की सुंदरता को देखें। एलजी ने कहा कि इस समय वसंत ऋतु का मौसम है और पूरी दिल्ली भर में तरह तरह के रंग बिरंगे फूल खिल रहे हैं। सड़कों पर, पार्कों में और जीवंत पुष्प उत्सवों में, जो शहर को होली पूर्व ही रंगों से सराबोर कर रहे है। इस अवसर पर एलजी सक्सेना के अलावा एनडीएमसी अध्यक्ष केशव चंद्रा सहित अन्य आला अधिकारी मौजूद। राजनिवास द्वारा दी गई जानकारी अनुसार एलजी ने मनमोहक सुगंध व खुबसूरत छटा बिखेरते फूलों को लेकर कहा कि यह फेस्टिवल दिल्ली की समृद्ध पुष्प विविधता व उसकी मनमोहने वाली खूबसूरती को प्रदर्शित करता है। दिल्ली में जगह जगह ऐसे नजारे प्रकृति प्रेमियों और उत्साही लोगों को शहर की खिलती हुई भव्यता का जश्न मनाने के लिए एक साथ अपनी ओर खींचता है। उन्होंने कहा कि चमकीले मैरीगोल्ड और नाजुक पेटुनिया से लेकर सुगंधित गुलाब और विदेशी आर्केड तक बता रहे है कि दिल्ली वास्तव में फूलों का शहर बनने की राह पर निरंतर अग्रसर हो रही है।

मार्च के पहले दिन हुई अच्छी बारिश

नई दिल्ली। फाग यानी रंगों के त्यौहार होली से पहले शुरू मार्च महीने की शुरुआत राजधानी में बारिश के साथ हुई है। हालांकि वैसे तो गत दो दिनों से राजधानी में हल्की बूंदाबांदी देखने को मिल रही थी। लेकिन एक मार्च शनिवार की सुबह दिल्ली के कई हिस्सों में अच्छी बारिश देखने को मिली। बावजूद इसके हैरानी की बात है कि अधिकतम व न्यूनतम पारा गिरने की बजाए सामान्य से कहीं अधिक दर्ज हो रहा है। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार शनिवार को अधिकतम तापमान 28.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। वहीं तेज हवाओं व बारिश के बावजूद दिल्ली में सुबह के समय न्यूनतम तापमान 16.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 4.1 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

अभी नहीं जागी दिल्ली सरकार तो घंटों जाम में फंसे रहेंगे हजारों लोग

हल्की सी मानसून बारिश में ही जी टी के डिपो से जहांगीरपुरी तक हो जाता है जलभराव

दया राम ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में मानसून के दौरान दिल्ली के कई इलाकों में भयंकर यातायात जाम लगता है लेकिन यह यातायात जाम खत्म या फिर कम किया जा सकता है यदि दिल्ली सरकार अभी से ही यानी मानसून सीजन से पहले ही इस तरफ विशेष ध्यान देकर कार्य करना शुरू कर दें। ऐसे ही यातायात जाम की बड़ी समस्या झेलने वाले इलाकों में से एक इलाका मुकरबा चौक से जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन तक का है और मानसून की बारिश के दौरान यहां के हालात बहुत की खराब हो जाते हैं और घंटों जाम की स्थिति बन जाती है। यहां जलभराव के चलते अलीपुर, सोनीपत की तरफ से आजादपुर की तरफ आने वाले वाहनों का लिबासपुर से पहले ही जमावड़ा होना शुरू हो जाता है और इसके चलते ही भयंकर यातायात जाम का सामना लोगों को करना पड़ता है। गत वर्षों के अनुभव को देखते हुए कहा जा सकता हैं कि वाहन रेंगने लगते हैं, मरीजों को दिल्ली लेकर आने वाले एंबुलेंस वाहन सायरन देते रहते हैं लेकिन ऐसी स्थिति में कोई कुछ नहीं कर पाता है। लिबासपुर से लेकर जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन तक जाम ही जाम हो जाता है। बस यात्रियों को अपने गंतव्य स्थान तक जाने में बस से उतरकर पैदल चलना पड़ता है। छोटे छोटे बच्चे, बुजुर्गों आदि को भारी परेशानी का सामना करते हुए देखा जा सकता है।

फाइल फोटो

निकासी की व्यवस्था करनी होगी बेहतर

यहां आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष दलबीर पुनिया ने बताया कि यहां पर वैसे तो पानी की निकासी के लिए दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग ने पंप की व्यवस्था की हुई है लेकिन बारिश के दौरान हुए जलभराव की मात्रा को देखते यह पंप सक्षम नहीं है, क्योंकि यहां निकासी के लिए जो पाइप लगाए गए हैं, उनका आकार कम है और पानी निकालने में ही घंटों का समय ले लेता है। जबकि पहले ऐसा नहीं होता था और भलस्वा के पास पंप लगे हुए होते थे जोकि पानी को जल्द से जल्द फेंक देते थे। यदि यहां इस समस्या का स्थाई हल करना है तो यहां पर निकासी के लिए चौड़े चौड़े पाइपों की व्यवस्था करनी होगी।

- लोगों को करना पड़ता है यातायात जाम का सामना

निगम : राजस्व बढ़ाने के लिए अब दोनों तरफ किया जाएगा विज्ञापन

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम को माली हालत को उबारने के लिए दिल्ली नगर निगम के आयुक्त अश्विनी कुमार निगम राजस्व बढ़ाने के लिए जुट गए हैं। बता दें कि गत माह निगम मुख्यालय सिविक सेंटर में आयोजित विशेष बजट बैठक के दौरान गिगम आयुक्त ने बताया कि विज्ञापन विभाग द्वारा गत वर्षों में जो यूनीपोल आवंटित किए गए थे उनमें से अधिकतर एक तरफा सतह वाले थे। परंतु अब यह दोनों तरफ की सतह पर विज्ञापन करने की अनुमति के साथ टेंडर किया जा रहा है। आशा है कि इस कार्य से दिल्ली नगर निगम को अधिक राजस्व प्राप्त होगा, साथ ही अनधिकृत विज्ञापन से भी निजात मिल सकेगी। निगम ने प्रतिस्पर्धा के सहारे राजस्व बढ़ाने के ठोस कदम उठाए हैं। इस दौरान उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-2025 में विभाग के बजट अनुमान के अंतर्गत 350 करोड़ रुपये की राजस्व आय का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में 31 जनवरी, 2025 तक निगम के सत्त प्रयासों से लगभग 288 करोड़ 37 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया जा चुका है।

खबर संक्षेप

सुपर मॉडल पब्लिक स्कूल में लगी प्रदर्शनी

गाजियाबाद। सुपर मॉडल पब्लिक स्कूल मसूरी में शनिवार को प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। नन्हे उस्तादों की रचनात्मकता और मेहनत काबिले तारीफ रही। स्कूल के प्रबंधक आरिफ राजा ने बच्चों की प्रशंसा की।

नोएडा फिल्म सिटी परियोजना शुरू

गुरुग्राम। भूटानी इंफ्रा ने नोएडा फिल्म सिटी परियोजना शुरू की। जिसमें वर्चुअल स्टूडियो, अंडरवाटर फिल्मिंग और अंतरिक्ष से दिखाई देने वाला 250 एकड़ का

ऊँ (ओम) शामिल है। भारत के सिनेमाई और रियल एस्टेट परिदृश्य में एक ऐतिहासिक कदम है। इसमें 1,510 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। 250 एकड़ का विशाल ऊँ प्रतीक उत्तर प्रदेश सरकार की फिल्म नीति 2023 के अनुरूप है, जो निवेश को आकर्षित करेगी और 50,000 से अधिक लोगों को रोजगार देगी। भूटानी इंफ्रा के सीईओ आशीष भूटानी ने कहा, सिटी भारतीय फिल्म उद्योग के लिए एक नए युग की शुरुआत करेगी।

वारदात को अंजाम देने वाले 2 आरोपियों को पकड़ा

फरीदाबाद। थाना एनआईटी की पुलिस टीम ने घर में घुसकर चाकू के बल पर लूट की वारदात को अंजाम देने के मामले में आरोपी

नीतीश व शाहनवाज गिरफ्तार किया है। सहायक पुलिस आयुक्त मोनिका ने बताया कि एनआईटी में रहने वाली महिला ने अपनी दी शिकायत में आरोप लगाया कि 23 दिसम्बर 2024 की सुबह समय करीब 6 बजे अनजान व्यक्ति उसके घर में घसे और रसोई से सब्जी काटने वाले चाकू के बल पर दो अगूठी, एक जोडी टोप्स व लगभग 10-12 हजार रुपये लेकर फरार हो गये। मामला थाना एनआईटी में दर्ज किया गया है।

गोल्फलिंक टाउनशिप में फ्लावर शो का आयुक्त ने किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने लैंड क्राफ्ट गोल्फलिंक टाउनशिप में आयोजित फ्लावर शो के दूसरे दिन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। फ्लावर शो का आयोजन जिसमें फूलों पौधों की अनेकों प्रजातियों की प्रदर्शनी लगाई गई है। पौधों से संबंधित अनेक कंपटीशन भी रखे गए। जिससे शहरवासियों को प्लांटेशन के प्रति जागरूक किया गया। सीनियर सिटीजन युवाओं तथा बच्चों को भी फ्लावर शो में विशेष अनुभव मिल रहा है जो की सराहनीय हैं। मौके पर ललित जायसवाल, फ्लावर शो की आयोजन राकेश गोयल, दिवाकर हॉर्टिकल्चर सोसाइटी से राम त्यागी, गौरव गर्ग राघव गर्ग निरमेश व अन्य उपस्थित रहे।

प्रकृति तथा पर्यावरण के प्रति शहरवासियों को जागरूक कर रहा है फ्लावर शो का आयोजनः नगर आयुक्त

खास बातें

- शहर को प्लांटेशन की महत्वता का दिया संदेश
- फूलों-पौधों की अनेकों प्रजातियों की प्रदर्शनी लगाई
- पौधों से संबंधित अनेक कंपटीशन भी रखे गए

नागरिकों को स्वच्छता तथा सुंदरता के प्रति जागरूक किया

नगर आयुक्त ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत फ्लावर शो का भव्य आयोजन जिसमें हजारों शहर वासियों द्वारा शिरकत की जा रही है।।यह भव्य आयोजन सभी का मन लुभा रहा है। साथ ही हर नागरिक को स्वच्छता तथा सुंदरता के प्रति जागरूक भी कर रहा है कार्यक्रम में गाजियाबाद नगर निगम का विशेष सहयोग रहा है। कई प्रजातियों के फूल तथा पौधे गाजियाबाद नगर निगम उद्यान विभाग द्वारा लगाए गए हैं, कई स्कूलों द्वारा भी कार्यक्रम में प्रतिभा किया जा रहा है जो की सराहनीय है विद्यार्थियों की भी स्वच्छ पर्यावरण तथा प्रकृति के बारे में जागरूकता बढ़ेगी। इस अवसर पर नगर आयुक्त के साथ अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी व अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मतदान व मतगणना के दौरान जिले में शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिलाधीश ने लागू की धारा 163

फरीदाबादः जिले में नगर निगम का मतदान आज, 12 को होगी मतगणना

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद नगर निगम चुनाव 2025 के तहत जिले में आज (2 मार्च को) मतदान होगा। मतदान के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिलाधीश विक्रम सिंह ने 2 मार्च की शाम मतदान प्रक्रिया पूर्ण होने व 12 मार्च के दिन मतगणना संपन्न होने तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 लगाने के आदेश दिए हैं। जिलाधीश विक्रम सिंह द्वारा जारी आदेशों में कहा गया है कि उपरोक्त अवधि के दौरान सभी मतदान केंद्रों व संबंधित निकाय क्षेत्रों में बनाए गए मतगणना केंद्रों की 200 मीटर परिधि के भीतर व्यक्तियों का गैरकानूनी रूप से एकत्र होना और सार्वजनिक बैठकें आयोजित करना, निकाय चुनाव-2025 के कारण संबंधित निकाय क्षेत्र के भीतर तनाव, परेशानी, बाधा या व्यक्ति को चोट या मानव जीवन और संपत्ति को नुकसान, सार्वजनिक शांति और सौहार्द में गड़बड़ी पैदा कर सकता है।

जिसको मद्देनजर रखते हुए जिलाधीश ने भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिंता 2023 की धारा 163 के तहत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए 2 मार्च को सायं 6 बजे तक या मतदान प्रक्रिया पूरी होने तक तथा 12 मार्च को मतगणना का कार्य पूरा होने तक पांच से अधिक व्यक्तियों के गैरकानूनी रूप से एकत्रित होने तथा किसी भी प्रकार के अपराधिक हथियार जैसे लाइसेंसी सशस्त्र, आग्नेयास्त्र, तलवारें, लाठियां, बरछा, कुल्हाड़िया जेली, गंडासे, चाकू और अन्य हथियार (सिखों के वास्तविक धार्मिक प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले म्यान वाले कृपाण को छोड़कर) जिससे चोट लग सकती है, पर रोक लगाई है। जारी आदेशों में कहा गया है कि ये निर्देश कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी वाले पुलिस अधिकारियों, सुरक्षा कर्मियों, चुनाव ड्यूटी पर तैनात सेक्टर अधिकारियों आदि पर लागू नहीं होंगे। साथ ही मतदान केंद्र से 200 मीटर के अंदर कोई भी बूथ स्थापित नहीं किया जाएगा।

खास बातें

- प्रत्येक बूथ पर एक ही बैनर लगाने की अनुमति होगी
- बैनर का आकार 3 फीट से 1.5 फीट से अधिक नहीं होना चाहिए
- पोलिंग पार्टी चुनाव सामग्री लेकर रवाना
- मतदान आज सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा

मतदान के दिन सवेतन अवकाश की अधिसूचना जारी

हरियाणा सरकार ने उन क्षेत्रों के पंजीकृत मतदाताओं के लिए 2 मार्च तथा 9 मार्च 2025 (रविवार) को अवकाश घोषित किया है, जहां नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पालिकाओं के चुनाव होने हैं। मानव संसाधन विभाग द्वारा इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। यह जानकारी डीसी विक्रम सिंह ने दी। डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि अधिसूचना के तहत हरियाणा सरकार के सभी कार्यालयोंए बोर्डों निगमों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ राज्य में स्थित विभिन्न कारखानों, दुकानों और निजी प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों, श्रमिकों, जो इन क्षेत्रों के पंजीकृत मतदाता हैं।

फरीदाबाद में 24 घंटे बंद रहेगा पानी

पाइप लाइन का किया जाएगा स्थानांतरण

फरीदाबाद। फरीदाबाद कई इलाकों में 3 मार्च की सुबह 9 बजे से लेकर 4 मार्च की सुबह 9 बजे वाटर सप्लाई ठप रहेगी। फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण बाईपास रोड पर जल आपूर्ति पाइपलाइन नंबर-7 का स्थानांतरण कर रहा है, जिसके चलते पानी की सप्लाई बंद रहेगी। एफएमडीए की प्रवक्ता नेहा शर्मा ने जानकारी दी कि सेक्टर-45, ग्रीन फील्ड कॉलोनी, लक्कड़पुर गांव और सूरजकुंड में पानी नहीं आएगा।

पेयजल संकट से निपटने ट्यूबवेल की मरम्मत का काम शुरू

फरीदाबाद नगर निगम ने भी पानी की सप्लाई बेहतर करने के लिए कमर कस ली है। गर्मियों में बढ़ती मांग को देखते हुए बूस्टर और ट्यूबवेल की मरम्मत का काम जल्द शुरू किया जाएगा। इस पर 2 करोड़ 32 लाख 81 हजार रुपए खर्च किए जाएंगे।

प्रत्येक बूथ पर केवल एक मेज और दो कुर्सियां होंगी

जिलाधीश ने जारी आदेश में कहा है कि यदि एक ही परिसर में कई बूथ हों, तो उम्मीदवार को केवल एक बूथ लगाने की अनुमति होगी। प्रत्येक बूथ पर केवल एक मेज और दो कुर्सियां होंगी। मौसम से बचाव के लिए छाता, तिरपाल या कपड़ा उपलब्ध कराया जाएगा, लेकिन टेंट आदि नहीं लगाए जा सकेंगे। उम्मीदवार को बूथ स्थापित करने से पहले रिटर्निंग अधिकारी को सूचित करना होगा। साथ ही उसे स्थानीय अधिकारियों से लिखित अनुमति लेनी होगी। बूथों का उपयोग केवल मतदाताओं को अनौपचारिक पहचान पर्चियां देने के लिए किया जाएगा। इन पर्चियों पर उम्मीदवारए दल या प्रतीक का नाम नहीं लिखा जाएगा। प्रत्येक बूथ पर एक ही बैनर लगाने की अनुमति होगी। बैनर का आकार 3 फीट में 1.5 फीट से अधिक नहीं होना चाहिए। बूथ पर भीड़ इकट्ठी नहीं होने दी जाएगी। जिन्होंने पहले ही मतदान कर लिया है, उन्हें बूथ पर आने की अनुमति नहीं होगी। बूथ पर मौजूद व्यक्ति मतदाताओं को किसी भी प्रकार से बाधा नहीं देंगे।

केंद्रीय उड्डयन मंत्री ने दिखाई हरी झंडी

गाजियाबादः हिंडन एयरपोर्ट से गोवा व कोलकाता के लिए फ्लाइट शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

हिंडन एयरपोर्ट से गोवा व कोलकाता के लिए फ्लाइट शनिवार से शुरू हो गयी। केंद्रीय उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजारापु ने हिंडन सिविल टर्मिनल एयरपोर्ट पर गोवा जाने वाली फ्लाइट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

पहली फ्लाइट पर गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग, विधायक अजीत पाल त्यागी व संजीव शर्मा समेत गाजियाबाद के 70 लोग गोवा के लिए रवाना हुए। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू किंजारापु ने अपने संबोधन में कहा कि हिंडन से अन्य शहरों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी की जाएगी। उन्होंने बताया कि यूपी के प्रयागराज, लखनऊ, अयोध्या और वाराणसी के लिए भी उड़ान सेवा शुरू की जाएगी।

हिंडन से 180 सीटर हवाई जहाज जाएंगे। शनिवार को गोवा और कोलकाता के लिए हवाई उड़ान शुरू हुईं। उन्होंने कहा कि रविवार से बेंगलुरु के लिए भी हवाई उड़ान शुरू होंगी।

22 मार्च से हिंडन एयरपोर्ट से जम्मू और चेन्नई के लिए भी फ्लाइट शुरू होंगी। 22 मार्च से ही बेंगलुरु के लिए दिन में दो फ्लाइट शुरू होंगी।

दिन में फेरी लगाकर दुकान चिन्हित करते थे

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

पारदी गिरोह का 50 हजार रुपए का इनामी बदमाश गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच पुलिस ने शनिवार को पारदी गिरोह से सक्रिय सदस्य दीपक पारदी को गिरफ्तार किया है। इसने अपने साथियों के साथ मिलकर बॉर्डर पर सोने चांदी के आभूषणों की दुकान में चोरी घटना को अंजाम दिया था। इस घटना में शामिल 50 - 50 हजार रुपए के दो इनामी बदमाशों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया जा चुका है। अन्तर्राज्यीय पारदी गिरोह का शातिर अपराधी दीपक पारदी वांछित चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार हजार रुपए का नगद पुरस्कार घोषित था। पूछताछ पर दीपक पारदी ने बताया कि वह कक्षा 9 तक पढ़ा है तथा पारदी जनजाति मध्यप्रदेश का रहने वाला है। दीपक तथा उसके साथी गैंग बनाकर भारत के विभिन्न राज्यों में चोरी/लूट/डकैती आदि की घटनाएं करते हैं। पहले वहां जाकर गली-गली बाजारों, मोहल्लों में खिलौने, गुलदस्ते आदि की फेरी का काम करते हैं। फेरी करते हुए यह चिन्हित कर लेते है। किस मकान या दुकान में आसानी से घटना कर सकते हैं फिर रात में इसके गैंग के अन्य लोग असलहे, सरिए, आला नकब डंडे आदि लेकर रेकी किये हुए दुकान, मकान से कुछ दूर रूक जाते हैं। पुलिस या अन्य कोई बाधा तो नहीं है रास्ता साफ देखकर इसके गिरोह के लोग एक साथ जाकर दुकान, मकान का शटर या दरवाजा तोड़कर अंदर घुस जाते है। इसके गिरोह के कुछ साथी दुकानों, घरों के बाहर रहते हैं और डंडा और गुलेल लेकर जो कुत्ते आदि भौकतें हैं। उन्हे मारकर भगा देते हैं और बाहर से नजर रखते हैं। चोरी के दौरान यदि कोई व्यक्ति आ जाता है या विरोध करता है तो उसको इनके पास मौजूद असलहा दिखा कर डराकर व उनके साथ मारपीट कर चुप करा देते हैं। जो भी कीमती सामान जैसे सोना-चांदी, जेवरात नकदी आदि मिलता है लेकर भाग जाते हैं।

ठेके पर हुई कहासुनी में युवक ने किया हवाई फायर

गुरुग्राम। सेक्टर-10ए थाना क्षेत्र में गांव चंदू के पास ठेके पर हुई कहासुनी में एक युवक ने हवाई फायर करने का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में जिले के गांव साढ़राणा निवासी मनोज यादव ने बताया कि बीते बृहस्पतिवार की रात लगभग 10 बजे वह, उसका भाई व पिता कार में बैठकर अपने ताऊ के लड़के संदीप को ढूंढने निकले थे। संदीप शराब पीने का आदी है। जब वे चंदू गांव के पास ठेके पर पहुंचे तो मनोज यादव के ताऊ का लड़का संदीप की ठेके के अंदर बैठे चार लोगों के साथ बहसबाजी हो रही थी।

फरीदाबाद पुलिस ने भगोड़े अपराधियों के विरुद्ध चलाया विशेष अभियान

उद्घोषित अपराधी, बेल जंपर और पैरोल जंपर सहित 152 आरोपियों को पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर से आदेश पर हरियाणा पुलिस द्वारा उद्घोषित अपराधी, बेल जंपर तथा पेरोल जंपर की धरपकड़ के लिए माह फरवरी में एक विशेष अभियान चलाया गया, जिसके अंतर्गत कार्रवाई करते हुए फरीदाबाद पुलिस ने 152 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस पखवाड़े को सफल बनाने के लिए पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता ने मकसूद अहमद पुलिस उपायुक्त अपराध को नोडल अधिकारी नियुक्त किया। जिनके मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए फरीदाबाद पुलिस की विभिन्न क्राइम ब्रांच, थाना व चौकी प्रभारी तथा पीओ स्टाफ के टीम ने 64 उद्घोषित अपराधी, 87 बेल जंपर व एक पेरोल जंपर को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। इनमें 11 आरोपी संगीन अपराधों के है। इसके अतिरिक्त 44 बेल जंपर व उद्घोषित अपराधियों के मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त अपराध मकसूद अहमद ने कहा कि आरोपियों को पकड़ने के लिए समय-समय पर पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाए जाते हैं। इस पखवाड़े के दौरान फरीदाबाद पुलिस की अलग-अलग टीमों ने आरोपियों को पकड़ने के लिए उनके ठिकानों पर दबिश दी साथ ही सूत्रों की सुचना व तकनीकी सहायता से भी भगोड़े आरोपियों को पकड़ने में सफलता मिली। उन्होंने कहा कि आगे भी आरोपियों को पकड़ने के लिए फरीदाबाद पुलिस के अभियान जारी रहेंगे।

उद्योग जगत के दिग्गजों ने दिए सफलता के मंत्र

एकोलॉन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में छात्रों की लगी लॉटरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद में शनिवार को एक भव्य एचआर कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर की 50 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों के एचआर और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को कॉर्पोरेट जगत से जोड़ना और उनके लिए प्लेसमेंट के नए अवसर उपलब्ध कराना था। इस कार्यक्रम में विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों ने छात्रों के कौशल विकास, इंडस्ट्री की आवश्यकताओं और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। कई कंपनियों ने संस्थान के छात्रों के लिए इंटर्नशिप और जॉब प्लेसमेंट के अवसर उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताई, जिससे विद्यार्थियों को अपने करियर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का सुनहरा अवसर मिला। संस्थान के संस्थापक प्रभात अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि एकोलॉन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का उद्देश्य सिर्फ डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि छात्रों को इंडस्ट्री के लिए पूरी तरह तैयार करना है। यह एचआर कॉन्क्लेव छात्रों के लिए एक ऐसा मंच है, जहां वे इंडस्ट्री लीडर्स से मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं और अपने करियर को सही दिशा दे सकते हैं।

50 कंपनियों ने खोले कॅरिअर के दरवाजे

संस्थान के निदेशक ने भी इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है। इंडस्ट्री में सफल होने के लिए व्यावहारिक अनुभव और प्रोफेशनल स्किल्स जरूरी हैं। ऐसे आयोजन छात्रों को वास्तविक कॉर्पोरेट चुनौतियों से अवगत कराते हैं और उन्हें करियर में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करते हैं। एचआर कॉन्क्लेव में मौजूद एक प्रमुख कंपनी के एचआर प्रमुख ने छात्रों से बातचीत करते हुए कहा कि आज इंडस्ट्री उन उम्मीदवारों की तलाश कर रही है, जिनमें टेक्निकल स्किल्स के साथ-साथ प्रॉब्लम.सॉल्विंग एबिलिटी और लीडरशिप क्वालिटी हो। इस तरह के कार्यक्रम छात्रों को इंडस्ट्री की जरूरतों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करते हैं और उन्हें कॉर्पोरेट जगत के लिए तैयार करते हैं।

एचआर कॉन्क्लेव की समन्वयक, प्रबंधन अध्ययन विभाग की डीन, डॉ. सीमा कुमारी ने कॉर्पोरेट सहयोगियों का बहुमूल्य समय देने के लिए हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया और इस कार्यक्रम को भव्य सफलता घोषित किया। उन्होंने जानकारी दी कि केपीएमजी, बीएमडब्ल्यू, जेनपैक्ट, लेंसकार्ट, टेलर एंड फ्रांसिस, इंटेलस डायरेक्ट, इन्फोटेक सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड , सिएल, सीशार्प इंक और कई अन्य प्रसिद्ध कंपनियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

राजेश बैंसला दूसरी बार बने फरीदाबाद जिला बार एसोसिशन के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

जिला बार एसोसिएशन का चुनाव कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई। घोषित परिणाम में राजेश बैंसला को बार एसोसिएशन का प्रधान चुना गया। उन्हें करीब 850 मत मिले। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी प्रधान पद के उम्मीदवार अजीत डागर को हराया। उनकी जीत से उनके समर्थकों में खुशी की लहर है। अधिवक्ता भीम सिंह चंदीला, रविंदर नागर व अनीस खान का कहना है राजेश दूसरी बार प्रधान चुने गए हैं। अदालत परिसर में ढोल बाजों के साथ खुशी जाहिर करते नजर आए।

जिला बार एसोसिएशन के चुनाव को लेकर दिन भर अदालत परिसर में गहमागहमी रही। किसी प्रकार की आशंका पर विराम लगाने के लिए पुलिस की ओर से भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। ईवीएम से कराए गए बार के चुनाव के लिए चुनाव अधिकारियों की तरफ से

सुबह साढ़े 9 बजे से शाम पांच बजे तक का मतदान का समय निर्धारित किया गया था। बताया जा रहा है कि मतदान के लिए करीब 32 ईवीएम की व्यवस्था की गई थी। दोपहर चुनावी प्रक्रिया कुछ धीमी रही। लेकिन दोपहर बाद अधिवक्ताओं की संख्या बढ़ने से शाम होते-होते आंकड़ा बढ़ गया। इलेक्शन कमेटी के चेयरमैन के अनुसार बार चुनाव के लिए कुल मतदाता करीब 2868 निर्धारित थे। इनमें से अधिकांश मत पड़े।

सचिव पद पर अमित भाटी विजयी रहे

जिला बार एसोसिएशन के चुनाव में शुक्रवार देर रात अध्यक्ष पद पर राजेश बैंसला विजय रहे। सचिव पद पर टीका डागर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर अभिषेक शर्मा, उपाध्यक्ष पद पर आशीष कौशिक ने जीत दर्ज की। अतिरिक्त सचिव पद पर राजेश भाटी विजयी रहे। संयुक्त सचिव पद पर अमित भाटी ने जीत हासिल की। कोषाध्यक्ष पद पर विवेक कौशिक और वरिष्ठ एक्जिक्यूटिव सदस्य पद पर अधिवक्ता मीनाक्षी कुमार 1286 वोट पाकर विजयी रही।

खबर संक्षेप

यूनिवर्सिटी कैंपस में चली गोली, छात्र की मौत

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के एबीके यूनियन हाई स्कूल के पास छात्रों के दो पक्षों में

झगड़ा इतना बढ़ा कि एक छात्र ने दूसरे छात्र को गोली मार दी। जिससे छात्र की मौत हो गई। गोली लगने से घायल छात्र को मेडिकल कालेज ले जाया गया। जहां छात्र को मृत घोषित कर दिया गया।

महाकुंभ 2025 का समापन

सिमटते आश्रय स्थलों की वीरानी अब कर रही उदास | कल तक रौनक से गुलजार था संगम तट, अब सब सूना-सूना | अब नाविक श्रद्धालुओं की बाट जोहते नजर आ रहे हैं | सफाई कर्मियों के चेहरे पर बोनस की खुशी वहीं दुकानदार दुकानदारी कम होने से मायूस

खेतीबाड़ी के स्थाई और टिकाऊ विकास की योजना

नदियों के दोनों किनारे पर 5-5 किमी के दायरे में होगी सिर्फ प्राकृतिक खेती

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूपी में अब केवल गंगा ही नहीं स्थानीय नदियों के दोनों किनारे पर 5-5 किलोमीटर के दायरे में सिर्फ प्राकृतिक खेती होगी। इसके चलते 1886 क्लस्टर बनाए जाएंगे। योगी सरकार इस पर 270.62 करोड़ रुपए खर्च करेगी। हाल में हुई राज्य स्तरीय कृषि समिति की बैठक में इस कार्ययोजना को मंजूरी भी मिल चुकी है। इसके पूर्व कैबिनेट में भी प्राकृतिक खेती और खेत तालाब योजना के लिए इसके पूर्व भी 1191.51 करोड़ रुपए की मंजूरी मिली थी। हाल ही में योगी सरकार की ओर से प्रस्तुत बजट में भी नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग के तहत प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए 124 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। दरअसल खेतीबाड़ी के स्थाई और टिकाऊ विकास पहले कार्यकाल से ही योगी सरकार की प्राथमिकता रही है। सरकार इसे लगातार विस्तार देने के साथ इसके लिए भरपूर पैसा और किसानों को प्रोत्साहन भी दे रही है। इसके लिए बीज से लेकर बाजार तक सरकार प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों के साथ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद हर संभव मंच से किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

प्राकृतिक खेती कराने के लिए योगी सरकार 270.62 करोड़ रुपए खर्च करेगी। हाल में हुई राज्य स्तरीय कृषि समिति की बैठक में इस कार्ययोजना को मंजूरी भी मिल चुकी है

गंगा सहित स्थानीय नदियों में भी घटेगा प्रदूषण

सरकार की योजना है कि प्रदेश में गंगा सहित सभी स्थानीय नदियों जिन जिलों से गुजरती है उनके दोनों किनारों पर एक दायरे में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन दिया जाए। ऐसी खेती जिसमें रासायनिक खादों और जहरीले कीटनाशकों की जगह उपज बढ़ाने और फसलों के सामयिक संरक्षण के लिए पूरी तरह जैविक उत्पादों का प्रयोग हो ताकि लीचिंग रिसाव के जरिए रासायनिक खादों एवं कीटनाशकों का जहर इन नदियों में घुलकर उनको प्रदूषित न कर सकें। उल्लेखनीय है कि गंगा के तटवर्ती 27 जनपदों में पहले से ही नमामि गंगे योजना चलाई जा रही है जिसके अंतर्गत रसायनमुक्त खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार गंगा के किनारे के 1000 से अधिक गांवों में प्राकृतिक खेती हो रही है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश के 54 जनपदों में परंपरागत कृषि विकास योजना संचालित की जा रही है। सरकार की मंशा निराश्रित गोवंश के नाते सबसे प्रभावित बुंदेलखंड को प्राकृतिक खेती के लिहाज से उत्तर प्रदेश का हब बनाना है।

सीएम ने नदियों के सर्वेक्षण का दिया आदेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ समस्या के स्थायी समाधान के लिए नदी की स्थानीय परिस्थितियों के अध्ययन के निर्देश दिए हैं। बाढ़ संबंधी परियोजनाओं की समीक्षा में मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां नदी के मेन स्ट्रीम में सिल्ट की अधिकता हो, नदी उथली हो, वहां ड्रेजिंग को प्राथमिकता दें और नदी को चैनलाइज कराएं। ड्रेजिंग से हल न निकले तो तब ही तटबंध या कटान निरोधी अन्य उपाय अपनाएं। शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बाढ़ प्रबंधन और जन-जीवन की सुरक्षा के मद्देनजर जारी तैयारियों की समीक्षा कर मुख्यमंत्री ने बाढ़ की दृष्टि से अतिसंवेदनशील, संवेदनशील जिलों, पूर्ण,लंबित परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की।

महिलाओं को डायन बताकर की मारपीट एफआईआर दर्ज

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड में डायन बताकर महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं रुक नहीं रही हैं। अब धनबाद जिले के टुंडी थाना क्षेत्र में कुछ महिलाओं को डायन बताकर उनके साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यहां बताया कि एक ही परिवार की महिलाओं को डायन बताकर उन्हें प्रताड़ित करने का आरोप है। पीड़ित महिलाओं ने 16 लोगों के खिलाफ थाना में शिकायत दर्ज कराई है। महिलाओं का कहना है कि आरोपियों ने उनके घर में घुसकर उन्हें डायन बताया और उनके साथ मारपीट की। पीड़ित महिलाएं अपने परिवार के साथ घर छोड़कर चली गई हैं। पीड़ित महिलाएं लौटकर वापस नहीं आ रही हैं क्योंकि उनको डर है कि उन्हें फिर से प्रताड़ित किया जाएगा। गांव छोड़ने वालों में परिवार का 1 पुरुष और 5 महिलाएं हैं। उनका कहना है कि उन्हें अपनी जान का खतरा है। वे जिला प्रशासन और सरकार से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रही हैं। टुंडी थाना प्रभारी उमाशंकर ने शिकायत पर 16 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

नीतीश ने शिक्षकों को बांटे नियुक्ति पत्र

भाषण के बीच शिक्षा मंत्री कुमार से अपनी कुर्सी से खड़ा होने को कहा

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को पटना में सक्षमता परीक्षा पास चुनिंदा शिक्षकों को नियुक्ति पत्र बांटे। इस कार्यक्रम में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार समेत कई अन्य मंत्री और नेता मौजूद रहे। सीएम नीतीश ने अपने भाषण के बीच शिक्षा मंत्री को उनकी कुर्सी से खड़ा होने के लिए कह दिया। जब सुनील कुमार खड़े नहीं हुए तो सीएम ने उन्हें थोड़ा सख्त लहजे में तुरंत खड़े होने को कहा। फिर मंत्री अपनी कुर्सी पर खड़े हुए और मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि ठीक से सभी जगह काम करवाइए।

राज्य सरकार ने नियोजित शिक्षकों को सरकारी टीचर बनने का दिया मौका

मुख्यमंत्री सचिवालय में शनिवार को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया। इसमें सक्षमता परीक्षा-2 उत्तीर्ण पटना, भोजपुर, जहानाबाद, वैशाली और सारण जिले के 20-20 नियोजित शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिए गए। सीएम नीतीश ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने नियोजित शिक्षकों को सरकारी टीचर बनने का मौका दिया है।

...और 15 साल काम करने वाले हैं नीतीश कुमार

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं और बयानबाजी हो रही है। इस बीच राज्य के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने शनिवार को कहा कि नीतीश अभी और 15 साल काम करने वाले हैं। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव के 'खटारा सरकार' वाले बयान पर पलटवार करते हुए यह बयान दिया। मगर राजनीतिक गलियारों में इसके अलग मायने भी निकाले जाने लगे हैं। गौरतलब है कि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक सोशल मीडिया में एनडीए सरकार पर हमला बोलते हुए इसे खटारा व जर्जर सरकार बताया।

पेज एक का शेष

पीएम किसान में ...

करते हुए कहा कि उनकी मदद से किसी भी योजना को पूरी ताकत और पारदर्शिता के साथ लागू किया जा सकता है। उन्होंने उनके प्रयासों की सराहना की और कहा कि सरकार अब इस वर्ष के बजट में की गई घोषणाओं को लागू करने के लिए तेजी से काम कर रही है और उनसे निरंतर सहयोग की अपेक्षा कर रही है।

चना और मूंग उत्पादन...

की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दालों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उन्नत बीजों की आपूर्ति बनाए रखना और संकर किस्मों को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, बाजार की अनिश्चितता और कीमतों में उतार-चढ़ाव जैसी चुनौतियों से निपटने पर ध्यान केन्द्रित करने की जरूरत पर जोर दिया।

2,900 से अधिक नई...

का उल्लेख किया। उन्होंने निजी क्षेत्र के प्रतिभागियों से इन बीजों के प्रसार पर ध्यान केन्द्रित करने और बीज श्रृंखला का हिस्सा बनकर छोटे किसानों तक पहुंचने का आग्रह किया।

कृषि उत्पादन बढ़कर ...

है, जिसमें 100 सबसे कम उत्पादक कृषि जिलों के विकास पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। प्रधानमंत्री ने विभिन्न विकास मापदंडों पर आकांक्षी जिलों के कार्यक्रम से प्राप्त सकारात्मक परिणामों का उल्लेख किया, जो सहयोग, मेलमिलाप और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने सभी से इन जिलों के परिणामों का अध्ययन करने और पीएम धन धान्य कृषि योजना को आगे बढ़ाने के लिए इससे प्राप्त अनुभव और जानकारी को व्यवहार में लाने का आग्रह किया, जो इन 100 जिलों में किसानों की आय बढ़ाने में मदद करेगा।

माणा में आए हिमस्खलन...

के कुल करीब 55 मजदूरों के फंसे होने की आधिकारिक रूप से पुष्टि की है। वहीं, राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हेलिकॉप्टर के जरिए माणा का हवाई सर्वेक्षण कर वहां जारी राहत-बचाव अभियान का व्यापक आधार पर जायजा लिया और सैन्य व प्रशासनिक अधिकारियों को इसमें और तेजी लाने के निर्देश दिए। सेना के मध्य कमांड के प्रमुख यानी जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ (जीओसी-इन-सी) लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता, उत्तर भारत क्षेत्र के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल डी.जी. मिश्र और बीआरओ के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर बचाव अभियान की लगातार निगरानी कर रहे हैं। बताते चलें कि हादसे को लेकर बचाए गए और मारे गए मजदूरों की संख्या से जुड़ा यह आंकड़ा हरिभूमि द्वारा खबर लिखे जाने तक का है। इसमें बदलाव की संभावना है।

माणा से जोशीमठ लाए गए मजदूर: सेना ने बताया कि राहत अभियान में बेहद चुनौतीपूर्ण बने हुए मौसम और लगातार हो रही बर्फबारी के बीच उसकी आईबीईएक्स ब्रिगेड और असम रेजिमेंट व गढ़वाल स्काउट्स के 150 जवान लगे हुए हैं। सेना के जवानों के अलावा इंजीनियरिंग प्लांट के उपकरण, हिमस्खलन राहत रडार और हेलिकॉप्टर की अभियान में मदद ली जा रही है। सैन्य चिकित्सकों ने हादसे की जगह पर कई श्रमिकों की जीवन रक्षा के लिए सर्जरी की है। जबकि जोशीमठ हेलिपैड से हेलिकॉप्टर अभियान जोरशोर से चल रहा है। इसमें सेना की हवाई कोर और वायुसेना के कुल 8 हेलिकॉप्टर शामिल हैं। अब तक कुल 19 मजदूरों को माणा से जोशीमठ इलाज के लिए लाया गया है।

डॉ. मयंक शर्मा ने...

किया। इसके अलावा भारतीय दूतावास प्रभाग के प्रमुख के रूप में वह सभी दूतावास मामलों के जिम्मेदार थे। यूएनओडीसी में उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल की जिम्मेदारी भी डॉ. शर्मा ने संभाली है।

स्टालिन ने परिसीमन ...

संसदीय सीटों की संख्या कम नहीं होगी। बीजेपी ने कहा है कि हमने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर स्पष्ट किया है कि हम बैठक में भाग क्यों नहीं ले रहे हैं। पार्टी ने यह भी सवाल उठाया कि स्टालिन किस आधार पर यह दावा कर रहे हैं कि तमिलनाडु की लोकसभा सीटें घट सकती हैं? एआईएडीएमके ने घोषणा की है कि उसके दो प्रतिनिधि इस बैठक में शामिल होंगे और पार्टी का रुख स्पष्ट करेंगे। बीजेपी की सहयोगी पार्टी पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) ने भी बैठक में भाग लेने की घोषणा की है। तमिलनाडु के कई राजनीतिक दलों को आशंका है कि परिसीमन प्रक्रिया से राज्य की लोकसभा सीटें कम हो सकती हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि अगर परिसीमन प्रस्ताव लागू हुआ तो तमिलनाडु की लोकसभा सीटें 39 से घटकर 31 हो सकती हैं, जिससे राज्य का संसदीय प्रतिनिधित्व कमजोर होगा। स्टालिन ने हाल ही में कहा, यह तमिलनाडु के अधिकारों का मामला है, सभी राजनीतिक दलों को एकजुट होकर इसका विरोध करना चाहिए।

जोधपुर एयरबेस...

बल्कि एक-दूसरे के अच्छे अनुभवों का आदान-प्रदान भी किया।

सेनाओं के बीच अंतर-संचालन बढ़ाना उद्देश्य: मंत्रालय ने कहा कि डेजर्ट हंट युद्धाभ्यास का उद्देश्य उभरती हुई सुरक्षा चुनौतियों के बीच त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए तीनों सेनाओं की विशेष बल इकाइयों के बीच अंतर-संचालन, समन्वय और सामंजस्य को बढ़ाना था। अभ्यास में हवाई संचालन, सटीक हमले, बंधक बचाव, आतंकवाद विरोधी अभियान, युद्ध मुक्त पतन और शहरी युद्ध जैसे विषय पर खासतौर पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अलावा यथार्थवादी परिस्थितियों में बलों की युद्ध तत्परता को परखा गया।

राष्ट्रीय सुरक्षा को मिलेगी मजबूती: इस युद्धाभ्यास के जरिए वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने संयुक्त सिद्धांतों को मान्यता देते हुए अभ्यास की निगरानी के साथ-साथ निर्बाध अंतर-सेवा सहयोग के माध्यम से राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान किया।

सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा
एस.सी.ओ. नं. 200-201, सेक्टर 17-सी, चण्डीगढ़

हरियाणा सरकार

ई-मेल : directorshaheedsamarak@gmail.com फोन नं. : 0172-5046246

हरियाणा सरकार द्वारा आजादी की पहली लड़ाई में शामिल और शहीद हुए लोगों और वीर जवानों की बहादुरी एवं शहादत को नमन करने हेतु अम्बाला कैंट के नजदीक अम्बाला-नई दिल्ली नेशनल हाईवे (NH-44) पर 22 एकड़ भूमि पर एक भव्य और विशाल शहीद स्मारक का निर्माण किया जा रहा है। इस शहीद स्मारक के लिए प्रतीक चिन्ह (Logo) तैयार करने हेतु इच्छुक व्यक्ति/डिजाइनर/कलाकार एवं आमजन से प्रविष्टियां आमंत्रित की जाती हैं। जिस व्यक्ति के प्रतीक चिन्ह (Logo) का चयन होगा उसे विभाग की ओर से एक लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। प्रविष्टियां भेजने की अन्तिम तिथि 01-04-2025 को सायं 5:00 बजे तक रहेगी और प्रतिभागी को अपनी प्रविष्टियां भेजते समय निम्नलिखित नियमों का पालन करना होगा:-

नियम एवं शर्तें

★ सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा तथा संवाद सोसायटी के अधिकारियों/कर्मचारियों को छोड़कर सभी प्रतिभागी अपनी प्रविष्टियां एस.सी.ओ. नं. 200-201, सेक्टर 17-सी, चण्डीगढ़ कार्यालय में अन्तिम तिथि तक भेज सकते हैं, जिसके बाद कोई भी प्रविष्टि मान्य नहीं होगी।
★ प्रविष्टि 1857 की क्रान्ति (भारत की आजादी की पहली लड़ाई) की थीम पर ही आधारित होगी।
★ प्रतीक चिन्ह में Graphic element, including icon, shape, colour, background, font, layout इत्यादि रहने चाहिए।
★ प्रतीक चिन्ह ऐसा हो जो स्मारक की पहचान को दर्शाता हो।
★ प्रतीक चिन्ह प्रेरणादायक हो।
★ प्रतीक चिन्ह Classic, Vintage व Modern किसी भी प्रकार का बनाया जा सकता है।
★ प्रतीक चिन्ह में Monogram, Word marks, Historical marks, Abstract marks भी हो सकते हैं किन्तु यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रतीक चिन्ह Simple, Memorable, Relevant, Timeless व Versatile हो।
★ प्रतिभागी अपने प्रतीक चिन्ह के ऊपर कोई Water marks नहीं डालेगा यानि प्रतीक चिन्ह के ऊपर कुछ नहीं लिखेगा।
★ प्रतीक चिन्ह भेजने की अन्तिम तिथि दिनांक 01-04-2025 को सायं 5:00 बजे तक होगी।
★ सभी प्रतीक चिन्ह High Resolution में हों और नीचे उल्लेखित Caption के साथ तकनीकी दृष्टि से सुदृढ़ होने चाहिए।
★ जिस प्रतीक चिन्ह का चयन होगा वह सरकार की सम्पत्ति मानी जाएगी और सरकार इस प्रतीक चिन्ह का कहीं भी उपयोग करने में स्वतन्त्र होगी। प्रतीक चिन्ह भेजने वाले प्रतिभागी का इस पर कोई अधिकार नहीं रहेगा।
★ कोई भी प्रतीक चिन्ह Copyrighted नहीं होना चाहिए।
★ प्रतिभागी पर आयु और राष्ट्रीयता की कोई पाबन्दी नहीं है परन्तु थीम 1857 की क्रान्ति (भारत की आजादी की पहली लड़ाई) पर ही होनी चाहिए।
★ सभी प्रतीक चिन्ह पर प्रतिभागी के हस्ताक्षर होने चाहिएं और प्रतीक चिन्ह (Logo) का साईज 12"x15" होना चाहिए।
★ प्रतिभागी द्वारा अपनी प्रविष्टि व प्रतीक चिन्ह ई-मेल directorshaheedsamarak@gmail.com पर भी भेजा जाए।
★ भेजे जाने वाले प्रतीक चिन्ह का पूर्व में प्रकाशन व प्रदर्शन न हुआ हो।
★ प्रतिभागियों द्वारा अपनी प्रविष्टि व्यक्तिगत ई-मेल से उपरोक्त ई-मेल पर भेजी जाए (प्रत्येक प्रतीक चिन्ह JPG/JPEG format में अपलोड किया जाए और इसका साईज 10 एम.बी. से ज्यादा का न हो)।
★ प्रतिभागियों द्वारा तैयार किए गए प्रतीक चिन्ह हस्ताक्षरित एवं पूर्ण भरे हुए Registration and Declaration form के साथ भेजे जाएं। एक बार प्रविष्टि मेल अथवा डाक द्वारा भेजे जाने के बाद उसमें बदलाव/निरस्तीकरण/जोड़ना मान्य नहीं होगा।
★ सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा के पास बिना किसी कारण अथवा स्पष्टीकरण के किसी भी प्रतिभागी की प्रविष्टि को अयोग्य और निकालने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
★ प्रविष्टि अथवा प्रतीक चिन्ह में कोई भी व्यावसायिक सामग्री नहीं होनी चाहिए जो किसी भी उत्पाद या सेवा को बढ़ावा दे।
★ बिना पूर्व सूचना के आवश्यकता पड़ने पर आयोजक के पास उपरोक्त प्रतीक चिन्ह सम्बन्धी पुरस्कार में परिवर्तन और नियमों/अधिनियमों में संशोधन करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
★ प्रतीक चिन्ह का चयन कमेटी द्वारा किया जाएगा और उसका निर्णय अन्तिम होगा। चयन प्रकिया और निर्णय से सम्बन्धित किसी भी पत्राचार पर विचार नहीं किया जाएगा। यह प्रक्रिया गोपनीय रहेगी।

Registration and Declaration Form

Photo

1. प्रतिभागी का नाम .....
2. पिता/पति का नाम .....
3. डाक पता .....
4. दूरभाष नं. .....
5. आधार नम्बर .....
6. पद/संस्था का नाम (यदि कोई है).....
7. आवेदक यदि किसी अन्य सरकार या संगठन द्वारा प्रतीक चिन्ह बनाने/डिजाईन करने के क्षेत्र में सम्मानित किया गया है ?
यदि हां, तो विवरण दें ।
.....
.....
.....
8. प्रतीक चिन्ह का विवरण एवं शीर्षक
.....
.....
9. मैं प्रमाणित करता/करती हूं कि उपरोक्त प्रतीक चिन्ह (Logo) मेरे स्वयं द्वारा डिजाईन/तैयार किया गया है और अन्य किसी का इस पर कोई अधिकार नहीं है। मैं यह भी प्रमाणित करता/करती हूं कि मुझे किसी अदालत/संस्था द्वारा दोषी नहीं ठहराया गया है एवं मेरे विरुद्ध कोई कानूनी/आपराधिक प्रक्रिया नहीं चल रही है ।
10. उपरोक्त सभी विवरण मेरी जानकारी के अनुसार सत्य हैं ।

तिथि : .....

स्थान : .....

आवेदक के हस्ताक्षर

सूचना एवं जन संपर्क विभाग, हरियाणा के Whatsapp चैनल से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली, रविवार 2 मार्च 2025
P-6

एक गोली खाइए फिट हो जाइए

अपने शरीर को हेल्दी-फिट रखने के लिए अच्छी डाइट के साथ रेग्युलर एक्सरसाइज को जरूरी माना जाता है। लेकिन वैज्ञानिकों ने हाल में एक ऐसी गोली बनाने में सफलता हासिल की है, जिसे खाने से 10 किमी. दौड़ने के बराबर का एक्सरसाइज बेनिफिट मिल जाएगा। कैसी है ये कमाल की गोली, कैसे करेगी काम और किसके लिए होगी फायदेमंद, आप जरूर जानना चाहेंगे।

कवर स्टोरी

डॉ. माजिद अलीम

अच्छी सेहत के लिए डॉक्टर से लेकर फिटनेस एक्सपर्ट और अनुभवी लोग भी एक ही सुझाव देते हैं-डेली एक्सरसाइज कीजिए। लेकिन अगर कोई इतना अशक्त हो कि वो हाथ-पैर हिला ही नहीं पाए तो वो क्या करे? विज्ञान ने ऐसे व्यक्ति के लिए भी अब रास्ता निकाल लिया है कि वह एक इंच हिले बिना भी अच्छे वर्कआउट का स्वास्थ्य लाभ अर्जित कर सकता है।

बना ली गई करामाती गोली

डेनमार्क देश की आरहुस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक पिल (गोली) विकसित की है, जो शरीर में 10 किमी. दौड़ के मेटाबॉलिक (पाचन) प्रभाव जितना असर पैदा कर सकती है, वह भी बिना पसीना बहाए। 'पफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री' नामक जर्नल में इस शोध उपलब्धि को प्रकाशित किया गया है। इसके मुख्य शोधकर्ता और केमिस्ट डॉ. थॉमस पौल्सेन ने बताया, 'हमने एक मॉलिक्यूल विकसित किया है, जो शरीर में कड़ी एक्सरसाइज और फास्टिंग (व्रत) की मेटाबॉलिक प्रतिक्रिया की नकल उत्पन्न कर सकती है। यह मॉलिक्यूल शरीर को उस मेटाबॉलिक अवस्था में ले आता है, जो कि खाली पेट तेज रफ्तार 10 किमी. की दौड़ के समान होता है।' इस मॉलिक्यूल को नाम दिया गया है-लाके। फिलहाल, इसे लैब में चूहों पर टेस्ट किया जा रहा है, जिनमें टॉक्सिसिटी के कोई चिन्ह दिखाई नहीं दिए हैं। ध्यान देने वाला तथ्य यह है कि लाके ने टॉक्सिंस शरीर से फ्लश आउट कर दिए और इससे उनका हार्ट मजबूत भी हो गया।

बनती रही हैं ऐसी दवाएं

'एक्सरसाइज पिल' का विचार एक दशक से अधिक समय पूर्व से चर्चा में रहा है। अनेक शोधकर्ता उन कंपाउंड्स से प्रयोग कर रहे हैं, जो तीव्र फिजिकल एक्टिविटी के बायोलॉजिकल प्रभावों का मुकाबला कर सकें। लाके एकमात्र पिल नहीं है, जो वर्कआउट के लाभ प्रदान करती है। पिछले साल फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एसएलयूपीपी-332 नामक कंपाउंड विकसित किया था, जिसने चूहों में मेटाबॉलिज्म और सहनशीलता में इतनी वृद्धि की कि वह पहले की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक दौड़ने लगे। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक और फार्मेसी के प्रोफेसर थॉमस बर्रिस के अनुसार, 'यह कंपाउंड बुनियादी तौर पर स्केलटेल मांसपेशियों को बताता है कि वह वही परिवर्तन लाएं, जो स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान देखने को मिलता है।'

'द गार्जियन' के अनुसार सैन डिएगो के सालक इंस्टिट्यूट ने 2008 में जीडब्लू 501516 (संक्षेप में 516) ड्रग विकसित की। यह मुख्य जींस को संकेत भेजती है कि शुगर की जगह फैट को बर्न करे। लेकिन इस ड्रग का एक वैरिएंट धावकों के लिए डोपिंग ड्रग बनकर रह गया। फिर 2015 में कंपाउंड 14 नामक एक अन्य ड्रग विकसित की गई, जिससे यह बात प्रकाश में आई कि यह मोटे चूहों का ग्लूकोज टॉलरेंस बेहतर करके वजन कम कर सकती है। यह सभी प्रयोग चिकित्सा विज्ञान ड्रग्स के उस वर्ग से संबंधित हैं, जिसे 'एक्सरसाइज मिमेटिक्स' कहते हैं, जो आवश्यक रूप से शरीर में उन अलग-अलग मार्गों को सक्रिय करते हैं, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक्सरसाइज से प्रभावित होते हैं। इन ड्रग्स में क्षमता है कि अल्झाइमर, पार्किंसन और डिमेंशिया को होने से देर तक रोके रखें और मधुमेह, मोटापे की रोकथाम में भी मदद करें।

अक्षम लोगों के लिए होगी वरदान

एक बार जब इस दवा के इंसानों पर ट्रायल पूरे हो जाएंगे तो इनमें से कुछ ड्रग्स को वजन कम करने वाली ड्रग्स के साथ भी दिया जा सकेगा जैसे ओर्जेपिक, जो विशेष रूप से बुजुर्गों को सरकोपेनिया की स्थिति में दी जाती है ताकि मांसपेशियों की क्षति को रोका जा सके। अगर इंसानों को एक गोली से एक्सरसाइज के फायदे मिलने लगेंगे, इससे उनकी फिटनेस परफेक्ट हो जाएगी तो यह उन लोगों के लिए चमत्कार होगी, जो फिजिकल एक्टिविटी में हिस्सा नहीं ले पाते हैं, जैसे-बुजुर्ग, शारीरिक रूप से कमजोर, दिव्यांग, जिन्हें मस्कुलर डिस्ट्रॉफी है, जिनकी कोई ऐसी सर्जरी हुई है कि मूवमेंट न कर पा रहे हों या अन्य लोग, जो गंभीर रूप से बीमार हैं।

एक्सरसाइज करना है बेस्ट

बीमार या अक्षम लोगों की बात छोड़ दें तो अन्य स्वस्थ लोगों के लिए यही बेहतर होगा कि वे सुबह देर तक यह सोचकर न सोते रहें कि पलंग पर पड़े हुए गोली खाकर फिट हो जाएंगे। उनके लिए यही उचित होगा कि मैदान में निकलें, वॉकिंग करें, रनिंग करें या मनपसंद एक्सरसाइज करें। इस बात को समझ लेना चाहिए कि फिजिकल एक्सरसाइज का कोई विकल्प नहीं है, उससे न केवल शरीर स्वस्थ बनता है, मन भी प्रसन्न और ऊर्जावान रहता है। *

एक्सरसाइज का शरीर पर रिएक्शन

इस दवा के एक्शन को समझने से पहले यह जानना जरूरी है कि एक्सरसाइज की शरीर पर क्या प्रतिक्रिया होती है और लाके उसकी कैसे नकल करता है? खाली पेट कड़ा वर्कआउट, ब्लड प्लाज्मा के स्तर पर लेक्टेट रसायन में तेजी से वृद्धि कर देता है, इसके बाद बीटा-हाइड्रोक्सीबूटीरेट (बीएचबी) नामक एक अन्य रसायन कीटोन में धीरे-धीरे वृद्धि करता है। कीटोन जिगर में उस समय बनते हैं, जब पर्याप्त ग्लूकोज की अनुपस्थिति में शरीर जिगर में ऊर्जा के लिए फैट को तोड़ता है। ये दोनों रसायन भूख को कम करते हैं। साथ ही हृदय रोगों, टाइप 2 डायबिटीज के खतरों को भी कम करते हैं। इसके अलावा दिमागी फंक्शन को बेहतर करते हुए डिप्रेशन को कम करते हैं। ये सब फायदे केवल डाइट से हासिल नहीं हो सकतीं, क्योंकि जिस मात्रा में लेक्टेट और बीएचबी की जरूरत होती है, उससे अनावश्यक बायप्रोडक्ट्स जैसे नमक और एसिड मिल जाते हैं। कृत्रिम रूप से तैयार लाके से ये रसायन, ओरली मिल जाते हैं, बिना हानिकारक साइड इफेक्ट्स के।

जरूरी नहीं है कि जो व्यक्ति खूब हंसता-मुस्कुराता नजर आए, वो वास्तव में मन से खुश है। उदासी को मुस्कान से ढंकने वाले लोग स्माइलिंग डिप्रेशन के शिकार हो सकते हैं। ऐसे लोगों को घर-परिवार से लेकर वर्कप्लेस तक, सपोर्ट की जरूरत होती है।

मुस्कान से ढंकी उदासी स्माइलिंग डिप्रेशन

लाइफस्टाइल

मोनिका शर्मा

दुःख भी हंसी की ओट ले सकता है। टूटते-बिखरते दिल को थामकर भी सधी सी बातें की जा सकती हैं। उलझनों में घिरकर भी सुखद एहसास लोगों के सामने रखे जा सकते हैं। दरअसल, इंसान का व्यवहार हालात के मुताबिक कई रंग ओढ़ लेता है। कभी इसका कारण अपनों की बेरुखी होती है तो कभी समाज से मिला बेगानापन। ऐसे में कुछ लोग अपने आप तक सिमटने की राह चुन लेते हैं। चुप्पी के तले एक शोर गूंजता है पर सुनाई किसी को नहीं देता। ठहाकों को साथ रखने के बावजूद मन में सब कुछ ठहर गया होता है। यही स्थिति स्माइलिंग डिप्रेशन कही जाती है।

अवास्तविक छवि का आवरण: मौजूदा दौर में हर मोर्चे पर अवास्तविक सी छवि बनाते लोग अवसाद को भी मुस्कुराहटों की परतों तले छिपाने लगे हैं। जीवन की हर छोटी-बड़ी गतिविधि को अपनों-परायों तक पहुंचाते आभासी परिवेश में मुस्कुराते चेहरों के पीछे छिपी मुरझाती मनःस्थिति कोई नहीं देख पाता या यूं कहें कि देखना भी नहीं चाहता। न ही इन परिस्थितियों को जी रहा इंसान स्वयं यह सच किसी को दिखाना चाहता है। विज्ञान की भाषा में स्माइलिंग डिप्रेशन कहा जाने वाला यह व्यवहार अब हर उम्र के लोगों की जीवनशैली का हिस्सा है। हंसता-खिलखिलाता अंदाज पीड़ादाई अनुभूतियों का आवरण बन गया है। अपनों-परायों के सामने ठहाके लगाते बहुत से चेहरे, अपने भीतर सुस्ती, थकान और अकेलेपन से जूझते हुए जीवन बिता रहे हैं। उनका मन-मस्तिष्क नाउम्मीदी और नकारात्मता के घेरे में है। मुरझाता मन और मुस्कुराता चेहरा, बहुत से लोगों के लिए सब कुछ होकर भी कुछ न होने के हालातों को बयान करने वाला बर्ताव है। चिंतनीय है कि अब ऐसे लोगों का आंकड़ा बढ़ रहा है। नकलीपन का आवरण असली भावों को छिपाने लगा है। यही कारण है कि हर ओर दिखती बेहतरी के बावजूद मन से बीमार होते लोगों की संख्या बढ़ी है।

बदल गया परिवेश: सवाल यह है कि मन की टूटन को छिपाने का यह परिवेश आखिर कैसे बन गया? क्यों हर व्यक्ति को यह लगने लगा कि दुःख को बताने-जताने से कहीं अच्छा हंसते-खिलखिलाते हुए लोगों का सामना करना है। किस तरह यह आवरण बड़े-बुजुर्गों की पीड़ा से लेकर बच्चों की मानसिक उलझन तक पर पर्दा डालने का माध्यम बन गया है? क्यों किसी के मन को समझने-जानने की कोशिश नहीं की जाती? जबकि यह अवसाद का ही एक रूप है। ऐसा डिप्रेशन, जिसमें इंसान अपने मन के विषाद को छिपाने के लिए हर जगह, हर हाल में हंसता रहता है। खुशहाल नजर आता है। सार्वजनिक जीवन में जिंदादिल दिखते ऐसे लोग निजी जीवन में अकेलेपन के स्याह साये से जूझते हैं। अध्ययन बताते हैं कि स्माइलिंग डिप्रेशन की समस्या से ग्रस्त व्यक्ति सुखी और संतुष्ट दिखता जरूर है, पर भीतर ही भीतर अवसाद से जूझता है। यही कारण है कि स्माइलिंग डिप्रेशन को हाई फंक्शनिंग डिसऑर्डर भी कहा जाता है। ध्यातव्य है कि हाई-फंक्शनिंग डिसऑर्डर के अंतर्गत ऐसी मानसिक समस्याएं आती हैं, जिनमें व्यक्ति सामान्य दिखने के बावजूद अंदर से बीमार रहता है। एक तरह का क्रॉनिक डिप्रेशन कहे जाने वाले इस डिसऑर्डर का शिकार इंसान आम जीवन को सामान्य ढंग से जीते हुए भावनात्मक रूप से असहजता का अनुभव करता है। खुशमिजाजी के पीछे गहरा खालीपन होता है।

सहयोग-संवेदना ओं की कमी: आज के दौर में बिना लाग-लपेट मन की बात कहने का माहौल, घर हो या बाहर कहीं नहीं दिखता। न दुःख साझा करने का भाव दिखता है और न समझने का। यही कारण है कि लोग चुपचाप अपनी पीड़ाओं से जूझने लगे हैं। हर हाल में सहज दिखते हैं। हर परिस्थिति में प्रसन्नता जाहिर करते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि व्यक्तिगत जीवन में चुना जा रहा यह असामान्य व्यवहार असल में असंवेदनशील होते सामाजिक-पारिवारिक परिवेश का मुखौटा उतारने वाला है। हम अचानक किसी के आत्महत्या जैसा कदम उठा लेने पर चकित तो होते हैं पर समय रहते तकलीफ साझा करने की पहल नहीं करते। दुखद है कि मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालने वाली इन स्थितियों को आज भी गंभीरता से नहीं लिया जाता।

मदद की है दरकार: जरूरी यह है कि वर्किंग प्लेस से लेकर घर-परिवार और आस-पड़ोस तक, स्माइलिंग डिप्रेशन से जूझते लोगों के बर्ताव को समझकर उनका साथ दिया जाए। ऐसी दबी-छुपी समस्याओं को लेकर अब सभी को यह समझना होगा कि कुछ न कहना, सब कुछ कहने जैसा है। जैसे भी संभव हो ऐसे लोगों की मदद की उचित राह तलाशना बेहद आवश्यक है। *

गजल

अवतार सिंह अक्षरजीवी

खुल के बात कर

छुपाने की जरूरत नहीं, खुल के बात कर
पर पूरी शिद्दत से किसी एक से बात कर

अगर मेरा प्यार तुझे मुतमइन नहीं करता
तुझे जिससे खुशी मिले, तू उससे बात कर

मैं मोहब्बत करुंगा पर मेरी शर्तों पर
या तो मुझसे बात कर, या सबसे बात कर

तेरी मुस्कुराहट मेरी मिलकियत है और मैं
नहीं चाहता तू दूसरों से हंस-हंसके बात कर

अपने दिल में पूरी दुनिया को जगह मत दे
गैरों से एक दूरी एक दायरा रखके बात कर

मेरी मोहब्बत के पिंजरे में तालाबंद नहीं है
या तो उड़ जा या फिर अंदर रहके बात कर

कहानी

संजीव जायसवाल 'संजय'

वह अपनी बच्ची को घुमाने के लिए पार्क में जहां भी जाता, गुब्बारे बेचने वाला एक लड़का वहां पहुंच जाता। एक दिन खीझकर उसने गुब्बारे वाले को डपट दिया। इस पर उस लड़के ने जो कहा, वह बेहद शर्मिंदा महसूस करने लगा। मन को छूती एक मार्मिक कहानी।

गुब्बारे वाला

बाबूजी, गुब्बारा ले लीजिए' अचानक वही दुबला-पतला लड़का एक बार फिर सामने आकर खड़ा हो गया।

'मुझे नहीं लेना, चलो भागो यहां से।' मैंने झल्लाते हुए उसे डपट दिया।

'ले लीजए न बाबूजी, देखिए कितने अच्छे गुब्बारे हैं! लाल, हरे, नीले, पीले हर रंग के प्यारे-प्यारे गुब्बारे। बिटिया को बहुत पसंद आएंगे।' उसने जोर देते हुए कहा।

मैं उसे दोबारा डपटने जा ही रहा था कि रचना तुतलाते हुए बोली, 'पापा, जे पीला वाला गुब्बारा बौत अच्छा है.. इछे दिला दीजिए।'

मैं रचना की कोई बात नहीं टालता था। अतः न चाहते हुए भी उसे गुब्बारा दिलवाना पड़ा। वो लड़का एक रुपया लेकर खुशी-खुशी वहां से चला गया।

पिछले महीने पत्नी (दीप्ति) की मौत के बाद रचना की पूरी जिम्मेदारी मेरे ऊपर आ गई थी। मैं रोज शाम उसे गोद में लेकर पार्क में आ जाता था। पार्क की इस बेंच पर बैठ कर मुझे बहुत शांति मिलती थी क्योंकि दीप्ति की यह पसंदीदा जगह हुआ करती थी। यहां आकर मुझे ऐसा लगता, जैसे वो मेरे साथ बैठी हो। मैं घंटों उसकी याद में खोया रहता।

पिछले कुछ दिनों से इस गुब्बारे वाले के कारण मुझे बहुत कोफ्त होने लगी थी। मैं इस बेंच पर आकर बैठता ही था कि यमदूत की तरह वह आ धमकता। बिना गुब्बारे बेचे टलता ही न था। उसे देखकर ही मुझे उलझन होने लगती थी।

एक दिन तंग आकर मैंने तय कर लिया कि कल से इस बेंच पर बैठूंगा ही नहीं। पार्क में बैठने के लिए मैंने पेड़ों के झुरमुट के पीछे एक दूसरी जगह तलाश ली थी। वहां लोगों की दृष्टि कम ही पड़ती थी, इसलिए वहां काफी शांति थी।

अगले दिन मैं रचना के साथ वहां जाकर बैठ गया। धीरे-धीरे आधा घंटा बीत गया। मैं मन ही मन खुश था कि आज गुब्बारे वाले लड़के ने मेरी शांति भंग नहीं की। तभी वह लड़का भूत जैसा वहां आ टपका, 'अरे, बाबूजी, आप यहां बैठे हैं। मैं समझा कि आज आप आएंगे ही नहीं।' फिर अपने गुब्बारों का झुंड रचना की तरफ बढ़ाते हुए बोला, 'बिटिया रानी, कौन-सा गुब्बारा दूं?'

'अबे, बिटिया रानी के भइया.., तू मुझे चैन से बैठने क्यों नहीं देता? जहां जाता हूं वहां आ धमकता है। क्या तेरे पास और कोई जगह नहीं है?' मैंने उसे बुरी तरह फटकार दिया।

डांट खाकर उस लड़के की आंखें छलछला आईं। वह उन्हें पोंछते हुए बोला, 'बाबूजी, माफ करिएगा, आपको दुख पहुंचाने का मेरा कोई इरादा नहीं था। कुछ दिनों पहले एक दुर्घटना में मेरे माता-पिता की मृत्यु हो गई थी। मेरे पास स्कूल की फीस भरने के लिए पैसे नहीं हैं। इसीलिए रोज शाम पार्क में गुब्बारे बेचने चला आता हूं। जिनकी गोद में बच्चे होते हैं, वे आसानी से गुब्बारे खरीद लेते हैं। इसीलिए आपके पास आ जाता था।'

इतना कहकर वह लड़का वहां से जाने लगा। मुझे अपने व्यवहार पर बहुत आत्मग्लानि हुई। मेरे दुख से उसका दुख ज्यादा बड़ा था। मैंने उसे आवाज देकर बुलाया और 100 रुपए का नोट उसकी तरफ बढ़ाते हुए कहा, 'इसे रख लो।'

'यह किसलिए?' उस लड़के का स्वर कांप उठा।

'तुम्हारी फीस के काम आएंगे' मैंने उसे समझाने का प्रयास किया।

यह सुनकर उस लड़के की आंखें एक बार फिर छलछला आईं। वह भर्राए स्वर में बोला, 'बाबूजी, मैं बेसहारा जरूर हूं, मगर भिखारी नहीं।'

'मेरा यह मतलब नहीं था, मैं तो सिर्फ तुम्हारी मदद करना चाहता था।' मैंने बात संभालने की कोशिश की।

उस लड़के ने पल भर के लिए मेरी ओर देखा फिर बोला, 'अगर आप मदद करना चाहते हैं तो सिर्फ इतना वादा कीजिए कि फिर कभी किसी गरीब को दुत्कारेंगे नहीं।'

इतना कह कर वह तेजी से वहां से चला गया। मैं चुपचाप बैठा रहा। मेरे अंदर इतना साहस नहीं बचा था कि उसे रोक सकूं। उसके आगे मैं अपने को बहुत छोटा महसूस कर रहा था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कारुणिक उजाला फैलाती दियासलाई

इस दुनिया में कई लोग अपने जीवनकाल में ही किंवदंती जैसे बन जाते हैं। वर्ष 2014 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी, ऐसी ही शख्सियत हैं। मध्य प्रदेश के छोटे से शहर विदिशा में जन्म लेने वाले कैलाश शुरू से ही देश, समाज और दुनिया में प्रताड़ना, हिंसा और शोषण के शिकार बच्चों के लिए कुछ करना चाहते थे। इसी मनो-संकल्प का यह परिणाम हुआ कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद भी उन्होंने अपना जीवन बच्चों की सुरक्षा और उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। अपनी पांच दशक से अधिक की इस यात्रा में उन्हें किन-किन पड़ावों से गुजरना पड़ा, व्यक्तिगत-पारिवारिक जीवन में कैसे संघर्ष करने पड़े, किस-किस तरह के आरोप-आक्षेप सहने पड़े, कितनी बार अपने प्राणों को भी संकट में डालना पड़ा, इन तमाम अनुभूतियों और भोगे हुए यथार्थ को उन्होंने अपनी आत्मकथा में संजोया है। हाल में ही उनकी आत्मकथा 'दियासलाई' पुस्तक के रूप में प्रकाशित होकर आई है। इस किताब में ऐसे अनेक प्रसंग मौजूद हैं, जिससे साबित होता है कि कोई साधारण व्यक्ति, केवल अपने विचार, कर्म और महान जीवन उद्देश्य से ही असाधारण बन सकता है।

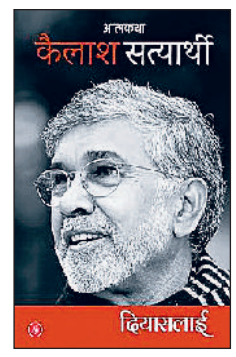

पुस्तक: दियासलाई (आत्मकथा), **लेखक:** कैलाश सत्यार्थी, **मूल्य:** 599 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

दियासलाई जैसी छोटी सी चीज में भी कितनी संभावना व्याप्त हो सकती है, कैसे वो समाज में करुणा का उजाला प्रसारित कर सकती है, इस आत्मकथा का शीर्षक इसे साबित करता है। अच्छी बात यह है कि इस आत्मकथा में लेखक ने अपनी कमजोरियों को भी सहजता से स्वीकार किया है। कहीं भी खुद को महान या दोषरहित सिद्ध करने की कोशिश नहीं की है। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

2600 रुपए प्रति क्विंटल एमएसपी पर गेहूं उपार्जित करेगी सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा, बुंदेलखंड वीरों की धरती वीरों के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर के गढ़ाकोटा में तीन दिवसीय सांस्कृतिक रहस मेले में आयोजित किसान महा सम्मेलन में कहा कि बुन्देलखंड वीरों की धरती है। वीरों के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने किसानों के लिए बड़ी सौगात देते हुए कहा कि सरकार अब किसान से 2600 रुपए प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदेगी। उन्होंने कहा कि सागर-दमोह रोड को फोरलेन बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने मंच से 5 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीमा पर जवान और खेत पर किसान को सम्मान देने का कार्य किया है। किसान की आय दोगुनी करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ वर्षों में बुंदेलखंड की लाखों हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। उन्होंने कहा कि किसान अपनी जमीन बचाकर रखें, उन्हें उनकी जमीन का पूरा लाभ मिलेगा और उनकी कृषि समृद्ध होगी। इस अवसर पर मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, सांसद लता वानखेड़े, विधायक व पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह सहित अन्य जन-प्रतिनिधि शामिल थे।

डॉ. यादव ने हितग्राहियों को योजनाओं के हितलाभ किए वितरित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विधायक एवं पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव के किए कार्यों का प्रभाव है कि काम के बल पर ही आज वो लगातार 9 बार से अपराजेय राजनेता बने हुए हैं। सरकार प्रदेश में बहनों को सरकारी नौकरी में 35 प्रतिशत आरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि जहां सरकार बहनों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है, वहीं पूर्व मंत्री भार्गव ने 21 हजार से अधिक बेटियों की शादी कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया है।

चावल पर 2000 रुपए प्रति हेक्टेयर बोनस दिया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र सरकार इस वर्ष किसानों का गेहूं 2600 रुपए प्रति क्विंटल खरीदेगी और अगले वर्ष यह बढ़ाकर 2700 रुपए प्रति क्विंटल खरीदने का मैं वादा करता हूं। उन्होंने कहा कि चावल पर 2000 रुपए प्रति हेक्टेयर बोनस दिया जाएगा। पूर्व पीएम स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नदी जोड़ो अभियान के सपने को प्रधानमंत्री मोदी पूरा कर रहे हैं। इसमें केन-बेतबा लिंक परियोजना से बुंदेलखंड को लाभान्वित करने का कार्य किया जा रहा है।

फूड इंडस्ट्रीज लगाने वालों को सरकार देगी 40 फीसदी सब्सिडी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र सरकार ने फूड इंडस्ट्रीज लगाने वालों को सरकार 40 प्रतिशत सब्सिडी देगी। मप्र सरकार की ओर से संचालित लाड़ली बहना योजना, मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना जैसी सभी योजनाएं जारी रहेंगी। उन्होंने सागर के संपूर्ण विकास के लिए संकल्प लेते हुए कहा कि इसके लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। किसानों की आय दोगुनी रने के लिए लगातार प्रयास किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंषाना ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव किसानों के हित के लिए लगातार कार्य कर रहे है।

दोस्त ने दोस्त पर पेट्रोल डालकर लगाई आग, मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमेतरा

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में एक दोस्त ने दूसरे दोस्त पर पेट्रोल डालकर कर आग के हवाले कर दिया। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक का नाम 43 वर्षीय कैलाश पांडेय था। वह ग्राम किरीतपुर का रहने वाला था। शनिवार को कैलाश अपने गांव के दोस्त लोकेश चौहान के साथ मिलकर शराब पी रहा था। शराब के नशे में किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि, लोकेश ने कैलाश के ऊपर पेट्रोल डालकर आग के हवाले कर दिया। इस हादसे में लोकेश की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की जांच में जुट गई।

होली विशेष रेलगाड़ियाँ–2025

होली पर्व के दौरान रेलयात्रियों की सुविधा हेतु रेलवे द्वारा निम्नलिखित होली विशेष रेलगाड़ियाँ नीचे दी गई समय–सारणी के अनुसार चलाई जायेंगी :

01123/01124 लोकमान्य तिलक टर्मिनस – मऊ – लोकमान्य तिलक टर्मिनस विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में दो दिन) — 08 फेरे

गाड़ी सं. 01123		स्टेशन	गाड़ी सं. 01124	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	12:15	लोकमान्य तिलक (ट)	16:45	---
16:15	16:25	वाराणसी जं.	10:05	10:15
20:20	---	मऊ	---	05:50

चलने के दिन : 01123 लोकमान्य तिलक (ट) से दिनांक 07.03.25 से 16.03.25 तक (प्रत्येक शुक्रवार एवं रविवार को) तथा 01124 मऊ से दिनांक 09.03.25 से 18.03.25 तक (प्रत्येक रविवार एवं मंगलवार को)।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव : ठाणे, कल्याण जं., इगतपुरी, नाशिक रोड, जलगांव जं., भुसावल जं., खंडवा, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदन महल, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, वाराणसी जं., जौनपुर जं. एवं औंड़िहार जं. स्टेशन।

01431/01432 पुणे – गाजीपुर सिटी – पुणे विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में दो दिन) — 08 फेरे

गाड़ी सं. 01431		स्टेशन	गाड़ी सं. 01432	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	06:40	पुणे	16:20	---
14:50	15:00	वाराणसी जं.	08:20	08:30
19:05	---	गाजीपुर सिटी	---	04:20

चलने के दिन : 01431 पुणे से दिनांक 07.03.25 से 18.03.25 तक (प्रत्येक शुक्रवार एवं मंगलवार को) तथा 01432 गाजीपुर सिटी से दिनांक 09.03.25 से 20.03.25 तक (प्रत्येक रविवार एवं गुरुवार को)।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव : दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, मनमाड जं., जलगांव जं., भुसावल जं., खंडवा, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदन महल, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, वाराणसी जं., जौनपुर जं. एवं औंड़िहार जं. स्टेशन।

01491/01492 पुणे – हज़रत निज़ामुद्दीन – पुणे सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 04 फेरे

गाड़ी सं. 01491		स्टेशन	गाड़ी सं. 01492	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	17:30	पुणे	23:55	---
18:10	---	हज़रत निज़ामुद्दीन	---	22:10

चलने के दिन : 01491 पुणे से दिनांक 07.03.25 एवं 14.03.25 तथा 01492 हज़रत निज़ामुद्दीन से दिनांक 08.03.25 एवं 15.03.25
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव : लोनावला, कल्याण जं., भिवंडी रोड, वसई रोड, पालघर, वापी, वलसाड, उधना जं., वडोदरा जं., रतलाम जं., भवानी मंडी, सवाई माधोपुर एवं मथुरा जं. स्टेशन।

01053/01054 लोकमान्य तिलक टर्मिनस – बनारस – लोकमान्य तिलक टर्मिनस विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में दो दिन) — 04 फेरे

गाड़ी सं. 01053		स्टेशन	गाड़ी सं. 01054	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	12:15	लोकमान्य तिलक (ट)	04:40	---
16:00	---	बनारस	---	22:00

चलने के दिन : 01053 लोकमान्य तिलक (ट) से दिनांक 12.03.25 एवं 13.03.25 तथा 01054 बनारस से दिनांक 13.03.25 एवं 14.03.25
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव : ठाणे, कल्याण जं., इगतपुरी, नाशिक रोड, जलगांव जं., भुसावल जं., खंडवा, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदन महल, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशन।

04081/04082 नई दिल्ली – श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा – नई दिल्ली एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी — 10 फेरे

गाड़ी सं. 04081		स्टेशन	गाड़ी सं. 04082	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	23:45	नई दिल्ली	09:30	---
11:40	---	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	---	21:20

चलने के दिन : 04081 नई दिल्ली से दिनांक 08.03.25, 10.03.25, 12.03.25, 15.03.25 एवं 17.03.25 तथा 04082 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से दिनांक 09.03.25, 11.03.25, 13.03.25, 16.03.25 एवं 18.03.25 को।
स्थान : 3 टियर वाता.
ठहराव : सोनीपत, पानीपत, करनाल, कुरूक्षेत्र जं., अम्बाला कैंट, ढंढारी कलां, जलंधर कैंट, पठानकोट कैंट, जम्मू तवी एवं शहीद कप्तान तुषार महाजन स्टेशन।

04604/04603 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा – वाराणसी जं. – श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी — 04 फेरे

गाड़ी सं. 04604		स्टेशन	गाड़ी सं. 04603	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	18:15	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	11:25	---
19:00	---	वाराणसी जं.	---	05:30

चलने के दिन : 04604 श्री माता वष्णो देवी कटड़ा से दिनांक 09.03.25, एवं 16.03.25 तथा 04603 वाराणसी जं. से दिनांक 11.03.25 एवं 18.03.25 को।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर इकॉनोमी, शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव : शहीद कप्तान तुषार महाजन, जम्मू तवी, पठानकोट कैंट, जलंधर कैंट, लुधियाना, अम्बाला कैंट, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, रायबरेली एवं माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. स्टेशन।

04207/04208 लखनऊ – नई दिल्ली – लखनऊ विशेष रेलगाड़ी — 06 फेरे

गाड़ी सं. 04207		स्टेशन	गाड़ी सं. 04208	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	08:05	लखनऊ	06:35	---
18:30	---	नई दिल्ली	---	20:20

चलने के दिन : 04207 लखनऊ से तथा 04208 नई दिल्ली से दिनांक 03.03.25, 10.03.25 एवं 17.03.25 को।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव : शाहजहाँपुर, बरेली, मुरादाबाद एवं गाजियाबाद स्टेशन।

04203/04204 वाराणसी जं. – श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा – वाराणसी जं. सुपरफास्ट एक्स. विशेष रेलगाड़ी — 04 फेरे

गाड़ी सं. 04203		स्टेशन	गाड़ी सं. 04204	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	14:00	वाराणसी जं.	23:55	---
14:35	---	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	---	23:45

चलने के दिन : 04203 वाराणसी जं. से दिनांक 08.03.25 एवं 15.03.25 तथा 04204 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से दिनांक 09.03.25 एवं 12.03.25 को।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर इकॉनोमी, शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव : माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., रायबरेली, उतरेटिया, आलमनगर, बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर, अम्बाला कैंट, ढंढारी कलां, जलंधर कैंट, पठानकोट कैंट, जम्मू तवी एवं शहीद कप्तान तुषार महाजन स्टेशन।

04022/04021 नई दिल्ली – गोरखपुर – नई दिल्ली विशेष रेलगाड़ी — 06 फेरे

गाड़ी सं. 04022		स्टेशन	गाड़ी सं. 04021	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	14:00	नई दिल्ली	23:10	---
05:00	---	गोरखपुर	---	07:00

चलने के दिन : 04022 नई दिल्ली से दिनांक 07.03.25, 14.03.25 एवं 21.03.25 तथा 04021 गोरखपुर से दिनांक 08.03.25, 15.03.25 एवं 22.03.25 को।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव : गाज़ियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, लखनऊ जं., बाराबंकी, गोंडा जं. एवं बस्ती स्टेशन।

02270/02269 लखनऊ – छपरा – लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (प्रतिदिन मंगलवार को छोड़कर) — 24 फेरे

गाड़ी सं. 02270		स्टेशन	गाड़ी सं. 02269	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	14:15	लखनऊ	06:30	---
21:30	---	छपरा	---	23:00

चलने के दिन : 02270 लखनऊ से तथा 02269 छपरा से दिनांक 05.03.25 से 17.03.25 तक (मंगलवार को छोड़कर)
स्थान : एग्जीक्यूटिव कार एवं वाता. कुर्सीयान
ठहराव : सुलतानपुर जं., वाराणसी जं., गाजीपुर सिटी, बलिया एवं सुरेमनपुर स्टेशन।

04504/04503 चंडीगढ़ – गोरखपुर – चंडीगढ़ एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी — 06 फेरे

गाड़ी सं. 04504		स्टेशन	गाड़ी सं. 04503	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	23:35	चंडीगढ़	14:10	---
17:35	---	गोरखपुर	---	22:05

चलने के दिन : 04504 चंडीगढ़ से दिनांक 06.03.25, 13.03.25 एवं 20.03.25 तथा 04503 गोरखपुर से दिनांक 07.03.25, 14.03.25 एवं 21.03.25 को।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर इकॉनोमी, शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव : अम्बाला कैंट, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा एवं बस्ती स्टेशन।

01701/01702 जबलपुर – अयोध्या कैंट – जबलपुर एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 06 फेरे

गाड़ी सं. 01701		स्टेशन	गाड़ी सं. 01702	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	19:40	जबलपुर	04:15	---
07:05	07:15	वाराणसी जं.	17:10	17:20
11:00	---	अयोध्या कैंट	---	13:30

चलने के दिन : 01701 जबलपुर से दिनांक 12.03.25 से 26.03.25 तथा 01702 अयोध्या कैंट से दिनांक 13.03.25 से 27.03.25 तक
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव : सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, वाराणसी, जौनपुर जं. एवं अयोध्या धाम स्टेशन।

04012/04011 दिल्ली जं. – दरभंगा – दिल्ली जं. एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी — 10 फेरे

गाड़ी सं. 04012		स्टेशन	गाड़ी सं. 04011	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	19:30	दिल्ली जं.	16:35	---
16:30	---	दरभंगा	---	18:00

चलने के दिन : 04012 दिल्ली जं. से दिनांक 04.03.25, 07.03.25, 11.03.25, 14.03.25 एवं 18.03.25 तथा 04011 दरभंगा से दिनांक 05.03.25, 08.03.25, 12.03.25, 15.03.25 एवं 19.03.25 को।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव : गाज़ियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर जं., नरकटियागंज, रक्सौल, बैरगनियां, सीतामढ़ी एवं जनकपुर रोड स्टेशन।

04024/04023 दिल्ली जं. – वाराणसी जं. – दिल्ली जं. सुपरफास्ट एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी — 14 फेरे

गाड़ी सं. 04024		स्टेशन	गाड़ी सं. 04023	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	19:30	दिल्ली जं.	08:50	---
09:45	---	वाराणसी जं.	---	18:35

चलने के दिन : 04024 दिल्ली जं. से दिनांक 03.03.25, 06.03.25, 08.03.25, 10.03.25, 13.03.25, 15.03.25 एवं 17.03.25 तथा 04023 वाराणसी जं. से दिनांक 04.03.25, 07.03.25, 09.03.25, 11.03.25, 14.03.25, 16.03.25 एवं 18.03.25 को।
स्थान : 2 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव : गाज़ियाबाद, मुरादाबाद, लखनऊ, रायबरेली जं. एवं माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. स्टेशन।

04026/04025 दिल्ली जं. – रक्सौल जं. – दिल्ली जं. एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी — 06 फेरे

गाड़ी सं. 04026		स्टेशन	गाड़ी सं. 04025	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	23:05	दिल्ली जं.	17:45	---
19:00	---	रक्सौल जं.	---	22:00

चलने के दिन : 04026 दिल्ली जं. से दिनांक 06.03.25, 13.03.25 एवं 20.03.25 तथा 04025 रक्सौल जं. से दिनांक 07.03.25, 14.03.25 एवं 21.03.25 को।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर इकॉनोमी, शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव : गाज़ियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा जं., गोरखपुर एवं नरकटियागंज जं. स्टेशन।

04020/04019 आनंद विहार (ट) – बरौनी जं. – आनंद विहार (ट) एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी — 06 फेरे

गाड़ी सं. 04020		स्टेशन	गाड़ी सं. 04019	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	19:30	आनंद विहार (ट)	19:00	---
18:00	---	बरौनी जं.	---	20:00

चलने के दिन : 04020 आनंद विहार (ट) से दिनांक 02.03.25, 09.03.25 एवं 16.03.25 तथा 04019 बरौनी जं. से दिनांक 03.03.25, 10.03.25 एवं 17.03.25 को।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान।
ठहराव : गाज़ियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, रायबरेली जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., वाराणसी जं., औंड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा एवं हाजीपुर जं. स्टेशन।

05005/05006 गोरखपुर जं. – अमृतसर – गोरखपुर जं. विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 08 फेरे

गाड़ी सं. 05005		स्टेशन	गाड़ी सं. 05006	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	14:40	गोरखपुर जं.	09:15	---
09:30	---	अमृतसर	---	12:45

चलने के दिन : 05005 गोरखपुर जं. से दिनांक 05.03.25 से 26.03.25 तक (प्रत्येक बुधवार को) तथा 05006 अमृतसर से दिनांक 06.03.25 से 27.03.25 तक (प्रत्येक गुरुवार को)।
स्थान : 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव : खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा जं., बुढ़वल, सीतापुर जं., बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर जं., यमुनानगर जगाधरी, अम्बाला कैंट, ढंडारी कलां, जलंधर सिटी एवं ब्यास स्टेशन।

05113/05114 छपरा – आनंद विहार (ट) – छपरा विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 08 फेरे

गाड़ी सं. 05113		स्टेशन	गाड़ी सं. 05114	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	15:45	छपरा	14:00	---
14:25	---	आनंद विहार (ट)	---	16:00

चलने के दिन : 05113 छपरा से दिनांक 05.03.25 से 26.03.25 तक (प्रत्येक बुधवार को) तथा 05114 आनंद विहार (ट) से दिनांक 06.03.25 से 27.03.25 तक (प्रत्येक गुरुवार को)।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव : छपरा कचहरी, मशरख, दिघवा दुबौली, थावे जं., तमकुही रोड, पडरौना, कप्तानगंज जं., गोरखपुर जं., खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा जं., बुढ़वल, सीतापुर, शाहजहाँपुर, बरेली एवं मुरादाबाद स्टेशन।

05023/05024 गोरखपुर – खातीपुरा – गोरखपुर विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 10 फेरे

गाड़ी सं. 05023		स्टेशन	गाड़ी सं. 05024	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	21:15	गोरखपुर	14:45	---
12:10	12:20	दिल्ली जं.	00:25	00:35
17:30	---	खातीपुरा	---	19:30

चलने के दिन : 05023 गोरखपुर से दिनांक 02.03.25 से 30.03.25 तक (प्रत्येक रविवार को) तथा 05024 खातीपुरा से दिनांक 03.03.25 से 31.03.25 तक (प्रत्येक सोमवार को)।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव : खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा जं., बुढ़वल, सीतापुर जं., बरेली, मुरादाबाद, गाज़ियाबाद, दिल्ली जं., दिल्ली कैंट, गुड़गांव, रेवाड़ी एवं बाँदीकुई स्टेशन।

05301/05302 मऊ – अम्बाला कैंट जं. – मऊ विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 08 फेरे

गाड़ी सं. 05301		स्टेशन	गाड़ी सं. 05302	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	04:00	मऊ	21:30	---
00:15	---	अम्बाला कैंट जं.	---	01:40

चलने के दिन : 05301 मऊ से दिनांक 06.03.25 से 27.03.25 तक (प्रत्येक गुरुवार को) तथा 05302 अम्बाला कैंट जं. से दिनांक 07.03.25 से 28.03.25 तक (प्रत्येक शुक्रवार को)।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर इकॉनोमी, शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव : बेलथरा रोड, भटनी जं., देवरिया सदर, गोरखपुर जं., खलीलाबाद, बस्ती, मनकापुर जं., गोंडा जं., बुढ़वल, सीतापुर, बरेली, मुरादाबाद, गाज़ियाबाद, दिल्ली जं., सोनीपत एवं पानीपत स्टेशन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिये रेलमदद हेल्पलाइन सं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा भारतीय रेल की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा - हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अठावले ने की सीएम से भेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार की शाम समत्व भवन में केंद्रीय सामाजिक न्याय तथा अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास अठावले ने भेंट की।

प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता से बन रहा संत रविदास महाराज का विशाल मंदिर

- मुख्यमंत्री ने बड़तूमा सागर में निर्माणाधीन संत रविदास मंदिर के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़तूमा सागर में निर्माणाधीन संत रविदास मंदिर के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने सागर में संत रविदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने मंदिर निर्माण कार्य में लगे शिल्पियों की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने संत रविदास मंदिर के मॉडल का अवलोकन कर विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संत रविदास मंदिर निर्माण पर आधारित चलचित्र (वीडियो प्रदर्शनी) को देखा। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति को परिष्कृत करने, सहेजने और सामाजिक समरसता में संतों की भूमिका से लोगों को परिचित कराने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता से संत रविदास मंदिर विशाल आकार में मूर्तरूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि यह भव्य मंदिर और संग्रहालय आस्था के साथ-साथ देश-दुनिया के लोगों को भारत की महान संत परम्परा की विचारधारा और संतशिरोमणि रविदास महाराज के जीवन से परिचित कराने वाला अद्भुत केंद्र बनेगा।

सुकमा जिले के किस्टाराम की घटना

पुलिस-नक्सलियों में मुठभेड़ 2 नक्सली ढेर, हथियार बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबदलपुर

रुक-रुक कर गोलीबारी जारी, तलाशी अभियान

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के किस्टाराम में शनिवार की सुबह पुलिस व जवानों के बीच मुठभेड़ हो गई। नक्सली और जवानों के बीच रुक रुककर गोलीबारी चल रही है। घटना को देखते हुए इलाके में सर्चिंग शुरू कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, 2 नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं, हथियार भी बरामद हुए हैं।

तलाशी अभियान जारी है। बताया जा रहा है कि नक्सलियों के लीडर की सूचना पर पुलिस टीम को भेजा गया था। किस्टाराम क्षेत्र में नक्सलियों की सूचना पर निकली डीआरजी और कोबरा की संयुक्त पुलिस पार्टी का नक्सलियों से आमना-सामना हो गया। जिसके बाद गोलीबारी शुरू हो गई। रुक-रुककर अब भी मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ स्थल और आसपास सुरक्षा बलों द्वारा तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

कर्व ईवी ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक 3,823 किलोमीटर की सबसे तेज़ ईवी ड्राइव का रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी 4-व्हीलर ईवी निर्माता और भारत के ईवी विकास की अग्रणी कंपनी टाटा ईवी ने आज कश्मीर से कन्याकुमारी तक की सबसे तेज ईवी ड्राइव का कीर्तिमान बनाया है। यह दूरी केवल 76 घंटे और 35 मिनट में तय की गई। इसका नेतृत्व भारत की अपनी एसयूवी कूप, कर्व ईवी ने किया। इससे पहले लंबी दूरी की सबसे तेज ड्राइव का कीर्तिमान टाटा की ही नेक्सन ईवी मैक्स के नाम था और यह नया कीर्तिमान पुराने रिकॉर्ड से करीब 19 घंटे कम है। भारत की लंबाई में सबसे तेज 3,800 किलोमीटर की दूरी तय करने के अलावा कर्व ईवी ने सफलतापूर्वक 20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए हैं।इस उल्लेखनीय यात्रा को पूरा करते हुए कर्व ईवी को केवल 16 चार्जिंग स्टॉप लगे, जिससे चार्ज होने का औसत समय 28 घंटे से घटकर 17 घंटे हो गया। यह न केवल बैटरी तकनीक में प्रगति को दिखाता है, बल्कि भारत के व्यापक पब्लिक चार्जिंग नेटवर्क को भी प्रदर्शित करता है। इनमें से अधिकांश अब राजमार्गों पर तेज चार्जिंग गति का समर्थन कर रहे हैं। जम्मू और कश्मीर के माननीय मुख्यमंत्री श्री उमर अब्दुल्ला के श्रीनगर में औपचारिक हरी झंडी दिखाने के बाद कर्व ईवी ने 25 फरवरी, 2025 को सुबह 4:00 बजे अपनी यात्रा शुरू की। टाटा ईवी का यह प्रमुख वाहन अलग-अलग मौसम की स्थितियों का सामना करते हुए कई इलाकों और भारत के पब्लिक चार्जिंग नेटवर्क से गुजरते हुए 28 फरवरी, 2025 को सुबह 8:35 बजे कन्याकुमारी पहुंचा, जहां इसका स्वागत कन्याकुमारी के सांसद थिरु विजय वसंत ने किया।इस रोमांचक अभियान के बारे में बात करते हुए टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के चीफ कमर्शियल ऑफिसर श्री विवेक श्रीवत्स ने कहा, "हमने यह रोमांचक नॉन-स्टॉप यात्रा यह दिखाने के लिए शुरू की है कि ईवी के साथ लंबी इंटरसिटी ड्राइव कितनी सहज, कुशल और आरामदायक हो सकती है।

रायपुर मेयर मीनल चौबे के बेटे सहित दो अन्य पकड़ाए

सड़क पर केक काटने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मेयर मीनल चौबे के बेटे ने सड़क पर केक काटकर जन्मदिन मनाया। इस मामले में अब उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के साथ उसके दो दोस्तों को भी गिरफ्तार किया गया है। मामले में पुलिस प्रतिबंधात्मक धाराओं में अलग से कार्रवाई कर रही है।

उल्लेखनीय है कि, रायपुर मेयर मीनल चौबे के बेटे मृणांक चौबे ने सड़क पर केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया था। इस मामले में पुलिस ने मृणांक चौबे और उसके दो दोस्त पिंटू चंदेल और मनोज गौतम को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। हालांकि, वीडियो सामने आने के बाद अब मेयर मीनल चौबे ने माफी मांगी। उन्होंने कहा कि, मैंने वीडियो देखा जो मेरे घर के सामने का है। मेरे बेटे का जन्मदिन था, उसने सड़क पर केक काटा है। मैंने आज सुबह ही अखबार में पढ़ा कि, हाईकोर्ट ने सड़कों पर केक काटने से मना किया है। जो भी हुआ गलत हुआ है मैंने अपने बेटे को समझाइश दी है।

मीनल ने मांगी माफी, कहा, दोबारा ऐसा नहीं होगा

मेयर मीनल चौबे ने आगे कहा कि, मैं शासन-प्रशासन का पूरा सम्मान करती हूं। अगर मेरे या मेरे परिवारजनों की वजह से कोई परेशानी हुई होगी तो उसके लिए मैं माफी मांगती हूं। सभी के बच्चों को यह समझना होगा कि, सड़क पर नहीं घर के अंदर केक काटना चाहिए। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि, दोबारा ऐसा नहीं होगा।

किराया नहीं दिया, आप के ऑफिस पर जड़ा ताला

भोपाल। आम आदमी पार्टी का दिल्ली में विधानसभा चुनाव हारने का असर अब मध्यप्रदेश में भी देखने को मिल रहा है। राजधानी में आम आदमी पार्टी के कार्यालय में मकान मालिक ने ताला जड़ दिया। बताया जा रहा है कि पार्टी मकान का किराया नहीं दे रही थी। बता दें कि आम आदमी पार्टी का कार्यालय सुभाष नगर में स्थित है। जानकारी के मुताबिक दो महीने से किराया नहीं चुकाया गया है। 50 से 60 हजार रुपए किराया नहीं चुकाने की बात सामने आई है। ताला लगाने वजह यह सामने आई है कि कहीं रात के अंधेरे में कार्यकर्ता सामान न निकाल ले जाएं, इसलिए दीवार के पास पोकलेन मशीन भी लगा दी गई है। पूरे मामले में आम आदमी पार्टी की प्रदेशाध्यक्ष रीना अग्रवाल ने बताया कि मुझे इस बात की जानकारी नहीं है कि कार्यालय में ताला लगाया गया है।

हाल में केंद्र सरकार की तरफ से जीवनशैली संबंधी स्वास्थ्य को लेकर दो अहम घोषणाएं हुई हैं। पहली, केंद्र सरकार देश में 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में बीपी (उच्च व निम्न रक्तचाप), शुगर (डायबिटीज या मधुमेह) और कैंसर की राष्ट्रीय स्तर पर जांच कराने जा रही है। दूसरी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोटापा के खिलाफ देश में जागरूकता लाने का आह्वान किया है। इसके लिए सरकार की ओर से दस हस्तियों को अंबेस्डर बनाया गया है, जो देशवासियों में मोटापा से बचने के लिए जागरूकता फैलाएंगे। देश में करीब 40 करोड़ लोग जीवनशैली संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सालाना करीब 60 लाख लोगों की जीवनशैली संबंधित रोगों के चलते मौत हो जाती है। इसके अलावा भी कई एक्यूट रोग हैं, जिनके चलते लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। कारोना महामारी के समय देश के सरकारी स्वास्थ्य इन्फ्रास्ट्रक्चर की पोल खुली, उसके बाद से सरकार ने लगातार हेल्थ संबंधी बुनियादी ढांचे को दुरुस्त करने की कोशिश की है, लेकिन भारत जैसे बड़ी आबादी व जरूरती देश के लिए सरकार की कोशिश ऊंट के मुंह में जीरा साबित होती है। स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता के आधार पर लेने की जरूरत है, इसमें बड़े निवेश की आवश्यकता है। इसी के साथ योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा जैसे प्रिवेंटिव हेल्थ सिस्टम को सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रम से जोड़ने की आवश्यकता है। जीनशैली संबंधी रोगों की स्थिति का आंकलन करता आजकल का यह अंक..

जीवनशैली से संबंधित रोग बड़ी चुनौती

सेहत

डा ए.के. अरुण

जनस्वास्थ्य वैज्ञानिक व होम्योपैथिक चिकित्सक

जीवनशैली से संबंधित रोग आज भारत ही नहीं पूरी दुनिया में लोगों की परेशानी का सबब बने हुए हैं। वैश्वीकरण की प्रक्रिया की सार्वजनिक स्वीकार्यता के बाद पूरी दुनिया में जीवनशैली से जुड़े रोगों का आंकड़ा तेज़ी से बढ़ने लगा है और सामान्य से दिखने वाले रोग जानलेवा तथा असाध्य रोगों की श्रेणी में आ गए हैं। आज जीवनशैली से सम्बंधित रोग एक बड़ी समस्या के रूप में हमारे सामने हैं। जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को ग़ैर संचारी रोग या एनसीडी भी कहा जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की ताज़ा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में जीवनशैली से संबंधित रोगों की वजह से सालाना छह मिलियन लोगों की जान जा रही है।

जीवनशैली से संबंधित रोगों के बारे में मेरी धारणा स्पष्ट है कि पहले आधुनिकता के नाम पर ग़लत जीवनशैली अपनाओ और बीमार बनो, फिर उसके इलाज के लिए अस्पतालों और डाक्टरों के पास भटको। जीवनशैली से संबंधित रोग आज भारत ही नहीं पूरी दुनिया में लोगों की परेशानी का सबब बने हुए हैं। वैश्वीकरण की प्रक्रिया की सार्वजनिक स्वीकार्यता के बाद पूरी दुनिया में जीवनशैली से जुड़े रोगों का आंकड़ा तेज़ी से बढ़ने लगा है और सामान्य से दिखने वाले रोग जानलेवा तथा असाध्य रोगों की श्रेणी में आ गए हैं। आज जीवनशैली से सम्बंधित रोग एक बड़ी समस्या के रूप में हमारे सामने हैं। जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को ग़ैर संचारी रोग या एनसीडी भी कहा जाता है। यदि हमारे दैनिक जीवन की आदतें, जैसे भोजन, नींद, व्यायाम, दिनचर्या, तनाव का स्तर आदि स्वस्थ्य नहीं है तो यह जीवन शैली के रोगों की वजह बन सकता है। विगत कुछ वर्षों में कोरोना के बाद भारत में जीवनशैली से संबंधित रोगों की स्थिति चिंताजनक रूप से बिगड़ी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की ताज़ा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में जीवनशैली से संबंधित रोगों की वजह से सालाना 60 लाख लोगों की जान जा रही है। अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2030 तक इन रोगों की वजह से भारत को छह ट्रिलियन डॉलर का आर्थिक नुक़सान उठाना पड़ सकता है।

तनाव में 26 फ़ीसदी भारतीय

इंडिया फिट रिपोर्ट 2024 के अनुसार 26 फ़ीसदी भारतीय तनाव से जूझ रहे हैं। इनमें 17 फ़ीसदी लोगों के तनाव की वजह वित्तीय अस्थिरता है। इसी रिपोर्ट के अनुसार 24 फ़ीसदी भारतीय उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं। रिपोर्ट के अनुसार विगत तीन वर्षों में मधुमेह, उच्च रक्तचाप उच्च कोलेस्ट्रॉल,थायरॉइड जैसे जीवनशैली के रोगों में बहुत तेज़ी आई है। उच्च रक्तचाप एवं उच्च कोलेस्ट्रोल एक साइलेंट किलर है। यह आम भारतीयों में तेज़ी से बढ़ रहा है। उच्च कॉलेस्ट्रोल वाले लोगों की संख्या में सालाना दो फ़ीसदी की बढ़ोतरी देखी जा रही है। ऐसे ही मधुमेह रोगियों का बुरा हाल है। इंडिया फिट रिपोर्ट 2024 के अनुसार 48 फ़ीसद भारतीय अस्वस्थ्य हैं। यही रिपोर्ट यह भी बता रही है कि भारत की लगभग आधी आबादी (50 फ़ीसदी) अस्वस्थ्य जीवनशैली की आदतों से पीड़ित है। यह आंकड़ा चिंताजनक है। मानसिक रोग जैसे अनिद्रा तनाव अवसाद के साथ साथ स्लिप एपनिया के मामले भी तेज़ी से बढ़ रहे हैं। कम उम्र के युवाओं में हृदयगति रुक जाने से होने वाली मौतों की घटनाओं में भी वृद्धि देखी गई है। बढ़ती स्वास्थ्य चिंताओं के बीच अब सवाल उठता है कि सरकारें इन रोगों के रोकथाम प्रबंधन के लिए क्या कर रही है? विगत कुछ वर्षों से भारत सरकार का स्वास्थ्य बजट देखें तो बहुत उत्साहजनक नहीं दिखता। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकारी बजट बढ़ाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। नवीनतम राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा रिपोर्ट अनुसार पहले से ही स्वास्थ्य बजट कुल जीडीपी का लगभग 1.2-1.3 फीसदी पर स्थिर है। इसे 2025 तक 2.5-3.0 फीसदी तक बढ़ाने की बात की जा रही थी। ऐसा राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में वादा भी किया गया था। हालांकि वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के बजट में मामूली वृद्धि की गई है। पर वह एक फीसदी के पास ही है।

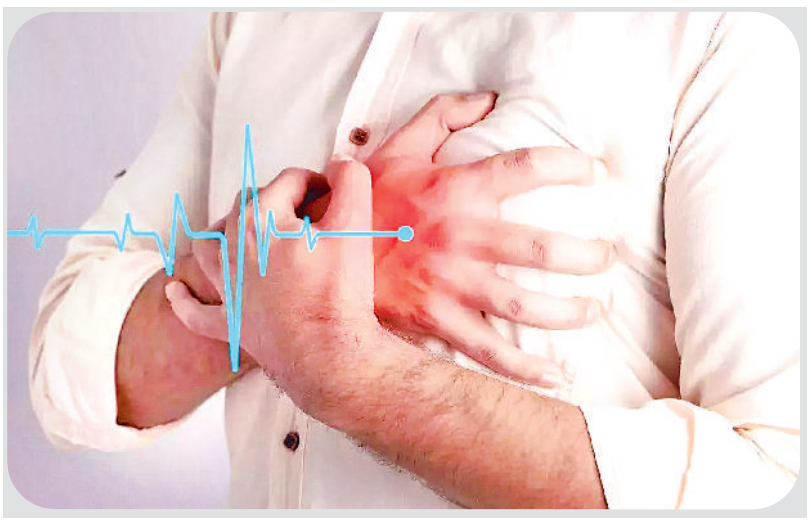

धनाभाव में सरकारी अस्पताल

विगत कोरोना वायरस महामारी के आतंक को सभी ने देखा और भुगता है। सबसे बुरी हालत मेहनतकश ग़रीब लोगों की थी। सरकारी अस्पताल लगभग नकारा थे। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो 85 फ़ीसदी सरकारी अस्पताल और उपचार केंद्र आज भी धन के अभाव में ही चल रहे हैं। कोरोना महामारी के थम जाने के बावजूद सरकार कोरोना से होने वाली मौतों का ठीक से आंकड़ा भी उपलब्ध नहीं करा पाई है। यदि देश के 748 ज़िले के अस्पताल ठीक होते तो विगत कोरोना महामारी के दौरान ऐसी अफ़रातफ़री नहीं मचती। इधर सरकार द्वारा लोगों के स्वास्थ्य से संबंधित कई घोषणाएं सुनाई देती हैं। इन घोषणाओं में आधुनिक जीवनशैली के रोगों से निपटने के लिए सरकारी विज्ञापन आजकल सरेआम है।

प्रशिक्षित चिकित्सकों की कमी

कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य ढांचागत निर्माण मिशन उन योजनाओं में एक महत्वपूर्ण योजना है। इससे देशभर में प्राथमिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए शुरू किया गया था। सन् 2021 से 2026 तक की अवधि के लिए इस योजना में 64,180 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। लेकिन पिछले दो बजट में कुल मिलाकर लगभग आठ हज़ार करोड़ रुपये का ही आवंटन किया गया है। भारत में अभी भी प्रशिक्षित चिकित्सकों की संख्या लगभग 13 लाख है, जो देश में 15-20 हज़ार प्रति व्यक्ति पर एक चिकित्सक की दर से बैठती है। यदि यहां प्रति दस हज़ार व्यक्ति पर एक चिकित्सक की उपलब्धता को ही मान लें तो सन् 2050 कोई 20.7 लाख चिकित्सक और चाहिए होंगे। सच्चाई तो यह है कि प्रशिक्षण के बाद लगभग दस-बीस फ़ीसद चिकित्सक अपना चिकित्सा व्यवसाय छोड़कर किसी और धन्धे में चले जाते हैं। चिकित्सा सेवा के स्वभाव में परिवर्तन एवं देश में उपभोक्तावाद के हावी होने के बाद अधिकांश चिकित्सक निजी प्रैक्टिस करने अथवा निजी पांचसितारा अस्पतालों में जाना पसंद करते हैं। मसलन सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था धीरे धीरे उपेक्षित एवं नकारा होती जा रही हैं। विगत कुछ वर्षों में चिकित्सा शिक्षा से संबंधित सरकारी नीतियों में जटिलता की वजह से भी दिक्कतें आ रही हैं। कहा जा रहा है कि देश में 70 हज़ार से एक लाख ऐसे डॉक्टर्स हैं जिन्होंने विदेशों में पढ़ाई की है और वे भारत में अपना रजिस्ट्रेशन कराना चाहते हैं। लेकिन जटिल प्रक्रिया की वजह से ये अभी भी धक्के खा रहे हैं। देश में नक़ली डॉक्टरों की भी एक बड़ी संख्या है जिसे सरकार पकड़ नहीं पा रही है।

टोगो वैक्सीन वितरण की योजना

भारत सरकार की प्रधानमंत्री आयुष्मान जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) प्रति वर्ष प्रत्येक ग़रीब परिवार को 5.0 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराने का दावा करती है। सरकारी दावों में लगभग 1.80 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) का लक्ष्य बताया गया है,जबकि वर्तमान में 1,68,044 आरोग्य मंदिर चलने का दावा किया जा रहा है। "आयुष्मान भव" अभियान के तहत 7.12 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड तथा 11.34 करोड़ आभा आईडी सृजित किए गए हैं। यह भी दावा है कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में 15.33 करोड़ से ज़्यादा लोगों ने लाभ प्राप्त किया है। सरकार ने अपने मासिक मंत्रिमंडल रिपोर्ट फ़रवरी 2024 में दावा किया है कि लगभग 3.5 लाख आयुष्मान मेले का आयोजन किया जा चुका है, जिसमें टीबी, एचबीपी, मधुमेह, माउथ कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर, मोतियाबिंद आदि से बचाव के लिए 29.54 करोड़ से भी ज़्यादा स्क्रीनिंग की गई। भारत सरकार का दावा है कि फ़रवरी 2024 में डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल (जीआईडीएच) को भी शुरू किया गया है। यह भी दावा किया है कि 'टोगो'नामक महामारी की रोकथाम के लिए बिल गेट्स की संस्था 'गावी' के साथ मिलकर वैक्सीन वितरण की पहल या साझेदारी भी की जा सकती है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

सेहत पर भारी पड़ रहा है पैक्ड फूड

खान-पान

अर्चना कुमारी

लेखिका व स्वतंत्र पत्रकार

आधुनिक समय में लोगों की जीवनशैली काफी बदल चुकी है। लोग हेल्दी खाने से ज्यादा उसका स्वाद देखते हैं, जिसका नतीजा यह है कि आज अधिकांश व्यक्ति किसी न किसी बीमारी से ग्रस्त हैं। दरअसल, व्यस्त लाइफस्टाइल में इन दिनों पैक्ड फूड यानी जंक फूड पर हम ज्यादा निर्भर होते जा रहे हैं जो कि एक बेहद ही गंभीर मामला है। वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दशकों में प्रोसेस्ड फूड कैंसर जैसी महामारी का बड़ा कारण बन सकता है। बता दें, पैक्ड फूड को लंबे समय तक ठीक रखने के लिए कई तरह के केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। यह केमिकल बेहद ही खतरनाक होते हैं। जो हमारे शरीर पर कई तरह के हानिकारक प्रभाव डालते हैं। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिसीज स्टडी के आंकड़ों के मुताबिक, विश्व में 20 प्रतिशत मौतें खराब आहार के कारण होती हैं। जंक फूड को बनाने में बहुत ज्यादा तेल, फैट, शुगर, स्टार्च, नमक और प्रोटीन आदि का इस्तेमाल किया जाता है। इससे मोटापा और हृदय रोगों का खतरा बढ़ सकता है। कई स्टडी में यह बात सामने आ चुकी है कि फास्ट फूड में पाया जाने वाला ट्रांसफैट ब्लड में बैड कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ा देता है और गुड कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम कर देता है। इससे टाइप 2 डायबिटीज और हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ा देता है। नमक की ज्यादा मात्रा बढ़ने से हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। फास्ट फूड में कैलोरी की मात्रा ज्यादा होती है जिसकी वजह से लोगों का वजन बढ़ जाता है और मोटापे का शिकार हो जाते हैं। इससे अस्थमा और अन्य श्वसन संबंधी बीमारियां होने का रिस्क बढ़ जाता है। यह भी सुझाव दिया गया है कि जंक फूड खाने से मस्तिष्क उसी तरह प्रभावित होता है, जैसे नशे की दवाओं का सेवन करने से। दुनिया भर में जंक फूड को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना गया है। ये गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) को जन्म देते हैं, विशेष रूप से गरीब देशों में कुपोषण और मोटापे के दोहरे बोझ के लिए जिम्मेदार हैं। खानपान के तमाम जानकारों, जीवन शैली के तमाम विशेषज्ञों और डॉक्टरों के लगातार समझाने और चेतावनी देने के बावजूद पिछले कुछ वर्षों में जंक फूड हमारे ब्रंच, लंच या डिनर का अहम हिस्सा बन गया है। आजकल लोग पोषक भरी चीजे न खाकर स्वादिष्ट जंक फूड ज्यादा खा रहे हैं। जिसमें शरीर के लिए जरूरी विटामिन्स और मिनरल्स नहीं होते हैं। जिस वजह से उनके शरीर में आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स की अत्यधिक कमी हो जाती है जिसको पूरा करने के लिए उन्हें दवाइयों पर निर्भर होना पड़ता है। इतना ही नहीं, जरूरी पोषक तत्वों की कमी की वजह से वो गंभीर बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे परिवारों की संख्या भी कम नहीं है जो पूरी तरह से पैक्ड फूड या रेडी टू ईट फूड पर निर्भर हो चुके हैं। बता दें, दुनिया भर में भारत खाद्य मानकों का उल्लंघन करने वाला सबसे बड़ा देश है, ऐसा फूड सोर्स मॉनिटरिंग कंपनी फूड सेंट्री का कहना है। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय की रिपोर्ट कहती है कि एक दशक में आसानी से तैयार हो जाने वाले पैकेट बंद फूड के बाजार में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इनके खाने के फायदे कम और नुकसान ज्यादा हैं। विदेश से आये फास्ट फूड ने हमारे देश पर कब्जा कर लिया है। जबकि भारतीय खाने में इतने विभिन्न आयाम हैं कि बयान करना मुश्किल हो जाता है। तरह-तरह के पकवान भारत के लोगों के इतिहास और उनकी संस्कृति को परिदृश्य करते हैं। फिर भी हम फ़ास्ट फूड के पीछे भाग रहे हैं।

'स्वस्थ भारत' संकल्प बने राष्ट्रीय अभियान

योजना

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार व विश्लेषक

देश में नॉन कम्युनिकेबल डिजीज (एनसीडी) के बढ़ते बोझ को देखते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 30 साल और उससे ज्यादा उम्र के सभी व्यक्तियों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गैर-संचारी रोगों तथा सामान्य कैंसर के लिए 100 प्रतिशत जांच करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया। इस अभियान के तहत ब्लड प्रेशर, मधुमेह या मुंह, स्तन या सर्विकल कैंसर जैसे गैर-संचारी रोगों की जांच होगी। इसके तहत देश के 89 करोड़ लोगों की शुगर से लेकर बीपी और कैंसर की जांच मुफ्त की जाएगी। यह अभियान 20 फरवरी से शुरू होकर 31 मार्च तक चलेगा। इसमें सरकारी अस्पताल, मोबाइल मेडिकल यूनिट और आशा कार्यकर्ताएं घर-घर जांच अभियान करेंगी।

गैर-संक्रामक रोगों का प्रकोप

सरकार ने यह फैसला इसलिए लिया है कि पिछले कुछ सालों से देश में गैर संक्रामक रोगों से मरने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। इस अभियान का उद्देश्य वास्तविक समय पर निगरानी करना है और साथ ही साथ एनसीडी से जुड़ी जटिलताओं को कम करना भी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की रिपोर्ट बताती है कि देश में 66 प्रतिशत मौतें गैर-संक्रामक बीमारियों के कारण हो रही हैं। हृदय रोग, डायबिटीज, कैंसर और श्वसन रोग जैसी बीमारियां 30 साल से अधिक उम्र के लोगों में तेजी से बढ़ रही हैं जो एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बन चुकी है। इसलिए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बीमारियों की जल्दी पहचान करना, इलाज शुरू करना और गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं को रोकना है। भारत सरकार ने अपने अभियान में मुख्य रूप से तीन तरह के कैंसर जांच की बात की है। इसमें मुंह के कैंसर, स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की बात कही गई है। सरकार ने पाया है कि तंबाकू के सेवन से मुंह के कैंसर के मरीज अधिक सामने आए हैं, जिनकी मृत्यु भी हुई है।

फैल रहा सर्वाइकल कैंसर

वहीं महिलाओं में तेजी से स्तन कैंसर बढ़ रहा है। इसके अलावा पुरुष और महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर भी तेजी से फैल रहा है। इसकी रोकथाम और सही समय पर इलाज के लिए सरकार ने जांच का फैसला किया है। इतना ही नहीं, हार्ट अटैक से मरने वाले लोगों के लिए हाई ब्लड प्रेशर सबसे बड़ा कारण है। कम उम्र में ही लोग हाई ब्लड प्रेशर से जूझ रहे हैं। अधिक दबाव की वजह से वो अपना जीवन खो रहे हैं।

खराब लाइफ स्टाइल कारण

भारत में 45 प्रतिशत लोग हर साल सिर्फ हार्ट अटैक से मर रहे है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, एनसीडी सामूहिक रूप से दुनिया भर में हृदय रोग, स्ट्रोक, कैंसर, पुरानी श्वसन संबंधी बीमारियों और मधुमेह समेत कुछ मौतों के 74 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार हैं। गौरतलब है कि आजकल कम उम्र में ही लोग डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, दिल की बीमारियों और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इन बीमारियों का एक बड़ा कारण खराब लाइफ स्टाइल है। ये सभी बीमारियां नॉन-

कम्युनिकेबल डिजीज यानी गैर-संचारी बीमारियां हैं। इनका मतलब है कि ये बीमारियां एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलतीं और इनका विकास अक्सर काफी समय लेता है।

आहार संबंधी आदतों से बढ़े रोग

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की रिपोर्ट में यह बताया गया है कि साल 1990 में इन बीमारियों से होने वाली मौतों का अनुपात 37.9 प्रतिशत था, जो 2016 में बढ़कर 61.8 प्रतिशत हो गया। आज के समय में भारत में 66 प्रतिशत से ज्यादा मौतें नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियों के कारण हो रही हैं। इन बीमारियों में मुख्य रूप से दिल से जुड़ी बीमारियां, डायबिटीज, कैंसर और सांस से जुड़ी बीमारियां शामिल हैं। भारत में अधिकतर युवा आबादी है और ऐसा देखा गया है कि 30 से 40 साल की उम्र के युवा भी इस तरह की लाइफ स्टाइल डिजीज से काफी परेशान हैं। जीवनशैली में बदलाव, पर्यावरणीय कारक और आहार संबंधी आदतें इस महामारी को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही हैं, जिससे न केवल बुजुर्ग बल्कि युवा भी प्रभावित हो रहे हैं। आज खाने में पैक्ड फूड को जिस तरह से तरजीह दी जा रही है, उसकी वजह से ये भी बीमारियां हो रही हैं। चिंता का विषय यह है कि भारत उन देशों में शामिल हो रहा है जहां कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हाल के अध्ययनों से भारत में कैंसर के मामलों में अप्रत्याशित वृद्धि देखने को मिली है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अनुसार, देश में हर साल 1.3 मिलियन से अधिक नए कैंसर के मामले सामने आते हैं और अगले दशक में यह संख्या तेजी से बढ़ने की संभावना है। 2040 तक, भारत में कैंसर की घटनाओं के दोगुना होने का अनुमान है, जो स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती है। अगर देखा जाए तो सरकार की ये पहल स्वागत योग्य है, बशर्ते इसके पीछे छिपा हुआ कोई और एजेंडा ना हो।

गौरतलब है कि मोदी सरकार ने 'स्वस्थ भारत' की बात की, तो उसमें सिर्फ दवा, अस्पताल और डॉक्टर ही नहीं हैं, बल्कि प्राथमिकता यह है कि नागरिक बीमार ही ना हों। इसके लिए योग और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। अगर कोई बीमार हो भी जाता है तो जांच और समयबद्ध उपचार की पूरी व्यवस्था है। मरीजों को मुफ्त दवा और इलाज की सुविधाएं आज बड़े पैमाने पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

आयुष्मान भव अभियान लांच

देश के 50 करोड़ से अधिक लोगों को साल का पांच लाख रुपये का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना मुहैया करा रही है। मोदी सरकार का लक्ष्य यह है कि देश के हर कोने में रह रहे जन-जन तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए ही आयुष्मान भव अभियान लांच किया गया है। इस अभियान के तहत जन आरोग्य योजना को जन-जन तक ले जाने, हर किसी का आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट आइडी बनाने और विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं देने का लक्ष्य रखा गया है। कई तरह की बीमारियों की पहचान के लिए व्यापक स्क्रीनिंग की भी व्यवस्था की गई है। इनमें टीबी, हाइपरटेंशन, सिकल सेल डिसीज यानी रक्त संबंधी विकार, मधुमेह आदि के लिए गांवों और शहरों में जांच अभियान चलाया जा रहा है। आयुष्मान भव योजना का मूल लक्ष्य देश के 6.45 लाख गांवों और 2.55 लाख ग्राम पंचायतों तक पहुंचने का है, ताकि लोगों के बीच इस योजना को लेकर जागरुकता आए और वे स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले सकें। यह प्रतिबद्धता पीएम मोदी की 'स्वस्थ भारत' परिकल्पना का अंग है। मालूम हो, अच्छा स्वास्थ्य मानव प्रगति और समृद्धि की आधारशिला है। आने वाला भविष्य उन्हीं समाजों का होगा, जो स्वास्थ्य के क्षेत्र में पर्याप्त संसाधन लगाएंगे।

स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े सुधार की जरूरत

दो टूक

शंभू भद्र

वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार व जन स्वास्थ्य विश्लेषक

हाल में केंद्र सरकार की तरफ से जीवनशैली संबंधी स्वास्थ्य को लेकर दो अहम घोषणाएं हुई हैं। पहली, केंद्र सरकार देश में 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में बीपी (रक्तचाप), शुगर (मधुमेह) और कैंसर की राष्ट्रीय स्तर पर जांच कराने जा रही है। दूसरी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोटापा के खिलाफ देश में जागरूकता लाने का आह्वान किया है। इसके लिए सरकार की ओर से दस हस्तियों को अंबेस्डर बनाया गया है, जो देशवासियों में मोटापा से बचने के लिए जागरूकता फैलाएंगे। वर्ष 2022 तक देश को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया गया था, लेकिन सरकारी उदासीनता के चलते इस योजना ने दम तोड़ दिया। आज वर्ष 2025 में देश में कूड़ा व कचरा निस्तारण को लेकर मुकम्मल व्यवस्था नहीं बन सकी, तो क्या मोटापे के खिलाफ भी अभियान का ऐसा ही हश्र होने वाला है? पीएम ने ही जोर-शोर से फिट इंडिया अभियान शुरू किया था, यह अभियान आज कहां है? किसी को पता नहीं है। आज देश जीवनशैली संबंधी बीमारियों-उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, कैंसर, मोटापा (ओबेसिटी), थायराइड, कब्ज, टेंशन, डिप्रेशन के पीड़ितों के ज्वालामुखी पर बैठा हुआ है। करीब 19 करोड़ लोग शुगर, करीब 15 करोड़ लोग मोटापा, करीब 14 करोड़ लोग बीपी, करीब 9 करोड़ लोग कैंसर, करीब 12 करोड़ लोग टेंशन-डिप्रेशन, व करोड़ों लोग कंस्टिपेशन यानी कब्ज जैसी जीवनशैली संबंधी रोगों से सफर कर रहे हैं।

बहुत सारी बाधाएं

इन रोगों के लिए सिडेंट्री रहन-सहन, अस्वास्थ्यकर खानपान और गलत दिनचर्या जिम्मेदार हैं। खास बात है कि इन रोगों को प्रचलित मॉडर्न मेडिसिन से क्योर नहीं किया जा सकता है। यह बात समस्त चिकित्सा जगत को पता है। पीड़ितों को आजीवन दवा खाने की सलाह दी जाती है। लेकिन हॉलिस्टिक हेल्थ एप्रोच से जीवनशैली, खानपान और दिनचर्या में बदलाव लाकर इन रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसलिए लाइफस्टाइल रिलेटेड इन बीमारियों से बचाव के लिए राष्ट्रीय अभियान की जरूरत है। जनस्वास्थ्य के प्रति सरकार की पहल स्वागत योग्य है, परंतु स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रशिक्षित वर्कफोर्स से लेकर नीति व बजट तक में बहुत सारी बाधाएं हैं। कई बार सरकार की योजनाओं का प्रारूप ही तय नहीं होता है। स्वच्छ भारत, ओडीएफ, फिट इंडिया जैसे कार्यक्रम उदाहरण हैं। सरकार अपनी योजनाओं का सोशल ऑडिट भी नहीं करती है। डायबिटीज, बीपी व कैंसर जांच का उद्देश्य अगर फार्मा कंपनियों को मुफ्त में डाटा उपलब्ध भर कराना है, तो ऐसे अभियान का कोई नतीजा नहीं निकलेगा। इस जांच का उद्देश्य अगर सच में जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर नीति, उपचार व क्रियान्वयन की दिशा में कुछ किया जाना है, तो निश्चित रूप से इसका व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

प्रिवेंटिव स्वास्थ्य पर हो जोर

भारत में करीब 80 फीसदी रोग प्रिवेंटिव हैं, जिसके लिए अस्पताल या दवा की जरूरत नहीं है, केवल गाइडेंस, प्रिवेंटिव चिकित्सा से रोका या

ठीक किया जा सकता है। केवल 20 फीसदी रोग हैं, जिसके लिए असल में अस्पताल व दवाओं की जरूरत है। अगर सरकार योग-व्यायाम-ध्यान, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा समेत समस्त भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को प्रिवेंटिव हेल्थ कार्यक्रम से जोड़ेगी तो स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय खर्च को तर्कसंगत बनाया जा सकता है। प्रिवेंटिव हेल्थ को स्कूल शिक्षा कार्यक्रम से भी जोड़ने की आवश्यकता है। खानपान व जीवनशैली संबंधी विषयों को शैक्षिक पाठ्यक्रम का अहम हिस्सा बनाने की जरूरत है।

स्वास्थ्य बजट जरूरत से कम

इस बार वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट में स्वास्थ्य के लिए 99,858.56 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जो पिछले वित्त वर्ष से लगभग 11 प्रतिशत अधिक है। यह पिछले वित्त वर्ष के 89,974 करोड़ रुपये के बजट आवंटन से मामूली वृद्धि है। बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए कुल 1.19 लाख करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई। इसमें आयुष, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए राशि भी शामिल है। सरकार ने दवा उद्योग के लिए पीएलआई हेतु 2,445 करोड़ रुपये भी आवंटित किए हैं। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) को ₹9,406 करोड़ का आवंटन मिला। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएमएबीएचआईएम) के लिए ₹4,200 करोड़, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) को ₹37,226.92 करोड़ व राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम को ₹79.6 करोड़ आवंटित किए गए। बजट में वित्त मंत्री ने जन स्वास्थ्य का जिक्र सात बार किया, जिसमें सुलभ, ऊंची गुणवत्ता वाली और किफायती स्वास्थ्य सेवा पर जोर दिया गया था। जो मुख्य कदम बताए गए उनमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को ब्रॉडबैंड से जोड़ना, एआई से चलने वाले स्वास्थ्य उत्कृष्टता केंद्र तथा चिकित्सा शिक्षा में 10,000 नई सीटें जोड़ना शामिल हैं। वास्तव में चिकित्सा शिक्षा में पांच साल के भीतर 75,000 सीटें जोड़ी जानी हैं। 200 डे केयर कैंसर सेंटर खोलने, 1 करोड़ गिग (अस्थायी रोजगार वाले) कर्मचारियों को पीएम-जय के दायरे में लाने और चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निजी क्षेत्र के साथ मिलकर 'हील इन इंडिया' जैसे कार्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव रखा गया है। इसके साथ ही 36 जीवनरक्षक औषधियों पर सीमा शुल्क में भी राहत की घोषणा की गई। छह अन्य जीवनरक्षक औषधियों पर 5 फीसदी की रियायती दर से शुल्क लगाने तथा रोगी सहायता कार्यक्रमों का विस्तार करने की बात भी कही गई है। भारत में जन स्वास्थ्य प्राथमिक रूप से राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में स्वास्थ्य व्यय को 2025 तक बढ़ाकर जीडीपी का 2.5 फीसदी करने की सिफारिश थी। लेकिन अभी बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए आवंटन जीडपी का एक फीसदी के करीब है, यानी बजट आवंटन लक्ष्य से बहुत पीछे है।

हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत

देश में वर्ल्ड क्लास स्वास्थ्य इन्फ्रास्ट्रक्चर खड़ा करने के लिए हेल्थ बजट जीडीपी का छह फीसदी होना चाहिए। इस क्षेत्र में नए रोजगार सृजन की क्षमता है। भारत के लिए बड़ा अवसर है, ऐसे में केंद्र व राज्य सरकार को मिलकर हेल्थ क्षेत्र को बेहतर बनाना चाहिए। इसे निजी क्षेत्र के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। सरकार को इस क्षेत्र को रेगुलेट करने के लिए इरडा, सेबी जैसे हेल्थ सेक्टर के लिए नियामक बनाना चाहिए। इसी के साथ सभी नागरिकों के लिए अनिवार्य स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम लाना चाहिए। बजट में अनेक ख़ामियां रह गई हैं। जनसांख्यिकीय संकट पर कोई बात नहीं की गई है। आवासीय चिकित्सक, एंबुलेटरी यानी अस्पताल तथा बुजुर्गों की देखभाल को लेकर कोई बात नहीं है।

फाइल फोटो

अहा बिरज में होली रे रसिया

श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा में होली का भव्य उत्सव शुरू हो चुका है। शनिवार को द्वारकाधीश मंदिर से इस उत्सव का शुभारंभ हुआ, जो पूरे मार्च तक चलेगा। ब्रज की होली पूरे विश्व में प्रसिद्ध है और इसे देखने के लिए देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु यहां आते हैं। ब्रज की होली केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि पूरे महीने तक मनाया जाता है।

द्वारकाधीश मंदिर से शुरुआत, 8 को होगी लट्ठमार होली

एजेंसी ▶▶ वृंदावन

श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा में होली का भव्य उत्सव की शुरुआत हो चुकी है। शनिवार को द्वारकाधीश मंदिर से इस उत्सव का शुभारंभ हुआ, जो पूरे मार्च तक चलेगा। ब्रज की होली पूरे विश्व में प्रसिद्ध है और इसे देखने के लिए देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु यहां आते हैं। ब्रज की होली केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि पूरे महीने तक मनाया जाता है। बारसाना, नंदगांव और वृंदावन की होली अपने अनोखे अंदाज के लिए जानी जाती है। लट्ठमार होली से लेकर फूलों और टेसू के रंगों तक, हर जगह होली का अलग-अलग रंग देखने को मिलता है।

ब्रज की होली का ऐतिहासिक महत्व

होली का पर्व वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक माना जाता है और ब्रज में इसे खास तौर पर श्रीकृष्ण-राधा की प्रेम लीला से जोड़ा जाता है। बरसाना की प्रसिद्ध लट्ठमार होली, जहां महिलाएं पुरुषों को लाठियों से मारती हैं, इस पर्व का मुख्य आकर्षण होती है। मथुरा-वृंदावन के अलावा गोकुल, नंदगांव और बलदेव में भी होली बेहद धूमधाम से मनाई जाती है। इस उत्सव में हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक शामिल होते हैं।

देश-विदेश से श्रद्धालुओं का जमावड़ा होगा

हर साल ब्रज की होली को देखने के लिए दुनियाभर से लाखों लोग मथुरा-वृंदावन आते हैं। इस बार भी बड़ी संख्या में पर्यटकों के आने की उम्मीद है। प्रशासन ने भी सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए हैं, ताकि किसी प्रकार की परेशानी न हो।

फाइल फोटो

7 को फाग आमंत्रण उत्सव आयोजित

नंदगांव में फाग आमंत्रण उत्सव 7 मार्च को आयोजित होगा, जिसमें होली खेलने के लिए सखियों को बुलाने की परंपरा निभाई जाती है। इसी दिन बरसाना के श्रीराधारानी मंदिर में लड्डू मार होली खेली जाएगी। 8 मार्च को बरसाना में प्रसिद्ध लट्ठमार होली खेली जाएगी, जहां महिलाएं पुरुषों पर लाठियों से प्रहार करेंगी और पुरुष इसे ढाल से बचाने का प्रयास करेंगे। इस वर्ष होली का मुख्य पर्व 14 मार्च को मनाया जाएगा, लेकिन इससे पहले ही ब्रज के विभिन्न स्थानों पर होली का आनंद लिया जा सकता है।

खबर संक्षेप

तुहिनकांत ने सेबी चेयरमैन का कार्यभार संभाला

मुंबई। तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को पूंजी बाजार नियामक सेबी के 11वें चेयरमैन के रूप में

कार्यभार संभाल लिया। अब तक वित्त सचिव के रूप में कार्य कर रहे एक नौकरशाह पांडेय को गुरुवार को सरकार ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) का चेयरमैन नियुक्त किया। उन्होंने माधबी पुरी बुच की जगह ली।

भाजपा ने अब स्वास्थ्य पर आप सरकार को घेरा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में पेश की गई सीएजी रिपोर्ट को लेकर दिल्ली में सियासी घमासान

जारी है। भाजपा और आप आमने सामने है। कैग की रिपोर्ट पर भाजपा- आप वार पलटवार जारी है। भाजपा नेता आरपी सिंह ने कहा कि मेडिकल स्टाफ, इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है। बुनियादी चीजें भी नहीं हैं, मोहल्ला क्लीनिक और डिस्पेंसरी में थर्मामीटर भी नहीं हैं।

बंगाल में तृणमूल ने शुरू किया सत्यापन अभियान

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा पर पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव

से पहले वोटर लिस्ट में हेराफेरी करने का आरोप लगाया है। नेताओं ने शनिवार को वोटर लिस्ट के सत्यापन यानी कि वेरिफिकेशन के लिए घर-घर जाकर कैंपेन शुरू किया। मेयर फिरहाद हकीम ने चेतला इलाके में खुद मतदाता सूची सत्यापन अभियान चलाया।

तरनतारन में परिवार के 5 लोगों की मौत

तरनतारन। तरनतारन के पंडोरी गोला गांव में मकान की छत गिरने से परिवार के 5 लोगों की मौत हो

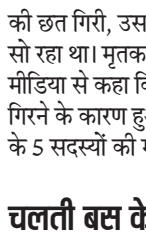

गई। हादसे में मरने वालों में पति-पत्नी और उनके 3 बच्चे शामिल हैं। शुक्रवार रात जिस वक्त घर की छत गिरी, उस वक्त परिवार सो रहा था। मृतक के परिजनों ने मीडिया से कहा कि हादसा छत गिरने के कारण हुआ। जिसमें घर के 5 सदस्यों की मौत हो गई है।

चलती बस के आगे गिरा एचटी तार, एक की मौत

शिमला। कालका-शिमला नेशनल हाईवे पांच पर परवाणू में पथ परिवहन निगम की चलती

बस के आगे अर्थिंग वायर गिर गई। तार गिरने से अगले दोनों टायर फट गए। बस को रोककर जैसे ही ड्राइवर समेत एक अन्य व्यक्ति बाहर निकले तो अचानक उन्हें भी झटका लग गया। इसमें से एक तार की चपेट में आ गया। तार से झुलसने से व्यक्ति की मौत हो गई।

जहर से मुक्ति : पीथमपुर में यूका का जहरीला कचरा जलाने का काम शुरू

अब तक 3240 किलो कचरा जला 21000 लीटर डीजल की हुई खपत

इन्सीनरेटर का संचालन निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए किया जा रहा है। रासायनिक कचरा जलाने की प्रक्रिया शुरू करने से पहले प्रशासनिक दल ने रामकी कंपनी का दौरा कर जायजा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धार

धार में स्थित पीथमपुर में भोपाल की यूनियन कार्बाइड का जहरीला कचरा जलाने का सिलसिला शुरू हो गया है। भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अमले की मौजूदगी में यह कार्य शुरू किया गया।

हाईकोर्ट जबलपुर द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में यूनियन कार्बाइड भोपाल के अपशिष्ट का ट्रायल औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर के डिस्पोजल पीथमपुर इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट के इन्सीनरेटर में शुरू किया गया। शनिवार को अपरान्ह 3:00 बजे तक 3240 किलोग्राम अपशिष्ट का दहन किया जा चुका है। अपशिष्ट दहन हेतु लगभग 400 से 500 प्रतिघंटे डीजल की खपत हो रही है। अपरान्ह 3:00 बजे तक लगभग 21000 लीटर डीजल की खपत हो चुकी है।

135 किलोग्राम प्रति घंटे की दर से अपशिष्ट की फीडिंग

चिमनी से उत्सर्जन निर्धारित मानक सीमा के भीतर पाया जा रहा

◆फ्लू गैसेस की सफाई हेतु लगभग 3.6 टन लाइम, 1.8 टन एक्टीवेटेड कार्बन तथा 24 किलोग्राम सल्फर का उपयोग

कई गैसें निकल रहीं पर वे निर्धारित मात्रा में ही

इन्सीनरेटर के संचालन से उत्पन्न होने वाली फ्लू गैस के शोधन के लिए स्थापित व्यवस्थाएं सभी प्रभावी ढंग से संचालित हो रही हैं तथा चिमनी से हो रहे उत्सर्जन की लगातार जांच के लिए ऑनलाइन कंटीन्यूअस इमीशन मॉनिटरिंग सिस्टम संचालित है, जिसके द्वारा कार्बन मोनो ऑक्साइड, कार्बन डाई ऑक्साइड, ऑक्सीजन, हाइड्रोजन फ्लोराइड, हाइड्रोजन क्लोराइड, पर्टिकुलेट मेटर, सल्फर डाई ऑक्साइड, नाइट्रोजन के ऑक्साइड, टोटल ऑर्गेनिक कार्बन की जांच की जा रही है तथा रिजल्ट मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सर्वर पर प्राप्त हो रहे हैं, जिनके रिजल्ट्स निर्धारित मात्रा पर पाए जा रहे हैं।

केंद्र व राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कर रहे निगरानी

यूका की फीडिंग 28 फरवरी को अपरान्ह 3:00 बजे से 135 किलोग्राम प्रति घंटे की दर से की जा रही है। डिस्पोजल केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों द्वारा मॉनिटरिंग एवं निगरानी में किया जा रहा है। क्षेत्रीय अधिकारी श्रीनिवास द्विवेदी ने 'हरिभूमि' को बताया कि अपशिष्ट के साथ लगभग 3240 किलोग्राम लाइम भी मिलाकर दहन किया जा चुका है। फ्लू गैसेस की सफाई को 3.6 टन लाइम, 1.8 टन एक्टीवेटेड कार्बन, 24 किलो सल्फर का उपयोग हो गया।

एक घंटे में 30 बैग इन्सीनरेटर में डाले जा रहे

अपशिष्ट के दहन के दौरान चिमनी से हो रहे इमीशन की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है, जिसके लिए ऑनलाइन कन्टीन्युअस इमीशन मॉनिटरिंग सिस्टम संचालित है। चिमनी से उत्सर्जन निर्धारित मानक सीमा के भीतर पाए जा रहे है। निर्धारित तापमान प्राप्त होने पर शुक्रवार 28 फरवरी तीन बजे से यूनियन काबाईड के अपशिष्ट को जलाना शुरू किया गया है। 135 किलोग्राम प्रति घंटे की दर से अपशिष्ट की फीडिंग की जा रही है, जिसमें 4.5 किलोग्राम अपशिष्ट में 4.5 किलोग्राम चूना मिलाकर यानी नौ किलोग्राम के बैग बनाए गए तथा एक घंटे में 30 बैग इन्सीनरेटर के प्राथमिक दहन कक्ष में डाले जा रहे हैं।

कांग्रेस सांसद सैलजा बोलीं- हरियाणा में शिक्षा का बेड़ागर्क करने पर तुली हुई है भाजपा सरकार

सत्ता के नशे में हरियाणा सरकार मस्त, हरियाणा के परीक्षार्थी त्रस्त

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा की भाजपा सरकार सत्ता के नशे में मस्त है जो शिक्षा बोर्ड की दसवीं और बारहवीं के परीक्षार्थियों के साथ-साथ हर परीक्षा का परीक्षार्थी त्रस्त है। एक के बाद परीक्षाओं के पेपर लीक होते जा रहे है। सरकार की अनदेखी से प्रतिभावान विद्यार्थियों के भविष्य चौपट होता जा रहा है। आखिर सरकार युवाओं को बर्बाद करने पर क्यों तुली हुई है। हरियाणा में शिक्षा का बेड़ा गर्क करने का काम किया जा रहा है।

कुमारी सैलजा ने शनिवार को मीडिया को जारी बयान में कहा कि जब से प्रदेश में भाजपा की सरकार आई है, उसके कार्यकाल में हर वर्ष कोई भी परीक्षा बिना धांधली के संपूर्ण नहीं हुआ, अधिकतर परीक्षाओं में पेपर लीक हुए। अब लोग एक ही बात कहने लगे है कि प्रदेश में भाजपा की सरकार नहीं है बल्कि पेपर लीक और घोटालों की सरकार चल रही है। इस सरकार के कार्यकाल में बोर्ड से लेकर भर्ती तक, ग्रुप-डी से लेकर एचसीएस तक के पेपर लीक हुए हैं। कुछ दिन पूर्व एमबीबीएस परीक्षा में धांधली हुई। अब बोर्ड परीक्षा का पेपर लीक होने से साफ हो गया है कि इस सरकार में पेपर लीक माफिया सरकार से भी ज्यादा पॉवरफुल हो गया है। ऐसा लग रहा है कि भाजपा सरकार को पेपर लीक माफिया ही चला रहा है। पंडित बीडी शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ़ हेल्थ साइंसेज में उजागर हुए एमबीबीएस पेपर घोटाले में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। जिन पेपरों में गड़बड़ थी, उन्हें गायब कर दिया गया। पेपर पास करवाने के लिए हर सब्जेक्ट के लिए छात्रों से 3-5 लाख रुपए लिए जा रहे थे।

अंकुश लगाने के लिए बनाएं ठोस कानून

कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार जनता को बताए कि पेपर लीक माफिया के खिलाफ अब तक क्या क्या कार्रवाई की गई है, अगर सरकार इस मामले को लेकर सख्त होती तो पेपर लीक न होते। सरकार को पेपर लीक पर अंकुश लगाने के लिए कठोर कानून बनाना चाहिए। साथ ही अब तक हुए पेपर लीक घोटालों की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। जब भी इसकी निष्पक्ष जांच की मांग उठती है सरकार हमेशा जांच से भागती दिखाई देती है। अगर निष्पक्ष जांच हुई तो कई बड़े मगरमच्छ शिकंजे में फंस सकते हैं साथ ही इस बात का भी खुलासा हो सकता है कि उन्हें किस किस का संरक्षण मिल रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने 'जन औषधि रथ' को दिखाई हरी झंडी

विभिन्न इलाकों में घूमेगा रथ, लोगों को देगा स्वास्थ्य की जानकारी

जन औषधि सप्ताह की शुरुआत के साथ ही बताया इसका उद्देश्य

किफायती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं लोगों तक आसानी से पहुंचेंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को 'जन औषधि रथ' को हरी झंडी दिखाकर 'जन औषधि सप्ताह' (1 मार्च से 7 मार्च) की शुरुआत की। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना का हिस्सा है। इसका उद्देश्य सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं लोगों तक पहुंचाना है।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल भी शामिल रहीं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने बताया कि 'जन औषधि रथ' दिल्ली-एनसीआर में विभिन्न इलाकों में घूमेगा और लोगों को जन औषधि केंद्रों के लाभों के बारे में जानकारी देगा। यह जन औषधि केंद्र कम कीमतों पर जेनरिक दवाएं उपलब्ध कराते हैं जिससे आम लोगों का इलाज किफायती हो सके

लोगों में जागरुकता बढ़ाई जाएगी: मंत्री अनुप्रिया

वहीं केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि जन औषधि सप्ताह के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि लोगों में इसकी जागरूकता बढ़े। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत दवाओं के दाम भी कम किए जा रहे हैं, जिससे लोगों का खर्च कम हो।

1 रुपए में सैनिटरी पैड उपलब्ध होंगे

अनुप्रिया पटेल ने कहा कि हम 1 से 7 मार्च तक 'जन औषधि-जन चेतना' सप्ताह मना रहे हैं। इस दौरान कई कार्यक्रम होंगे ताकि लोग जन औषधि केंद्रों और सस्ती दवाओं के बारे में जान सकें। हम दवाओं के लिए सस्ते विकल्प दे रहे हैं ताकि लोगों की दवा पर होने वाली खर्च को कम किया जा सके। अनुप्रिया पटेल ने यह भी बताया कि महिलाओं को सिर्फ 1 रुपए में सैनिटरी पैड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे महिलाओं में मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि अधिक से अधिक महिलाएं इस सुविधा का लाभ उठाएंगी।

पार्टी नेता राउत ने कहा

महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पद पर दावा ठोकेगी शिवसेना यूबीटी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति से जुड़े अहम घटनाक्रम में शिवसेना यूबीटी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद पर दावा ठोकने की तैयारी कर रही है। राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा है कि उनकी पार्टी 10 फीसदी सीटों के अभाव में भी नेता प्रतिपक्ष पद पर दावा करेगी। अतीत में भी विपक्षी दलों के नेताओं को नेता प्रतिपक्ष पद दिया जा चुका है। भले ही शिवसेना यूबीटी के विधायकों की संख्या काफी कम है, संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि सदन की कार्यवाही नेता प्रतिपक्ष के बिना नहीं चलाई जा सकती।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी राकेश कुमार जैन पुत्रः** बी.एल. जैन **पताः** मकान नं. 172/16 ओमकार नगर, त्रिनगर **दिल्ली, एवं** दुकान नंबर 07 खैबर पास मार्केट सिविल लाइन **दिल्ली, एवं** प्रॉपर्टी नंबर 11, खैबर पास मार्केट माल रोड **दिल्ली, एवं** बी–83 शालीमार बाग **दिल्ली, एवं** मकान नंबर 31 ब्लॉक बीएम पूर्व शालीमार बाग **दिल्ली, एवं** मकान नंबर 32 खैबर पास **दिल्ली, CC No. 143/2018, 1267/17, U/S: 138 NI Act, पुलिस थानाः भजनपुरा दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश कुमार जैन,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश कुमार जैन,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **राकेश कुमार जैन, CC No. 143/2018, 1267/17, U/S: 138 NI Act, पुलिस थानाः भजनपुरा दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.04.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
पंकज राय
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–01
कमरा नं. 73, पाँचवा तल उत्तर पूर्व जिला कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/2405/NE/2025
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राहुल उर्फ पीटर, पुत्रः** श्री बाला प्रसाद, **पता :** झुग्गी नं. टी–144, यू तथा वी ब्लॉक, शालीमार बाग, दिल्ली; दूसरा पता : झुग्गी नं. टी–184, डी ब्लॉक, शालीमार बाग, दिल्ली ने मुकदमा **FIR No. 08602/20 U/s 379/411 IPC, थानाः रोहिणी उत्तर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल उर्फ पीटर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल उर्फ पीटर** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 08602/20 U/s 379/411 IPC, थानाः रोहिणी उत्तर, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.04.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
ईब्बानी अग्रवाल
न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी–03
कमरा नं. 107, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/2242/RD/2025
(Court Matter)

वैष्णव ने अहमदाबाद में हाई-स्पीड रेल परियोजना का किया निरीक्षण

बुलेट ट्रेन का निरीक्षण कर प्रगति की सराहना की

- *श्रमिकों के बीच पहुंचे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, सेल्फी भी ली*
- *350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार, 360 किलोमीटर का काम करीब पूरा, 1100 टन से अधिक वजनी पुल, 508 किलोमीटर परियोजना की कुल दूरी*

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को अहमदाबाद में राष्ट्रीय हाई-स्पीड रेल परियोजना का निरीक्षण किया। रेल मंत्री ने एनएच 48 पर स्टील ब्रिज की स्थापना स्थल का भी दौरा किया, जो परियोजना का एक प्रमुख अवयव है।

इसके साथ ही अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पुनर्विकास परियोजना का निरीक्षण किया और कहा कि महाराष्ट्र खंड ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने कार्य की प्रगति की सराहना भी की।

इन स्टेशनों के बीच दौड़ेगी बुलेट ट्रेन

इसे मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के नाम से जाना जाता है. जिसकी दूरी 508 किलोमीटर है। इस परियोजना में गुजरात (352 किमी) और महाराष्ट्र (156 किमी) शामिल हैं, जिसमें मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद/नडियाद, अहमदाबाद और साबरमती में कुल 12 स्टेशनों की योजना बनाई गई है।

350 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी बुलेट ट्रेन

वैष्णव ने कहा कि 360 किलोमीटर का काम करीब पूरा हो चुका है। जब 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेन चलेगी, तो उसके चारों ओर प्रेशर का वातावरण तैयार होगा। स्टेशन पर जो दो लाइन बनेगी, तो ट्रेन की स्पीड को ध्यान में रखकर स्टेशन के रूफ को विशेष तरीके से डिजाइन किए जा रहे हैं। हर चीज का विशेष ध्यान रखा जा है। स्टेशन, ट्रैक, टनल में अच्छे और तेजी से काम चल रहे हैं। वैष्णव ने बताया कि बुलेट ट्रेन परियोजनाओं में कई जगहों पर किसी न किसी तरह का अनूठा निर्माण हो रहा है। यह पुल 1100 टन से अधिक वजन का है। इसके कई विशेष अवयव भारत में निर्मित हैं। यहां काम करने वाली टीम पुल निर्माण की विशेषज्ञ है। यह वही टीम है जिसने अंजी और चिनाब पुलों पर काम किया है।

मार्केट क्रैश

शंभू भद्र

अक्टूबर 2024 से अब तक निफ्टी हर महीने गिरावट में बंद हुआ और 5 महीने में यह 12 प्रतिशत गिर चुका

बाजार गिरे तब क्या करना चाहिए?

शेयर बाजार में आज गिरावट दर्ज की गई है। लगातार बाजार को गिरता देख निवेशक परेशान हो रहे है ऐसे में आपको बताते है बाजार की गिरावट के टाइम आपको क्या करना चाहिए। शेयर बेच देना चाहिए या एसआईपी बंद कर देना चाहिए या बाजार में टिके रहना चाहिए?

बाजार जब गिरता है तो निवेशकों को कुछ समझ नहीं आता है कि शेयर बेच दे, एसआईपी बंद करें या बाजार में टिके रहें। अक्टूबर 2024 से निफ्टी हर महीने गिरावट में बंद हुआ है और ये 5 महीने में 12 प्रतिशत गिर चुका है। 1996 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि बाजार में लगातार पांच महीने गिरावट आई है। इससे पहले साल 1996 में जुलाई से लेकर नवंबर महीने के बीच बाजार में लगातार 5 महीने गिरावट देखी गई थी। इन 5 महीनों के दौरान निफ्टी 50 इंडेक्स 26 प्रतिशत गिरा था। अमेरिका से लेकर यूरोप तक में की गई एकेडमिक स्टडीज से पता चलता है कि जब भी लोग बाजार में निवेश को लेकर घबराएं या चिंतित रहते हैं तब-तब बाजार ने एवरेज से ज्यादा रिटर्न दिया है। इसका मतलब है जब भी आप सोचते हैं कि शेयर बेच देना चाहिए, एसआईपी बंद कर देना चाहिए और बाजार से निकल जाना चाहिए उस समय ही बाजार में निवेश का सबसे बेहतर समय होता है। साल 2008 में 21 जनवरी को सेंसेक्स एक ही दिन में करीब 1400 अंक गिर गया था। वहीं 2008 के अंत तक सेंसेक्स 20,465 अंक से गिरकर 9716 अंक पर आ गया। वर्ष 2010 सितंबर में सेंसेक्स फिर से 20,000 अंक को पार कर गया। इसके बाद 2020 में कोरोना महामारी के कारण एक हफ्ते में सेंसेक्स 42,273 अंक से गिरकर 28,288 अंक पर आ गया था। 2020 अप्रैल से इसमें रिकवरी देखने को मिली और सेंसेक्स वर्ष के अंत तक 47,751 के स्तर पर पहुंच गया। मतलब, जब-जब बाजार में गिरावट आई है इसमें तेजी से रिकवरी भी दिखी गई है। ऐसे में जो निवेशक पहले से इन्वेस्टेड है उन्हें अपने निवेश में वैसे ही बना रहना चाहिए, और जो लोग नया निवेश करना चाहते हैं वह थोड़ा-थोड़ा करके निवेश कर सकते हैं।

शेयर बाजार लगातार क्यों गिर रहे?

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर 2024 से फरवरी 2025 तक पांच महीनों में भारतीय बाजार से 3.11 लाख करोड़ रुपए निकाल लिए हैं। इसके अलावा निवेशकों को चीनी कंपनियों के शेयर भारतीय कंपनियों के शेयरों की तुलना में ज्यादा सस्ते दिख रहे हैं। खाने-पीने की चीजें महंगी होने के कारण अक्टूबर 2024 में रिटेल महंगाई बढ़कर 6.21% पर पहुंच गई थी, जो महंगाई का 14 महीनों का उच्चतम स्तर था। खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से जनवरी 2025 में रिटेल महंगाई घटकर 5 महीने के निचले स्तर 4.31% पर आ गई थी। लेकिन ये कमी निवेशकों का विश्वास बहाल करने के लिए काफी नहीं है। हाल के महीनों में देखा गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था धीमी हो गई है। डोनाल्ड ट्रम्प की ट्रेड पॉलिसीज से निवेशक काफी चिंतित है। भारत सहित कई अन्य देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकी से बाजार में अनिश्चितता दिखाई दे रही है। ट्रम्प ने बीते दिनों कहा था, चाहे वो कोई भी देश हो- भारत या चीन, वे हम पर जितना चार्ज करते हैं, हम भी उतना ही रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएंगे, हम व्यापार में बराबरी चाहते हैं।

चीन की ओर रुझान

विदेश संस्थागत निवेशकों का निवेश चीन भी जा रहा है। चीन की सरकार ने पिछले साल देश की अर्थव्यवस्था का कायाकल्प करने के लिए बड़े निवेश का एलान किया था। इस निवेश के बाद एफआईआई चीन के बाजार में जाने लगे थे। यह दौर अभी भी जारी है। ट्रंप की जीत के बाद अमेरिकी बाजार दुनियाभर से निवेश आकर्षित कर रहा है। दूसरी तरफ संस्थागत निवेश के लिए चीन का बाजार एक मजबूत विकल्प के तौर पर उभरा है। चीन की सरकार के नए प्रयासों ने एक सकारात्मक भावना पैदा की है। चीन ने ब्याज दरों में कटौती की, मार्केट में पैसा डाला और अर्थव्यवस्था को स्थिर किया। इससे निवेशकों को कॉन्फिडेंस मिला है।

उथल-पुथल में अर्थव्यवस्था का हाल

भारत पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था का तमगा लगा रहेगा? गांवों की मांग और सरकार का जोर इसे बचा सकता है। तमाम बुरी खबरों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था में हम कुछ अच्छे संकेत देख सकते हैं। वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 6.2 फीसदी रही, जो जुलाई-सितंबर तिमाही में 5.4% थी। अच्छे मानसून का इसमें बड़ा योगदान है, ग्रामीण इलाकों में लोगों के पास खर्च करने को पैसा आया है। सरकार ने भी खर्च में तेजी लाई है। पिछली तिमाही में हालात ठीक नहीं थे। शहरी मांग कमजोर थी। अप्रत्याशित रूप से शहरी इलाकों में लोगों के खर्च में कमी आई। पिछले साल चुनाव की वजह से सरकारी खर्च भी रुका था। एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में मंदी के बादल मंडराते हुए दिख रहे थे।

टैरिफ का मामला उलझा

5.4% ग्रोथ रेट सात तिमाहियों में सबसे कम था। वैश्विक स्तर पर परेशानियाँ कम नहीं हैं। अमेरिका के साथ टैरिफ का मसला उलझा हुआ है। ट्रंप प्रशासन टैरिफ की बात कर रहा है। इससे वैश्विक अनिश्चितता बढ़ी है। विनिर्माण और सर्विस सेक्टर पर असर पड़ा है। आने वाले दिनों में व्यापार, होटल और परिवहन में भी सुस्ती रह सकती है। रियल एस्टेट और फाइनेंशियल सर्विसेज भी कमजोर हैं। अब अच्छी बातों पर एक नजर डालते हैं तो कृषि क्षेत्र ने अच्छा प्रदर्शन किया। फसल अच्छी हुई। पिछले तीन महीनों में 4.4% की वृद्धि थी। केंद्र और राज्य सरकारें पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) बढ़ा रही हैं। सड़कें, पुल और प्रोजेक्ट्स पर पैसा लग रहा है। इनसे अर्थव्यवस्था को सहारा मिल सकता है। रिजर्व बैंक ने हाथ खोले हैं। नीतिगत दरें घटाईं, तरलता (लिक्विडिटी) बढ़ाई। सख्त नियमों को टाला, पर 2025-26 में भी जीडीपी दर 7% से नीचे रहने का अनुमान है। अमेरिकी टैरिफ का असर छोटा होगा, पर कुछ सेक्टर्स को नुकसान होगा। विनिर्माण और सर्विसेज पर दबाव है। बजट में टैक्स राहत दी गई। इससे उपभोक्ताओं को फायदा होगा, पर वैश्विक चुनौतियाँ खत्म नहीं हुईं। तो क्या भारत पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था का तमगा लगा रहेगा? फिलहाल उम्मीदें कायम हैं।

ये तबाही कब तक जारी रहेगी?

मार्च में कुछ रिकवरी देखने को मिल सकती है। मैक्रोइकॉनमिक स्तर पर बेहतर खबरें आ सकती हैं और कुछ एफआईआईज भी भारतीय बाजार में लौट सकते हैं। अभी विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा भारी बिकवाली, अमेरिकी बांड पर बढ़ती आय, रुपये में भारी गिरावट, तीसरी तिमाही के आय में सुस्ती और हाई वैल्यूवेशन ने हाल के महीनों में बाजार की धारणा को प्रभावित किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लिए गए टैरिफ को लेकर फैसले ने बाजार की दिशा-दशा बदली है। ऐतिहासिक रूप से मार्च का महीना तेजड़ियों के पक्ष में रहा है, यानी मार्च में शेयर बाजार अक्सर तेजी में रहा है। पिछले 15 सालों में बेंचमार्क इंडेक्स ने 10 बार पॉजिटिव रिटर्न दिया है और निवेशकों की कमाई कराई है। 30 साल पहले ही मार्च के दौरान तेजी रही थी। लंबी अवधि के नजरिए के हिसाब से अच्छे शेयरों को खरीद सकते हैं। वित्त वर्ष 26 में भारतीय इक्विटी बाजारों के लिए जोखिम और चुनौतियों को देखें तो भारत की विकास संभावनाएं आशाजनक हैं, पर जोखिम भी हैं। निकट भविष्य में बाजार में और कमजोरी नजर आ रही है। निफ्टी शॉर्ट टर्म में और गिरावट की उम्मीद की जा सकती है।

डावांडोल बाजार में क्या अपनाएं रणनीति

यह पूरा हफ्ता निवेशकों के लिए खराब गुजरा है। इसलिए जब गिरावट का दौर हो तो शेयर में निवेश के प्रति सतर्क रहना जरूरी है। एक शेयर ब्रोकर ट्रेडेड मूल्य पर धन कमाता है। इसलिए ज्यादातर ब्रोकरेज हाउस मुफ्त में सलाह दिया करते हैं। ध्यान रहे जब भी नुकसान होगा, आपका ही होगा। इस हफ्ते आपके निवेश की स्ट्रैटेजी क्या होनी चाहिए? अगर आप अपने धन से हाथ नहीं धोना चाहते तो कुछ बुनियादी नियमों का ध्यान रखें।

निवेश के लिए अपनाएं ऐसी स्ट्रैटेजी

ट्रेडर व निवेशक दोनों को अलग-अलग स्ट्रैटेजी अपनानी चाहिए। ट्रेडर है तो स्टॉपलॉस के साथ ट्रेड ले सकते हैं। गिरावट के माहौल का फायदा उठा सकते हैं। हालांकि ट्रेडरों को कम क्वांटिटी के साथ ट्रेड करना चाहिए। इस वक्त ट्रेडरों के लिए भी काफी मुश्किल भरा मार्केट है। निवेशक के लिए अच्छा है कि वह सीधे निवेश से बचें। एसआईपी जारी रखें। कम अग्रेसिव निवेशक थोड़ा इंतजार करें। बाजार में रिवर्सल के संकेतों का वेट करें। इस वक्त ट्रेडर व निवेशक दोनों संभल कर अपनी स्ट्रैटेजी बनाएं। वारेन बफे के मुताबिक गिरते बाजार में निवेश करने का जोखिम उठाना चाहिए।

टिप्स का अध्ययन करें

लिटमस टेस्ट करें। आपके निवेश करने के पहले, किसी भी विश्लेषक की टिप्स का कुछ समय तक परीक्षण करें। उसके बाद ही फैसला करें। कई ब्रोकरेज हाउस अपनी बड़ी रिसर्च टीम का दावा करते हैं। उनकी रोजाना रिपोर्ट आती हैं। इनमें से कितनी सही रहती होंगी।

पहले रिसर्च करें, बाद में नहीं

निवेश के पहले शेयर के बारे में ठीक से रिसर्च करें। उस पर ब्रोकर से विस्तार से रिपोर्ट मांगें। लंबी अवधि की संभावनाएं अच्छी हों तभी निवेश करें। ट्रिगर प्राइस और टार्गेट प्राइस वाली टिप्स पर समय बर्बाद नहीं करें।

जो तेज चढ़ता है, तेज गिरता है

जब भी ऊंचाई पर कोई आंकड़ा देखा जाता है, उसमें प्रगति की बड़ी संभावना दिखाई देती है। लेकिन जब कोई शेयर काफी बढ़ चुका हो या किसी सेक्टर में काफी तेजी आ चुकी हो, सतर्क रहना चाहिए। ज्यादा पीई अनुपात का मतलब है कि भविष्य में प्रगति दर घटने वाली है।

समय नहीं है तो सिप से लगाएं धन

अगर आपके पास अपने पोर्टफोलियो में नए शेयर चुनने का समय नहीं है तो शेयर बाजार में सीधे धन नहीं लगाएं। सिस्टैमेटिक इनवेस्टमेंट प्लान (सिप) में निवेश से भी काफी मूल्य निर्मित किया जा सकता है।

अस्थिरता होने पर नहीं करें ये गलतियां

घबराकर बिकवाली ना करें

बाजार में अस्थिरता होने पर घबराहट में बिकवाली करने से बचें। यह सबसे पहला नियम है। कयासबाजी पर तुरंत प्रतिक्रिया करना हानिकारक साबित हो सकता है। आपको हमेशा यह बात देखनी चाहिए कि किसी शेयर की पिटाई क्यों हुई है? इसे देखते हुए ही किसी शेयर को बेचने का फैसला करना चाहिए। अगर आप गिरावट की वजहों से संतुष्ट नहीं हैं तो इस बात पर विचार करें कि क्यों आपने उस शेयर को खरीदा था। इससे आपको सही समीक्षा करने में मदद मिलेगी।

सिप को नहीं रोकें

आपका कुछ भी फैसला हो, लेकिन, म्यूचुअल फंड में सिप को रोकने की गलती कतई न करें। इससे सिप को लेने का मकसद विफल हो जाता है। बाजार में मंदी का दौर ही वह समय होता है जब आपको इनके साथ जरूर बने रहना चाहिए। इससे आपको अपने लंबी अवधि के लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलती है। सिप को रोककर आप इक्विटी में चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ खो देंगे। गिरावट के समय आपको कम कीमत पर ज्यादा यूनिटें खरीदने का मौका मिलेगा। बाजार के वापसी करने पर आप इसका फायदा उठा सकेंगे। लंबी अवधि में इक्विटी से सबसे अच्छा रिटर्न मिलता है। इसलिए इनके साथ बने रहने में समझदारी है।

सिर्फ गिरावट के समय नहीं खरीदें

केवल पिटे हुए स्टॉकों में पैसा लगाने में आप गलती भी कर सकते हैं। इस बात का अंदाजा लगा पाना बेहद मुश्किल है कि किसी कंपनी का निचला स्तर क्या होगा। इससे आप सही मूल्य को आंकने के चक्कर में बुरी तरह से फंस सकते हैं। नए निवेशकों को फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों से दूर रहना चाहिए। किसी कंपनी में निवेश करने से पहले उसके बुनियादी पहलुओं को देखना चाहिए। इस बात की भी जानकारी करनी चाहिए कि कंपनी का ट्रैक रिकॉर्ड कैसा रहा है। उसके रेवेन्यू, प्रॉफिट, प्राइस-टू-अर्निंग रेशियो और डेट-टू-इक्विटी रेशियो के बारे में जानकारी कर लेनी चाहिए। अगर आप खुद यह काम नहीं कर सकते हैं तो किसी प्रोफेशनल की सलाह लेनी चाहिए।

एक सेक्टर में लिवाली न करें

हमेशा डायवर्सिफिकेशन के बारे में सोचना चाहिए। कहते हैं कि एक टोकरी में सभी अंडों को रखना बड़े नुकसान को दावत दे सकता है। इसलिए गिरावट के समय अच्छे शेयरों में निवेश के मौके तलाशने चाहिए। केवल एक सेक्टर के शेयरों में ही दांव लगाने से बचना चाहिए।

कर्ज लेकर शेयरों में न लगाएं

कई लोग ज्यादा रिटर्न के लिए कर्ज लेकर शेयरों में लगा देते हैं इस तरह के निवेश के तरीके को मार्जिन इंवेस्टिंग कहा जाता है। बेशक इस तरह से अच्छा रिटर्न कमाया जा सकता है। लेकिन, इसमें नुकसान भी बहुत ज्यादा होता है। इस तरह के निवेश के तरीके से हमेशा ही बचना चाहिए। बाजार में अस्थिरता के वक्त तो और भी चौकन्ना हो जाना चाहिए।

इक्विटी एनालिसिस सीखना आसान

ऐसे कर सकते हैं शुरूआत

जब आप इक्विटी में निवेश करने जाते हैं तो सबसे मुश्किल काम एनालिसिस समझा जाता है। एक छात्र कॉलेज में स्टॉक मार्केट गेम्स खेला करता था। उन्हें इस गेम में मजा आया, लेकिन वह यह भी जानता था कि यह पैसा बनाने का भरोसेमंद तरीका नहीं है। उसके बाद वे इक्विटी एनालिसिस कॉम्पिटिशन में शामिल हुआ और उन्हें पता चला कि उस फोरम में जिन केस पर चर्चा हुई, वे बेहद पेचीदा थे। क्या किसी नए शख्स के लिए इक्विटी एनालिसिस शुरू करने का कोई आसान तरीका हो सकता है? अगर किसी ने फाइनेंस की पढ़ाई नहीं की है तो वह इक्विटी एनालिसिस सीखने की शुरुआत कैसे करे? आइए जानते हैं। इक्विटी एनालिसिस में कई फैक्टर्स शामिल होते हैं। इसमें आपको सूचनाओं का गंभीरता से विश्लेषण करना पड़ता है। हालांकि, बुनियादी कॉन्सेप्ट्स सिंपल और सीधे हैं। आपको यह देखना होता है कि कंपनी में ऐसी क्वॉलिटी है, जिससे उसका मुनाफा लंबे समय तक बढ़ता रहे? यह सबसे बड़ा सवाल होता है। अगर जो भी एनालिसिस करें, उससे यह पता चलना चाहिए। यह नए बिजनेस के लिए मार्केट ऑपर्च्युनिटी हो सकती है या प्रमोटर्स की समझदारी या प्रॉडक्ट्स तैयार करने का इनोवेटिव तरीका, जिससे कम समय में कंपनी बाजार के बड़े हिस्से पर कब्जा कर ले। इन सभी कामकाज का असर आखिरकार कंपनी के मुनाफे पर पड़ता है।

मार्केट मंत्र | बिजनेस डेस्क

ऐसे समझें

एक ऐसे बिजनेस की कल्पना करिए, जिसकी शुरुआत प्रमोटर्स ने अपने जेब से लगाए पैसे से की हो। इनवेस्टर्स को रिटर्न देने के लिए बिजनेस को एसेट्स की जरूरत पड़ेगी, जिससे वह कोई प्रॉडक्ट बना सके या सर्विस ऑफर कर सके। यह पैसा इस काम के लिए लगाया जाता है और इससे फिर आमदनी होने लगती है। एनालिसिस की शुरुआत इससे की जा सकती है कि कंपनी सेल्स से जो कमाई कर रही है, उससे मुनाफा होगा। टैक्स के बाद जो मार्जिन बचता है, वह इनवेस्टरों के लिए होता है। इसलिए सबसे पहले आपको इस आंकड़े पर नजर डालनी चाहिए। उसके बाद यह सवाल करना चाहिए कि सेल्स में कैसे बढ़ोतरी होगी? क्या कंपनी ट्रेडिंग बिजनेस से जुड़ी हुई है? क्या वह पैसों का इस्तेमाल सामान खरीदने के लिए करती है। इस स्टॉक के क्लीयर होने पर उसे मुनाफा होने लगेगा। कुछ कैपिटल बिजनेस की एसेट्स में ब्लॉक हो सकता है। हालांकि, एसेट्स से जितनी सेल्स हासिल होगी, इनवेस्टर्स का रिटर्न उतना ही अच्छा होगा।

ऐसे करें आकलन

मान लीजिए कि किसी बिजनेस की शुरुआत 100 रुपये से होती है। इस पैसे को फिक्स्ड एसेट्स, स्टॉक और मैटीरियल्स में लगाया जाता है। इससे फिर सामान तैयार किया जाता है। साल के अंत में 150 रुपये की बिक्री हासिल होती है, जिसकी लागत 125 रुपये रहती है। इसमें टैक्स के बाद 25 रुपये का मुनाफा होता है। ऐसे में इनवेस्टर्स का रिटर्न 25 पर्सेंट होगा। अब मान लीजिए कि उस कैपिटल से कंपनी को 300 रुपये की सालाना सेल्स हासिल होती है क्योंकि वह साल में दो बार उतना सामान तैयार करके बेचती है। तब इनवेस्टरों का रिटर्न दोगुना हो जाएगा। एक बिजनेस जो कैपिटल की मदद से अधिक सेल्स हासिल करता है और वह एसेट्स में पहले जितना ही इनवेस्टमेंट करता है तो शेयरहोल्डर्स को अधिक रिटर्न मिलता है। एसेट्स टु सेल्स टर्नओवर से इनवेस्टर्स का रिटर्न बढ़ता है। सेल्स-एसेट्स ऐसा डेटा है, जिससे इनवेस्टर को बिजनेस की एसेट प्रॉडक्टिविटी का पता चलता है।

कर्ज की समझ जरूरी

तीसरी चीज कर्ज है। अगर कोई बिजनेस कैपिटल पर 25 फीसदी का रिटर्न हासिल करता है, तो प्रमोटर्स 10 फीसदी पर कर्ज लेकर उसमें इनवेस्ट करना पसंद करेंगे। मान लीजिए कि बिजनेस में 50 फीसदी इक्विटी और 50 फीसदी बॉरोइंग है। तब क्या होगा? उस वक्त ब्याज चुकाने के बाद मुनाफा 25 रुपये से घटकर 20 रुपये रह जाएगा। हालांकि, 50 रुपये के इक्विटी पर 20 रुपये के रिटर्न 40 फीसदी होगा। यह पहले के 25 फीसदी रिटर्न से अच्छा है। इसलिए एसेट टु नेटवर्थ डाटा को भी देखना चाहिए। रिटर्न ऑन इक्विटी प्रॉफिट मार्जिन, सेल्स एसेट्स और एसेट्स नेटवर्थ से डिसाइड होता है।

इक्विटी के दम से पूरे करें सपने

किसी भी लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट में रिस्क रिवॉर्ड रेशियो का ज्यादा झुकाव इक्विटी इनवेस्टमेंट की तरफ होता है। रिस्क फ्री फिक्स्ड इनकम इनवेस्टमेंट की श्रेष्ठता तब धरी-की-धरी रह जाती है, जब हमें समझ आता है कि जोखिम से आजादी दिखने वाली चीज असल में कुछ हाथ नहीं आने की आजादी है। ये बात हमें तब समझ आती है जब हम रियल, इन्फ्लेशन एडजस्टेड, टैक्स बाद रिटर्न पर गौर करते हैं। हम जैसे ही इक्विटी निवेश की अपरिहार्यता को स्वीकार कर लेते हैं, हमारे सामने तुरंत यह सवाल आता है कि यह मुश्किल काम किया कैसे जाए?

निवेश के दो तरीके

जिन लोगों ने पहले कभी शेयरों में निवेश नहीं किया है उनके लिए यह तय करना मुश्किल है कि शुरुआत कहां से की जाए। वैसे इक्विटी निवेश के दो तरीके होते हैं। एक तरीका यह है कि आप शेयरों का चुनाव और खरीद-फरोख्त खुद करें। दूसरा, इक्विटी फंड्स के जरिए निवेश करें। दोनों का अंतिम मकसद एक ही होता है- इक्विटी से सुपीरियर रिटर्न हासिल करना। हालांकि, दोनों एक्टिविटीज एक दूसरे से एकदम अलग हैं। अगर आप एक्सपर्ट नहीं हैं या इसके लिए ज्यादा वक्त देने को तैयार नहीं हैं तो खुद निवेश करने के बारे में सोचने का कोई फायदा नहीं। ऐसे में म्यूचुअल फंड्स बेहतर विकल्प होंगे। ऐसे कई लोग हैं, जो अपना पोर्टफोलियो खुद मैनेज कर रहे हैं और बेहतर रिटर्न पा रहे हैं। हालांकि, 100 में से 5 या 10 को कामयाबी मिल पाती है। इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश से इन दिक्कतों से छुटकारा पाया जा सकता है। इक्विटी निवेश का मूल मंत्र यह है कि आपकी नजर में कामयाब स्टॉक इनवेस्टिंग क्या है और इंफॉर्मेशन, एनालिसिस के आधार पर बनी निवेश योजना को अंजाम देने की क्षमता कितनी है। लेकिन म्यूचुअल फंड्स के जरिए इक्विटी निवेश के बहुत ज्यादा फायदे हैं। सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसमें अनुशासित डायवर्सिफिकेशन होता है। फंड मैनेजर्स संस्थागत दायरे में काम करते हैं जिसमें उन पर निवेश के कुछ नियम लागू होते हैं। इसमें पोर्टफोलियो डायवर्सिफाइड रहेगा और इंडिविजुअल शेयर, सेक्टर या स्टॉक टाइप को लगने वाले झटके से सुरक्षित रहेगा। दूसरा फायदा यह होता है कि इसमें छोटी रकम से निवेश शुरू किया जा सकता है। म्यूचुअल फंड्स में आप कुछेक हजार रुपये से शुरुआत कर सकते हैं। यह आसान भी होता है। इक्विटी फंड्स का एक और फायदा ये होता है कि लॉन्ग टर्म में इनसे ज्यादा रिटर्न मिलता है। शेयरों के अट्रैक्शन के हिसाब से सभी इक्विटी पोर्टफोलियो में उनकी कुछ खरीदफरोख्त होती है।

ये पांच खूबियां, तभी निवेश में कामयाबी

बिजनेस डेस्क

लोकप्रिय मान्यता के विपरीत, पैसे कमाने के लिए प्रतिभा और कौशल की उतनी जरूरत नहीं होती है जितना उस दिशा में आगे बढ़ने के लिए सही दृष्टिकोण का होना जरूरी होता है। आप शानदार रणनीतियां बनाते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं करते हैं तो आप ज्यादा कुछ नहीं कर पाएंगे। सफल निवेशक, अपने निवेश के मार्ग पर दृढ़ता और धैर्य के साथ आगे बढ़ते रहते हैं और लक्ष्य तक पहुंच कर ही मानते हैं। अगर आप भी निवेशक के तौर पर कामयाबी हासिल करना चाहते हैं तो आपे में पांच खूबियां जरूर होनी चाहिए।

पहले बचत, बाद में खर्च

सफल निवेशक महीने की शुरुआत बचत से करते हैं और खर्च बाद में करते हैं। पहले बचत करने से खर्च पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है। पैसे बनाने के लिए आपका भी पहला कदम यही होना चाहिए। आप ऑटोमैटिक तरीके से महीने की शुरुआत में ही अपनी बचत को लॉक कर सकते हैं। आप बैंक को आपके रेकरिंग डिपॉजिट अकाउंट या म्यूच्यूअल फंड एसआईपी के लिए हर महीने की शुरुआत में ही कुछ रकम काट लेने का स्थायी निर्देश दे सकते हैं।

उद्देश्य के अनुसार निवेश

व्यावहारिक लक्ष्य निर्धारित करना और उसी के हिसाब से निवेश करना एक और ऐसी ही खूबी है जो काफी फायदेमंद साबित होती है। इस बात पर ध्यान देते हुए कि संसाधन सीमित हैं, आपको अपने लक्ष्यों की प्राथमिकता के आधार पर रैंकिंग करनी चाहिए और अपने निवेश लक्ष्य के अनुसार निवेश साधनों का चयन करना चाहिए। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, शादी-ब्याह और रिटायरमेंट की प्लानिंग जैसे लक्ष्य दीर्घकालिक होते हैं और इसके लिए आपको म्यूच्यूअल फंड्स और पीपीएफ जैसे साधनों में निवेश करना चाहिए। दूसरी तरफ, कार खरीदना या छुट्टी में घूमने जाना जैसे लक्ष्यों को पूरा करने के लिए लिक्विड फंड्स, रेकरिंग डिपॉजिट जैसे अल्पकालिक निवेश साधनों में निवेश किया जा सकता है।

जोखिम उठाने की क्षमता

सफल निवेशक जोखिम उठाने से घबराते नहीं हैं। अच्छा रिटर्न पाने के लिए आपको जोखिमवाले निवेश साधनों में निवेश करना चाहिए। अपना सारा पैसा किसी पारंपरिक संपत्ति में लगाकर आप ज्यादा मुनाफा नहीं कमा पाएंगे। यहां तक कि अधिकांश पारंपरिक संपत्तियों में भी थोड़ा-बहुत जोखिम तो होता ही है। ब्याज दरें समय-समय पर घटती-बढ़ती रहती हैं। उठाए जानेवाले जोखिम को किसी अच्छे रिस्क मैनेजमेंट प्लान की मदद से सुरक्षित किया जा सकता है।

निवेश में लाएं विविधता

अनुभवी निवेशक किसी एक एसेट पर ध्यान देने के बजाय अलग-अलग ऐसेट्स में निवेश करते हैं। उनका कहना है कि अपने सारे अंडे एक ही टोकरी में न रखें। अलग-अलग निवेश साधनों में अलग-अलग रिटर्न मिलने की संभावना रहती है और जोखिम भी अलग-अलग होता है। इक्विटी में बहुत अच्छा रिटर्न मिलता है लेकिन यह बहुत परिवर्तनशील होता है। ऋण निवेश साधनों (डेट इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट्स) में थोड़ा कम जोखिम होता है और कम रिटर्न मिलता है। दूसरी तरफ, रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश में कम जोखिम होता है और अच्छा रिटर्न भी मिलता है लेकिन इसमें लिक्विडिटी का अभाव होता है। इसलिए, पोर्टफोलियो बनाते समय किसी एक ऐसेट पर ध्यान देने के बजाय अलग-अलग ऐसेट्स में निवेश करना बेहतर होता है। इस तरह जोखिम भी कम हो जाएगा और रिटर्न से समझौता भी करना नहीं पड़ेगा।

पैसे निकालने की आदत छोड़ दें

अंतिम लेकिन बिल्कुल महत्वपूर्ण बात यह है कि आपको अपने निवेश के मामले में धैर्य रखना पड़ेगा। सफल निवेशक किसी के कहने पर या इधर-उधर की बातों या विज्ञापनों पर आंख मूंदकर भरोसा करके पैसे निकालने की गलती नहीं करते हैं। मच्योरिटी से पहले निवेश की रकम निकाल लेने से लक्ष्य आधारित निवेश का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता है। अपने निवेश पर अटल रहने के लिए निवेश के उद्देश्य को याद रखना जरूरी है। दीर्घकालिक निवेशों को अबाधित छोड़ देने पर अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। इसलिए समय से पहले अपने निवेश को भंजाने की गलती न करें।

सचेत रहते हुए रणनीति बनाएं, तभी गिरते बाजार में कमा पाएंगे निवेशक

अलर्ट | बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार में लगातार गिरावट को दौर जारी है। ऐसे में निवेशकों को भी अलर्ट रहना होगा। भारतीय शेयर बाजार जबरदस्त हलचल से भरा हुआ है। निफ्टी 50 लगातार गिरावट के दौर से गुजर रहा है और अगर आगे भी यह ट्रेंड जारी रहा, तो यह 28 साल में अपनी सबसे लंबी गिरावट दर्ज करेगा। इससे पहले 1996 में ऐसी गिरावट देखने को मिली थी। निफ्टी लगातार पांच महीने तक गिरा है। लगातार गिरावट के इस माहौल में निवेशकों के मन में बड़ा सवाल है अब आगे की रणनीति क्या बनाई जाए, ताकि कुछ वसूली हो सके और निवेशक घाटे से उबर सकें। ऐसे में क्या करें, बाजार से बाहर निकलें? धैर्य बनाए रखें? (लेकिन कब तक?) या नए अवसरों की तलाश करें? इस रिपोर्ट में आपको ऐसे ही कुछ सवालों के जवाब मिलेंगे जो आपको बाजार की सही दिशा के बारे में जागरूक कर सकते हैं।

इस समय एक गिरावट तोड़ सकती है निफ्टी का 28 सालों का रिकार्ड

बाजार के आंकड़े किधर जा रहे

एक्सपर्ट्स की राय जानने से पहले बाजार की स्थिति पर एक नजर डालते हैं। निफ्टी पिछले साल सितंबर से गिर रहा है और इसमें लोअर टॉप-लोअर बॉटम पैटर्न बन रहा है। अक्टूबर 2024 से अब तक यह 11.7% गिर चुका है। फरवरी के पहले कुछ हफ्तों में ही इसमें 3% की गिरावट दर्ज हो चुकी है। सन 1990 के बाद से सिर्फ दो बार ऐसा हुआ है जब निफ्टी लगातार पांच महीने तक गिरा हो। पहली बार 1994-95 में जब यह 31.4% टूटा था और दूसरी बार 1996 में जब यह 26% गिरा था। मौजूदा गिरावट तुलनात्मक रूप से कम है, लेकिन चिंताजनक बनी हुई है। विदेशी निवेशकों की बिकवाली एक बड़ी वजह बन रहा है। अक्टूबर 2024 से एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशक) 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की बिकवाली कर चुके हैं। वैश्विक कारणों को हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। चीन के बाजारों में जबरदस्त रिकवरी आई है, जिससे विदेशी निवेशक वहां शिफ्ट हो रहे हैं। इसके अलावा, अमेरिकी नीतियां भी उभरते बाजारों पर असर डाल रही हैं।

निवेशक क्या करें

एक्सपर्ट्स का मानना है कि मौजूदा गिरावट में सावधान रहने की जरुरत है मगर घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि यह एक रणनीतिक निवेश का अवसर भी हो सकता है। अब सवाल उठता है कि इस रणनीतिक निवेश की दिशा क्या होगी? हम ब्रोकरेज हाउस और एक्सपर्ट्स की राय के आधार पर इन्हें बिंदुवार रखते हैं।

निवेशकों के लिए धैर्य जरूरी

अगर आप लंबी अवधि के निवेशक हैं, तो आपको घबराने की जरूरत नहीं है। स्टॉक मार्केट में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है। निफ्टी 50 का एक साल का फॉरवर्ड पी/ई अपने दीर्घकालिक औसत से नीचे कारोबार कर रहा है, जिसका मतलब है कि यह भविष्य में मजबूती पकड़ सकता है।

नई खरीदारी का सही समय

कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह खरीदारी का एक अच्छा अवसर हो सकता है। एसबीआई सिक्योरिटीज सलाह देता है कि निवेशक बॉटम-अप स्टॉक-पिकिंग रणनीति अपनाएं और चरणबद्ध तरीके से उच्च गुणवत्ता वाले स्टॉक में निवेश करें।

ट्रेडर्स के लिए क्या रणनीति

अगर आप शॉर्ट-टर्म ट्रेडर हैं, तो यह समय सतर्क रहने का है, जानकारों का कहना है कि जब तक निफ्टी 22,850 के नीचे बना रहेगा, तब तक बिकवाली का दबाव रहेगा। गिरावट की स्थिति में 22,500-22,400 के स्तर तक जाने की संभावना है। ऐसे में ट्रेडर्स को स्टॉप-लॉस का सख्ती से पालन करना चाहिए।

टैक्स हार्वेस्टिंग का लाभ उठाएं

अगर आपने इस साल कुछ नुकसान उठाया है, तो आप इसे टैक्स बचाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।एसबीआई सिक्योरिटीज का सुझाव है कि अगले पांच हफ्तों में टैक्स हार्वेस्टिंग रणनीतियों पर ध्यान देना चाहिए। यह लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन टैक्स को संतुलित करने में मदद कर सकता है।

विदेशियों की रणनीति पर ध्यान दें

एक अन्य विशेषज्ञ के अनुसार, वर्तमान में 'भारत बेचो, चीन खरीदो' की रणनीति अपनाई जा रही है, लेकिन यह ट्रेंड हमेशा के लिए नहीं रहेगा। उभरते बाजारों में पैसा फिर से लौटेगा, और जब ऐसा होगा तो भारतीय शेयर बाजार को भी इसका लाभ मिलेगा।

कौन-से सेक्टर में निवेश करें

- आईटी सेक्टर : रुपये की कमजोरी के कारण आईटी कंपनियों को फायदा हो सकता है।
- बैंकिंग और फाइनेंस : मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियां इस गिरावट के बाद तेजी से उभर सकती हैं।
- रक्षा और मैन्युफैक्चरिंग : सरकार की मेक इन इंडिया पहल के कारण इन सेक्टर्स में ग्रोथ देखने को मिल सकती है।
- फार्मा और हेल्थकेयर : लंबी अवधि के लिए यह एक स्थिर निवेश विकल्प हो सकता है।

यह रखें ध्यान

कुल मिलाकर निफ्टी 50 ऐतिहासिक गिरावट के करीब जरूर है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि निवेशकों को घबराकर बाजार से बाहर निकल जाना चाहिए, यह एक ऐसा समय है जब सही रणनीति और धैर्य के साथ काम करने की जरूरत है। मार्केट एक्सपर्ट्स से मिली सीख यह है कि लॉन्ग-टर्म निवेशक गुणवत्तापूर्ण स्टॉक्स को होल्ड करें, शॉर्ट-टर्म ट्रेडर्स स्टॉप-लॉस के साथ चलें, और नए निवेशक चरणबद्ध तरीके से मजबूत कंपनियों में निवेश करें. बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा आते हैं, लेकिन स्मार्ट निवेशक वही होते हैं जो इन मौकों का सही इस्तेमाल करना जानते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी : न्यूजीलैंड के खिलाफ स्पिन को बेहतर खेलने पर रहेगा भारत का फोकस

एजेंसी ▶▶ दुबई

अब तक अपराजेय भारतीय टीम का फोकस स्पिन को बेहतर खेलने पर होगा और न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के आखिरी ग्रुप मैच में रविवार को उन खिलाड़ियों को मौका मिल सकता है जो अब तक बाहर बैठे हैं। आखिरी ग्रुप मैच जीतने से भारत ग्रुप ए में शीर्ष पर रहेगा।

■ मैच का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर आज दोपहर 2.30 बजे

अब सेमीफाइनल में भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका या आस्ट्रेलिया से होगा और दोनों के पास बेहतरीन स्पिनर हैं। भारत ने दोनों मैच जीते हैं लेकिन स्पिनरों ने भारतीयों को परेशान किया है और सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी न्यूजीलैंड टीम इसका फायदा उठा सकती है।

स्पिनरों का दिख रहा दबदबा

टूर्नामेंट से पहले टीम में पांच स्पिनरों (रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और वॉशिंगटन सुंदर) के चयन को लेकर भारत की आलोचना हो रही थी लेकिन यहां स्पिनरों के दबदबे ने भारत को मजबूती दी है। हाल ही में आईएलटी 20 की मेजबानी करने वाले दुबई के इस मैदान की पिचें अब ताजा नहीं है जिससे स्पिनरों को मदद मिल रही है। भारत ने दो मैचों में जडेजा, अक्षर और कुलदीप को उतारा है और तीनों प्रभावी रहे हैं। उन्होंने बीच के ओवरों में बल्लेबाजों को खुलकर रन नहीं बनाने दिये और इकॉनॉमी रेट पांच से नीचे ही रहा है।

रोहित-शमी को आराम

भारत जीत की लय को कायम रखना चाहेगा लेकिन सेमीफाइनल से पहले कप्तान रोहित शर्मा और मोहम्मद शमी को आराम दिया जा सकता है। पाकिस्तान के खिलाफ रोहित को गर्मी से असहज महसूस हो रहा था और वह 20 मिनट तक मैदान से बाहर रहे। बल्लेबाजी में हालांकि उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई।

पंत को मिलेगा मौका

वैसे इस मैच में कुछ दांव पर नहीं लगा है लिहाजा रोहित को ब्रेक दिया जा सकता है। ऐसे में ऋषभ पंत को टूर्नामेंट में पहला मैच खेलने का मौका मिल सकता है। शमी को भी पिंडली में परेशानी हो रही थी और उन्हें भी रिकवरी ब्रेक मिल सकता है। ऐसे में अर्शदीप उनकी जगह आ सकते हैं और चक्रवर्ती को कुलदीप की जगह उतारा जा सकता है।

सेंटनेर और ब्रेसवेल की चुनौती

भारत के स्टार बल्लेबाजों ने बांग्लादेश के स्पिनरों मेहदी हसन मिराज और रिशाद हुसैन के खिलाफ जोखिम लेने से बचने की रणनीति अपनाई। यही तरीका उन्होंने पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद के खिलाफ भी अपनाया और ये तीनों गेंदबाज काफी किफायती साबित हुए। अब उनके सामने मिचेल सेंटनेर और माइकल ब्रेसवेल की चुनौती होगी जो इस टूर्नामेंट में स्पिन के सामने सबसे कठिन परीक्षा भी रहेगी। दोनों कीवी स्पिनर अच्छे फॉर्म में हैं और दुबई की पिच पर और प्रभावी साबित हो सकते हैं।

20 ओवर खेलना है स्पिन गेंद

भारतीय बल्लेबाज स्पिनरों को इक्के दुक्के रन लेकर बड़े शॉट तेज गेंदबाजों के खिलाफ खेलते आए हैं। लेकिन अब उन्हें 20 ओवर सेंटनेर और ब्रेसवेल का सामना करना है जबकि ग्लेन फिलिप्स भी अनियमित स्पिन गेंदबाज हैं। पिछले साल के आखिर में घरेलू टेस्ट श्रृंखला में सेंटनेर और फिलिप्स के खिलाफ भारत का अनुभव अच्छा नहीं रहा है। भारत को उसमें 0-3 से पराजय झेलनी पड़ी थी और अब यहां इन दोनों के साथ ब्रेसवेल भी हैं जिन्होंने अब तक दो मैचों में 3.2 की औसत से ही रन दिए हैं। ऐसे में फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल, पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक जमाने वाले विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल को प्रभावी प्रदर्शन करना होगा।

खबर संक्षेप

अय्यर ने नेट गेंदबाज जसकिरण को दिए जूते

दुबई। आईसीसी क्रिकेट अकादमी पर नेट गेंदबाज जसकिरण सिंह के लिए यह खास पल था जब भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने उन्हें चैम्पियंस ट्रॉफी अभ्यास सत्र के दौरान एक जोड़ी जूते भेंट किए। पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट और क्रिकेट के शौकीन जसकिरण लांगआफ पर फील्डिंग कर रहे थे जब अय्यर ने उनके पास जाकर कहा, 'पाजी क्या हाल चाल, सब बढ़िया।' जसकिरण ने कहा, 'श्रेयस भाई मेरे पास आए और पूछा कि तुम्हारे जूते का साइज क्या है। मैने कहा कि दस तो उन्होंने कहा कि मेरे पास तुम्हारे लिए कुछ है और उन्होंने मुझे ये जूते दिए। मेरे लिये यह बहुत मायने रखता है।'

डु प्लांटिस ने बेहतर किया विश्व रिकॉर्ड

क्लेरमोंट-फेरां। मोंडो डुप्लांटिस ने यहां विश्व एथलेटिक्स इंडोर टूर मीट के दौरान पोल वॉल्ट में अपना विश्व रिकॉर्ड बेहतर करके 6.27 मीटर की कूद लगाई। ओलंपिक और विश्व चैंपियन डुप्लांटिस ने पोलैंड में अगस्त में बनाए गए अपने विश्व रिकॉर्ड को एक सेंटीमीटर बेहतर किया। यह पोल वॉल्ट में उनका 11वां विश्व रिकॉर्ड है। उन्होंने पहले ही प्रयास में यहां रिकॉर्ड बनाया।

पंत के लिए टीम से बाहर रहना काफी कठिन

दुबई। भारत के सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने कहा कि स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के लिये चैम्पियंस ट्रॉफी मैच बाहर से देखना कठिन है लेकिन इस स्तर पर खेल की यही प्रकृति है। पिछले दो ग्रुप मैचों में पंत अंतिम एकादश से बाहर रहे हैं जबकि केएल राहुल ने विकेटकीपिंग की है। उन्होंने मध्यक्रम में अच्छी बल्लेबाजी के साथ विकेट के पीछे भी अपने काम को बखूबी अंजाम दिया। डोइशे ने कहा, 'ऋषभ के लिए बाहर रहना काफी कठिन रहा है। लेकिन इस स्तर पर खेल का यही स्वभाव है।'

इंग्लैंड दूसरी बार एक भी जीत दर्ज किए बिना टूर्नामेंट से बाहर

द.अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी टीम, इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶ कराची

दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को यहां ग्रुप बी के अपने अंतिम मैच में मुश्किलों से जूझ रही इंग्लैंड की टीम को सात विकेट से हराने से पहले ही ऑस्ट्रेलिया के साथ चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। दक्षिण अफ्रीका ने हेनरिच क्लासेन (64 रन) और रासी वान डर डुसेन (नाबाद 72 रन) के अर्धशतकों तथा दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 122 गेंद में 127 रन की साझेदारी की मदद से 29.1 ओवर में तीन विकेट पर 181 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की।

इंग्लैंड के इतिहास में यह दूसरी बार है जब चैंपियंस ट्रॉफी के किसी चरण में उसने एक भी जीत दर्ज नहीं की। इससे पहले 1998 में ऐसा हुआ था। सेमीफाइनल की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुके इंग्लैंड को रन-रेट के आधार पर अफगानिस्तान को क्वालीफाई करने का मौका देने के लिए कम से कम 207 रन से जीत की जरूरत थी। लेकिन वह 38.2 ओवर में टूर्नामेंट के सबसे कम 179 रन के स्कोर पर सिमट गई। दक्षिण अफ्रीका ने मैच के परिणाम निकले बिना ही नॉकआउट में अपनी जगह पक्की कर ली। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ग्रुप बी में पांच अंक लेकर आस्ट्रेलिया (चार अंक) से आगे शीर्ष पर रहा।

सेमीफाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया-अफ्रीका को यात्रा की चुनौती

दुबई। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीमें चैंपियंस ट्रॉफी के अंतिम चार मैच से पहले दुबई के लिए उड़ान भरेंगी लेकिन अभी यह तय नहीं है कि उनका सेमीफाइनल दुबई में होगा या पाकिस्तान में। चैंपियंस ट्रॉफी का पहला सेमीफाइनल चार मार्च को खेला जाएगा जबकि लाहौर बुधवार को दूसरे सेमीफाइनल की मेजबानी करेगा। चैंपियंस ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में भारत की मौजूदगी तय है लेकिन रोहित शर्मा की टीम के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में से किसका सामना होगा इसका पता रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच ग्रुप ए के आखिरी मैच के नतीजे पर निर्भर करेगा। ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम ग्रुप बी में शीर्ष स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगी। भारत अपना नॉकआउट मैच मंगलवार को दुबई में खेलेगा चाहे वह ग्रुप ए में पहले स्थान पर रहे या दूसरे स्थान पर। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक दूसरे सेमीफाइनल के लिए कौन सी टीम लाहौर लौटेगी, इसका पता चलने से पहले ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों को दुबई जाना होगा और रविवार के मैच के नतीजे का इंतजार करना होगा।

सेमीफाइनलिस्ट तय

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में चारों सेमीफाइनलिस्ट का फैसला हो गया है। न्यूजीलैंड, भारत, ऑस्ट्रेलिया के बाद अब साउथ अफ्रीकी टीम ने भी सेमीफाइनल में जगह बना ली है। साउथ अफ्रीका की एंट्री के साथ ही अफगानिस्तान की उम्मीदें समाप्त हो गई हैं। हालांकि सेमीफाइनल मुकाबले में कौन सी टीम किससे मुकाबला करेगी, ये रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मुकाबले के बाद ही पता चल पाएगा। ग्रुप-ए से भारत और न्यूजीलैंड की टीम सेमीफाइनल में पहुंचीं। वहीं ग्रुप-बी से साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने ये उपलब्धि हासिल की।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड	रन	गेंद	4	6
बॉल्ट का डुसेन बो यानसेन	08	06	2	0
बेन डकेट का एवं बो यानसेन	24	21	4	0
सिब्ले का मारक्रम बो यानसेन	00	03	0	0
जो रूट बो मुल्डर	37	44	4	1
बुक का यानसेन बो महाराज	19	29	3	0
बटलर का महाराज बो एनगिडी	21	43	0	0
लियाम स्ट क्लासेन बो महाराज	09	15	1	0
ओवरटन का एनगिडी बो रबाडा	11	20	1	0
आर्चर का यानसेन बो मुल्डर	25	31	4	0
राशिद का क्लासेन बो मुल्डर	02	09	0	0
साकिब महमूद नाबाद	05	10	0	0
अतिरिक्त : 18, कुल : 38.2 ओवर में 179/10				
गेंदबाजी : यानसेन 7-0-39-3, एनगिडी 7-0-33-1, रबाडा 7-1-42-1, मुल्डर 7.2-0-25-3, महाराज 10-1-35-2.				

दक्षिण अफ्रीका	रन	गेंद	4	6
रेयान रिकलटन बो आर्चर	27	25	5	0
ट्रिस्टन स्टब्स बो आर्चर	00	05	0	0
रासी वान डर डुसेन नाबाद	72	87	6	3
क्लासेन का महमूद बो राशिद	64	56	11	0
डेविड मिलर नाबाद	07	02	0	1
अतिरिक्त : 11, कुल : 29.1 ओवर में 181/3				
गेंदबाजी : आर्चर 9-0-55-2, महमूद 5-0-31-0, ओवरटन 5-0-34-0, राशिद 7-0-37-1, लिविंगस्टन 3.1-0-24-0.				

गुकेश बने वर्ल्ड नंबर-3 शीर्ष 10 में प्रज्ञानानंदा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मौजूदा विश्व चैंपियन भारत के डी गुकेश फिडे की शनिवार को जारी नवीनतम क्लासिकल रेटिंग में अपने कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ तीसरी रैंकिंग पर पहुंच गए, जबकि हमवतन आर प्रज्ञानानंदा फिर से शीर्ष 10 में वापसी करने में सफल रहे। गुकेश दिसंबर में सिंगापुर में चीन के डिंग लिरेन को हराकर विश्व खिताब जीतने के बाद से शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। 18 साल के इस खिलाड़ी ने इस दौरान 10 रेटिंग अंक हासिल किए हैं। अब उनके नाम कुल 2787 रेटिंग अंक हो गए हैं। गुकेश हाल ही में विज्क आन जी में टाटा स्टील मास्टर्स को टाईब्रेक में प्रज्ञानानंदा से हार गए थे। वह रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज हिकारू नाकामुरा (2802) से 15 अंक पीछे हैं।

■ प्रज्ञानानंदा की शीर्ष 10 में वापसी

शीर्ष पर कार्लसन

नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन (2833) दुनिया में शीर्ष रैंकिंग के शतरंज खिलाड़ी बने हुए हैं। गुकेश ने इस रैंकिंग में हमवतन अर्जुन एरिगैसी और अमेरिका के फैबियानो कारुआना को पीछे छोड़ दिया है।

प्रज्ञानानंद के 2758 रेटिंग अंक

एरिगैसी इससे पहले लंबे समय तक शीर्ष रैंक वाले भारतीय थे। वह 2777 की रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर खिसक गए हैं। प्रज्ञानानंद टाटा स्टील मास्टर्स में जीत से पिछले साल जुलाई के बाद पहली बार शीर्ष 10 में वापसी करने में सफल रहे। मौजूदा समय में प्राग मास्टर्स में खेल रहा यह भारतीय खिलाड़ी 17 रेटिंग अंक हासिल कर कुल 2758 रेटिंग अंक के साथ आठवें स्थान पर पहुंचने में सफल रहा।

'फिट इंडिया...' को ओलंपिक चैंपियन नीरज का समर्थन

नई दिल्ली। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने शनिवार को सरकार के 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अभियान को समर्थन देने का संकल्प लिया। कहा कि इस पहल से लोगों को सिर्फ अपनी फिटनेस सुधारने में ही मदद नहीं मिलेगी बल्कि वे प्रदूषण को नियंत्रित करने में भी योगदान करेंगे। भाला फेंक सुपरस्टार ने लोगों से हर रविवार को समय निकालकर इस पहल में शामिल होने का आग्रह किया। चोपड़ा ने कहा, 'नमस्ते 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अपनी फिटनेस सुधारने और प्रदूषण को नियंत्रित करने में योगदान देने का एक शानदार तरीका है। इसलिए मैं आपसे कहना चाहूंगा कि अगर आप हर दिन समय नहीं निकाल पा रहे हैं तो कृपया हर रविवार को साइकिल चलाएं।' साइकिलिंग अभियान की शुरुआत पिछले साल 17 दिसंबर को खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने 'फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज' और प्रदूषण का समाधान खोजने के समग्र उद्देश्य के साथ की थी।

बिली जीन किंग कप: विशाल ने की बतौर कप्तान टीम में वापसी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अखिल भारतीय टेनिस संघ की चयन समिति ने आगामी बिली जीन किंग कप के लिए शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ियों को भारतीय टीम में शामिल किया जिसका नेतृत्व अंकिता रैना कर रही हैं जबकि विशाल उप्पल की कप्तान के तौर पर दो साल बाद वापसी हुई है। नंबर एक खिलाड़ी रैना की टीम में सहजा यमलापल्ली, श्रीवल्ली भामिदिपति, वैदेही चौधरी होंगे जबकि प्रार्थना थोम्बरे पांच सदस्यीय टीम में युगल विशेषज्ञ होंगी।

हाल में डब्ल्यूटीए मुंबई ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली माया राजेश्वरन टीम में रिजर्व खिलाड़ी होंगी। भारत आठ अप्रैल से पुणे के डेक्कन जिमखाना में बिली जीन किंग कप की मेजबानी करेगा। आयोजन स्थल पर 2 अप्रैल से ट्रेनिंग शिविर शुरू होगा जिसमें रुतुजा भोसले और वैष्णवी अडकर को भी तैयारियों का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया है। मार्च 2023 में उप्पल को गैर-खिलाड़ी कप्तान के रूप में हटा दिया गया और उनकी जगह शालिनी ठाकुर को नियुक्त किया गया।

आय कोई पैमाना नहीं खेल सभी के लिए : रमन्ना

हैदराबाद। भारत की दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू के पिता और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता पूर्व वॉलीबॉल खिलाड़ी पीवी रमन्ना ने कम आय वाले परिवारों के बच्चों को खेलों में हाथ आजमाने को लेकर चल रही बहस पर कहा कि कई तरह की चुनौतियों के बावजूद वह खिलाड़ियों और उनके माता-पिता को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने से कभी हतोत्साहित नहीं करेंगे। खुद मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद रमन्ना ने वॉलीबॉल में देश का प्रतिनिधित्व किया और वह 1986 एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे।

रमन्ना ने कहा, 'जब मैं तीन साल का था तब मेरे पिता की मृत्यु हो गई। मैं 10 भाई-बहनों में सबसे छोटा था। लेकिन मेरे बड़े भाई-बहन मेरा समर्थन करके और मुझे राष्ट्रीय स्तर की वॉलीबॉल खेलते हुए देखकर बहुत खुश थे क्योंकि उस खेल के कारण मुझे रेलवे में नौकरी मिल गई।'

दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन का आकलन

अफगानिस्तान जीत सकता है आईसीसी टूर्नामेंट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन का मानना है कि तेजी से आगे बढ़ रही अफगानिस्तान की टीम के खिलाड़ी अगर मैदान पर सयंम से खेलना सीख लें तो अगले दशक में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का सीमित ओवर का टूर्नामेंट जीत सकती है। अफगानिस्तान की टीम 2023 वनडे विश्व कप में नॉकआउट में जगह बनाने के करीब पहुंच गई थी जिसमें उसने पूर्व चैंपियन इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया था। पिछले साल के टी20 विश्व कप में टीम सेमीफाइनल में पहुंची थी जिसमें उसने ऑस्ट्रेलिया को बाहर कर दिया था। अपने देश में युद्ध और अस्थिरता के बावजूद अफगानिस्तान क्रिकेट टीम अब सफेद गेंद के टूर्नामेंट में मजबूत टीम बन गई है। स्टेन ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' से कहा, 'हम ऐसे समय में जी रहे हैं जिसमें लोग इतने संयमित नहीं हैं। हम इंस्टाग्राम स्टोरी को भी महज मुश्किल से दो सेकंड देख पाते हैं और ऐसा लगता है कि अफगानिस्तान के खिलाड़ी भी क्रिकेट खेलते समय ऐसे ही होते हैं। संयम सबसे बड़ी चीज में से एक है जिसे अफगानिस्तान के खिलाड़ियों को सीखने की जरूरत है। और एक बार जब वे ऐसा कर लेंगे तो अगले दशक में वे निश्चित रूप से आईसीसी टूर्नामेंट जीत सकते हैं।' टेन ने कहा, 'वे चाहते हैं कि चीजें इतनी जल्दी हो जाएं कि हर गेंद विकेट लेने वाली होनी चाहिए। पारी बनाते हुए और विकेट लेने के लिए संयम नहीं है। बल्लेबाज भी ऐसा ही करते हैं। पहले ओवर में बल्लेबाजी में ही क्रीज पर इतनी अधिक हलचल होती क्योंकि वे छक्का मारने की कोशिश करते हैं और वे पारी को तेजी से आगे बढ़ाने की कोशिश करते हैं।'

शॉर्ट चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल से बाहर

लाहौर। अफगानिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान चोटिल हुए आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट भारत या न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल से बाहर रह सकते हैं। शॉर्ट ने बारिश के कारण रद्द हुए मैच में 15 गेंद में 20 रन बनाए। उन्हें अजमतुल्लाह उमरजइ ने पवेलियन भेजा था। आस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने आस्ट्रेलियाई एसोसिएट प्रेस से कहा, 'मुझे लगता है कि वह पूरी तरह फिट नहीं है। हमने देखा कि वह ठीक से मूवमेंट नहीं कर पा रहा था। अगले मैच में उसका रिकवर हो पाना मुश्किल होगा।'

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मनोज** पुत्र श्री विक्की निवासी मकान नं. 517, जे.जे. कॉलोनी, पंखा रोड, उत्तम नगर, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 305/2017 धारा 323/341 भा.द.स. दिनांक 23.07.2017 के तहत थाना जनकपुरी, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मनोज** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मनोज** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 305/2017 धारा 323/341 भा.द.स. दिनांक 23.07.2017 के तहत थाना जनकपुरी, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **मनोज** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **20.03.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः श्री हरजोत सिंह औजला,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–11, (दक्षिण–पश्चिम),
कक्ष संख्या 05,
द्वारका न्यायालय, दिल्ली

DP/2622/WD/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दीपक नागर** पुत्र **सतीश नागर** निवासी **म.नं. ई–682, गली नं. 21, अशोक नगर, शाहदरा, दिल्ली** ने **case FIR No. 176/2022 U/s 12 Delhi Public Gambling Act, थाना सब्जी मण्डी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त **दीपक नागर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **दीपक नागर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि ने **case FIR No. 176/2022 U/s 12 Delhi Public Gambling Act, थाना सब्जी मण्डी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **दीपक नागर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 05.04.2025** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री चतिन्दर सिंह
एलडी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–07
केन्द्रीय जिला, कमरा नं. 32
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/2612/N/2025(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **दुर्गेश बाबू पुत्रः बलवंत सिंह, पताः** मकान नं. जे–1131, मंगोलपुरी, दिल्ली, **FIR No. 385/2019, U/s 12/9/55 Gambling Act IPC,** थानाः राज पार्क, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दुर्गेश बाबू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दुर्गेश बाबू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 385/2019, U/s 12/9/55 Gambling Act IPC,** थानाः राज पार्क, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **दुर्गेश बाबू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.04.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
ईबानी अग्रवाल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–08
उत्तर पश्चिम कोर्ट नं. 07, पहली मंजिल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/2508/OD/2025
(Court Matter)

चिकित्सा

बिना बताए
शराब, अफीम, सिगरेट छुड़ाएं
दमा, खांसी, नजला, मोटापा होना, कमजोरी, पेट के रोगों व मोटापे का देसी ईलाज।
हमराज़ क्लीनिक
11am-5pm Ph: 9811301362
1936, फव्वारा, चाँदनी चौक, दिल्ली - 110006
F-23/101, अवन्तिका चौक, सैक्टर - 3, रोहिणी, दिल्ली - 85
Ph: 9811301362, 9999301362
10am - 9pm

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

खबर संक्षेप

14वें बच्चे के पिता बने अरबपति एलन मस्क

वॉशिंगटन। मशहूर अरबपति कारोबारी एलन मस्क 14वीं बार पिता बने हैं। मस्क की कंपनी न्यूरालिंक से

जुड़ीं शिवोन जिलिस ने मस्क के साथ अपने चौथे बच्चे की जानकारी दी है। शिवोन जिलिस ने एक पोस्ट में लिखा कि एलन से बात करने के बाद और अपनी बेटी आर्केडिया के जन्मदिन के मौके पर, मुझे लगता है कि अपने बेटे शेल्डन लिकरगस के बारे में बताना सही होगा।

माइक्रोसॉफ्ट मई में स्काइप करेगा बंद

न्यूयॉर्क। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट 'वीडियो कॉलिंग' सेवा 'स्काइप' को बंद कर रहा है। उसने इस सेवा को उसने 2011 में 8.5 अरब डॉलर में खरीदा था। कंपनी ने कहा कि वह मई में स्काइप को बंद कर देगी और अपनी कुछ सेवाओं को अपने प्रमुख वीडियोकांफ्रेंस और टीम एप्लीकेशन प्लेटफॉर्म 'माइक्रोसॉफ्ट टीम्स' पर स्थानांतरित कर देगी।

तुर्किए में 40 साल से चल रही लड़ाई थमी

अंकारा। तुर्किए में बीते 40 वर्षों से जारी लड़ाई अब थम गई है। तुर्किए उग्रवादी संगठन कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) ने शनिवार को युद्धविराम का ऐलान कर दिया। इसे राष्ट्रपति रजब तैयप एर्दोआन की सरकार के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पीकेके नेता अब्दुल्ला ओकलान ने समूह के लड़ाकों से हथियार डालने और समूह को खत्म करने की अपील की थी। अब्दुल्ला ओकलान साल 1999 से जेल में बंद हैं। शनिवार को पीकेके ने एक बयान जारी कर कहा कि हम आज से युद्धविराम का ऐलान करते हैं ताकि शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक समाज के लिए रास्ता साफ हो सके।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की मणिपुर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा

सभी सड़कों पर लोगों की आवाजाही करें सुनिश्चित, नशे के नेटवर्क को करें ध्वस्त

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमित शाह ने कहा कि केंद्र राज्य में स्थायी शांति बहाल करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस संबंध में सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहा है। पूर्वोत्तर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद यह इस प्रकार की पहली बैठक थी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दिल्ली में मणिपुर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की, जिसमें सूबे में सामान्य स्थिति बहाल करने और कई समूहों द्वारा रखे गए अवैध और लूटे गए हथियारों को आत्मसमर्पण करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। केंद्रीय मंत्री शाह ने शनिवार को सुरक्षा बलों को 8 मार्च से मणिपुर में सभी मार्गों पर लोगों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया और बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कहा कि केंद्र राज्य में स्थायी शांति बहाल करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस संबंध में सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहा है। पूर्वोत्तर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद यह इस प्रकार की पहली बैठक थी।

बैठक में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, उप सेना प्रमुख और सेना की पूर्वी कमान के कमांडर शामिल थे। मणिपुर में हिंसा तब शुरू हुई जब मई 2023 में मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' का आयोजन किया गया। मेइती और आसपास की पहाड़ियों पर बसे कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने का काम जल्द पूरा करें

बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें

जबरन उगाही मामलों में सख्त कार्रवाई करें

गृह मंत्री अमित शाह ने निर्देश दिया कि 8 मार्च, 2025 से मणिपुर के सभी रास्तों पर जनता की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित की जाए, रास्ते में अवरोध उत्पन्न करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। जबरन उगाही के सभी मामलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखी जाए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि मणिपुर से लगने वाले अंतरराष्ट्रीय सीमा पर आवाजाही के लिए चिन्हित किए गए प्रवेश स्थानों के दोनों तरफ बाड़ लगाने के काम को जल्द पूरा किया जाए। इसके साथ ही, मणिपुर को नशामुक्त बनाने के लिए नशे के व्यापार में लिप्त पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जाए।

राज्यपाल ने बढ़ाई हथियार लौटाने की समय सीमा

राज्यपाल ने शुक्रवार को लूटे गए और अवैध हथियारों को जमा करने की समयसीमा को 6 मार्च शाम 4 बजे तक बढ़ा दी, क्योंकि पहाड़ी और घाटी दोनों क्षेत्रों के लोगों ने अतिरिक्त समय की मांग की थी। करीब 22 महीने पहले शुरू हुई जातीय हिंसा के शुरुआती चरण के दौरान मणिपुर में कई जगहों पर पुलिस से कई हजार हथियार लूटे गए थे। तीन जनवरी को राज्यपाल का पदभार संभालने के बाद से भल्ला विभिन्न वर्गों के लोगों से मिल रहे हैं और उनसे राज्य में सामान्य स्थिति वापस लाने के बारे में प्रतिक्रिया ले रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने मणिपुर में कई बैठकों की अध्यक्षता भी की, जहां राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की गई और सुरक्षा बलों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

13 फरवरी से सूबे में राष्ट्रपति शासन

मणिपुर में 13 फरवरी को एन बीरेन सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। राज्य विधानसभा का कार्यकाल निलंबित कर दिया गया है, जो 2027 तक है। राज्यपाल द्वारा 20 फरवरी को अवैध और लूटे गए हथियार रखने वाले सभी लोगों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दिए जाने के बाद सुरक्षा समीक्षा की गई। सात दिनों के वक्त के दौरान, मुख्य रूप से घाटी के जिलों में 300 से ज्यादा हथियार जनता द्वारा लौटाए गए। इनमें मैतेई कट्टरपंथी समूह अरम्बाई टेंगोल द्वारा आत्मसमर्पण किए गए 246 आग्नेयास्त्र शामिल हैं।

ब्रिटेन पहुंचते ही जेलेंस्की के बदले सुर

बोले- ट्रंप का समर्थन बेहद जरूरी यूएस के बिना युद्ध रोकना असंभव

एजेंसी ▶▶ कीव

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की अमेरिकी यात्रा के बाद शनिवार को ब्रिटेन पहुंचे। यहां वह यूरोपीय देशों के प्रमुखों से मुलाकात करने वाले हैं। राष्ट्रपति ट्रंप से हुई तीखी बहस के बाद अब जेलेंस्की ने एक नया ट्वीट किया है। जिसमें उनके सुर बदले नजर आ रहे हैं। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा कि हम सभी तरह के समर्थन के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के बहुत आभारी हैं। मैं राष्ट्रपति ट्रंप, कांग्रेस और अमेरिकी लोगों के द्विदलीय समर्थन के लिए भी उनका आभारी हूं। यूक्रेन के लोगों ने हमेशा इस समर्थन की सराहना की है, खासकर इन तीन वर्षों के आक्रमण के दौरान। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका की मदद हमारे अस्तित्व को बचाने में महत्वपूर्ण रही है और मैं इसे स्वीकार करना चाहता हूं। कठिन वार्ता के बावजूद, हम रणनीतिक साझेदार बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ हमारा रिश्ता सिर्फ दो नेताओं से कहीं बढ़कर है।

रूसी मीडिया बोला- रियलिटी शो जैसा तमाशा

रूस की एचएसई यूनिवर्सिटी की अंतरराष्ट्रीय मामलों की जानकार अनस्तासिया लिखशेवा ने कहा कि दुनिया ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में लंबे समय से ऐसा कुछ नहीं देखा, सिवाय रियलिटी टीवी शो के। यह बिल्कुल पुराने टीवी शो- द अप्रेंटिस की याद दिलाता है। रूस की वेबसाइट रशिया टुडे ने कहा कि तीन साल तक युद्ध के दौरान पश्चिमी देशों में किसी ने भी यूक्रेन के प्रतिनिधि के खिलाफ बयान नहीं दिया, बल्कि खुद जेलेंस्की और उनके साथियों को कुछ भी बोलने की आजादी थी। यह सब सिर्फ इसलिए किया गया, क्योंकि पश्चिम उन्हें पीड़ित मानता था और इसीलिए उन्हें अधिकार थे। लेकिन इसी चीज ने उन पर भद्दा मजाक किया। स्पूतनिक, तास और रिया नोवोस्ती ने अपने एक्स हैंडल पर ट्रंप-जेलेंस्की की बैठक पर जबरदस्त तंज कसे।

यूक्रेनी राजदूत ने सिर पीट लिया

व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में शुक्रवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई तीखी बहस की खबरें दुनियाभर में छाई हुई हैं। इस बीच एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि जब ओवल ऑफिस में रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर ट्रंप और जेलेंस्की के बीच तीखी बहस हो रही थी तो उस वक्त ओवल ऑफिस में मौजूद अमेरिका में यूक्रेन की राजदूत अपने सिर पर हाथ रखें निराशा में डूबी नजर आ रही हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब देखी जा रही है।

सुकमा में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में दो नक्सली किए ढेर

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के किस्टाराम थाना क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। सुरक्षाबलों ने अभी तक दो नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि किस्टाराम क्षेत्र में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर शुक्रवार को सुकमा जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कोबरा बटालियन के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि दल शनिवार जब क्षेत्र में था तब नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गयी। उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह से सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच रूक-रूक कर मुठभेड़ जारी है। अभी तक दो नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ स्थल और आस-पास के क्षेत्रों में सुरक्षा बलों ने खोजी अभियान शुरू किया है।

पोत और नौका की टक्कर में 11 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के दक्षिणी हिस्से में एक नदी में तेल रिसाव को साफ करने वाले एक पोत ने एक छोटी नौका को टक्कर मार दी। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग लापता हो गए। सरकारी मीडिया ने शुक्रवार रात इस हादसे के बारे में जानकारी साझा की। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि मंगलवार की सुबह हुनान प्रांत में युआनशुई नदी में हुई दुर्घटना के दौरान 19 लोग पानी में गिर गए। गनीमत रही कि तीन को तत्काल ही बचा लिया गया। दुर्घटना उस स्थान पर हुई, जहां नदी औसतन 60 मीटर (200 फुट) से अधिक गहरी और 500 मीटर (1,600 फुट) चौड़ी है। तलाश एवं बचाव अभियान जारी है। दुर्घटना में बचे एक व्यक्ति के रिश्तेदार ने बताया कि नौका ही उनके गांव में आने-जाने का मुख्य साधन है।

HONDA
All New ACTIVA 110
Scooter बोले तो ACTIVA
Honda RoadSync App
Smart TFT screen
Smart Key Technology
All New ACTIVA 125
Accessories free worth ₹3000/-*
Exchange Bonus worth ₹1000/-*
Low ROI @7.99%**
Cashback of 5% up to ₹5000#
IDFC FIRST Bank Credit Card^
HDFC BANK Credit Card^
Limited Period Offers
For dealer details scan the QR Code
^Terms and conditions apply. #Cashback Offer on purchase of any Honda two wheeler model includes 5% cashback upto maximum of ₹5000 on EMI transactions using HDFC bank credit card and IDFC FIRST bank credit card through Pine Labs machines only. #The scheme is available in selected outlets only. #Cashback offer is valid until 31st March 2025. **The finance scheme is at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. **The offers may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. *Free Accessories worth ₹3000 scheme and Exchange Bonus of ₹1000 will be given on scooter purchase. *The schemes are offered by Authorised Main Dealers and Associate Dealers and can be availed on purchase of all models from Authorised Main Dealers and Associate Dealers. *The offer is applicable in Delhi only. *The offers may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.
Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1 , Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) - 122050, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in
Honda Exclusive Authorized Dealerships: DELHI: SOUTH DELHI: Malwa Honda (Lajpat Nagar) - 011-29840621/22, 9266802219; (Adchini) - 011-43073681, 8527996772/73; (Khanpur) - 011-40446391, 011-40446392, 9266802221; (Saheen Bagh Jamia) - 011-26950016/17, 9266802220; (Dakshinpuri) - 9266802215; (Sangam Vihar) - 9311227401, 9311227402; Pragnya Honda (Okhla) - 011-40581600, 9818856993; (Pul Pehladpur Badarpur) - 011-26366952, 9650028777; (Jaitpur) - 9818556993; Absolute Honda (Mahipalpur, NH-8) - 07947216270, 011-40470000, 9871600730, 9811625338, 9152462887; (RK Puram Sector 1) - 9871600734, 9871500735, 9069145268; (Chattarpur) - 9821814222, 9821813222; Uday Honda (Adchini) - 9212355514, 9212355515; (Aya Nagar) - 9266135550; **WEST DELHI:** Excel Honda (Raja Garden) - 9811096676, 01145528400 / 8500; (West Patel Nagar) - 9667530598; Shuban Sai Honda (Najafgarh) - 011-69351212, 9212385581/82; (Vikaspuri) - 8447527677, 8506999938/39, 8130988396; (Kakrola Mod) - 9212385537, 9212389007, 8506999936/37; (Vikas Nagar) - 9818826775; (Ranhola) - 9212385592; Dhingra Honda - (Peeragarhi) - 011-41400000, 9871200045, 9717455880; (Uttam Nagar) - 9717455884/85, 9717394588; (Nangloi) - 9871400045, 9717455883; (Kirari) - 9870200152; Excel Honda (Moti Nagar) - 011-47025801/02, 9999903295; (Mayapuri) - 011-49093930, 9811025879; (Raja Garden) - 011-45528400/500, 9811096676; (West Patel Nagar) - 9667530598; (Amanpuri) - 9289739970; V.D. Honda (Mahavir Enclave) - 9650415522, 7042294777, 7042294776, 9212670292, 7291998261; (Dabri) - 9212670291; (Bijwasan) - 9599442118, 7290068240; (Rajapuri) 9212670215, 9910364903, 7290068239; (Kapashera) 7290068238, 9910014183; **CENTRAL DELHI:** J.B. Honda (Jhande Walan) - 01143724442, 9555007307; (Shastri Nagar) - 8882719494, 9999786767; (Naraina) - 9310059001; (Tri Nagar) - 9355719494; **EAST DELHI:** Rajindra Honda (Shahdara) - 9310457400, 9310005240; (Dilshad Garden) - 011-22131205/06, 9818372386; (Bhajanpura) - 7042024650; (Karawal Nagar) - 9810839361; (Ill Pusta) - 9560734814; Johripur (Shiv Vihar Metro Station) - 7840080191; Swarup Honda (Vikas Marg) - 011-41015710/11/12, 9810806600, 9810268204; (Mayur Vihar Ph-III) - 9717099729; (Kondli) - 9717099726; (Pandav Nagar) - 9717099723; Celebrate Honda (Jagatpuri) - 011-45644444, 9821398522; (Jheel) - 9821398526, 8448131114; (Khichripur) - 9871481114; **NORTH DELHI:** Globus Honda (Azadpur) - 011-45561871, 8826993152, 8826993150; (Rani Bagh) - 8130093649, 8826993157; (Pitampura) - 8130093651, 8826993162; (Zakira) - 8130093650; (Burari) - 8130093648, 8826993156; (Jahangirpuri) - 8130093655; ; (Libaspur) - 8130093656; Rohini Honda (Sector 3) - 8882201000; (Rithala) - 8527479000; (Budh Vihar) - 8527724000; Santoshi Honda (Narela) - 8467085731/2/7, 8882493100/2; **BALLABGARH:** Kabir Honda - 9312655454; **GAUNCHI BALLABGARH:** Kabir Honda - 9599396896; **FARIDABAD:** Pick Up Honda - 9873875500; Regent Honda - 0129-4006142, 9899913146; Faridabad Honda - 9953547023, 8130515558; **GREATER FARIDABAD:** Pick up Honda - 9873820000; **GURUGRAM:** Big Swing Honda - 9212168811, 9355990083, 9773548811; Ganpati Honda - 0124-4630500, 9910894235; Yume Honda - 0124-4577444, 9818250011, 9560380444; Malwa Gurugram Honda - 8595521151, 9311980996; **KHANDSA ROAD GURUGRAM:** Malwa Gurugram Honda - 9289223507, 9289223502; **BADSHAHPUR GURUGRAM:** 9773548811; **PALAM VIHAR GURUGRAM:** Ganpati Honda - 9910894234; **GURUGRAM RAILWAY ROAD:** Ganpati Honda - 0124-4423500, 9910894233; Yume Honda - 0124-4566999, 9650186777; **SEC- 52 GURUGRAM:** Yume Honda - 8130364222, 9266668820; **MANESAR:** Ganpati Honda - 9910894239; **SEC - 82 GURUGRAM:** Ganpati Honda - 9220309621, 9220309622; **PATAUDI:** Yume Honda - 8222840011; **HAYATPUR:** JSS Honda - 9992539657; **NUH:** Sri Madhav Honda - 9050276139; **GAUTAM BUDDHA NAGAR:** Parkash Honda - 0120-4796600, 9999806883; Pioneer One Honda - 4313333, 8130788666; Pioneer One Honda (Sec-58) - 8130968666; Pioneer One Honda (Noida City Center) - 0120-2480666, 8178506905; Parkash Honda (Bhangel) - 9971713314; P.S. Honda (Dadri) - 9811669969; Bhagat Honda (Jewar) - 9711716890; National Honda (Chapraula) - 9899828711; The Rainbow Honda (Shyam Nagar Mandi) - 8178274694; **GHAZIABAD:** JKM Leela Honda - 9999767614, 9311322400; Hindon Honda - 9910110017, 9910030484; Sangam Honda (Sahibabad) - 9311051166, 9911591166; Om Honda (Loni) - 9312254126; Hindon Honda (Modinagar) - 08449790925; Chauhan Honda (Muradnagar) - 9897088340; Sangam Honda (Khoda Colony) - 9540651166; **GREATER NOIDA:** Parkash Honda - 9971992604; Shanti Honda (Kulesra) - 8510000845; Khanna Honda (Surajpur) - 9810203519, 9717207234; **HODAL:** Mukund Honda - 8814003484; **PALWAL:** Parashar Honda - 7056573100, 7056574100; **SOHNA:** Sohna Honda - 9812872333, 9813156539; **BULANDSHAHR:** Shri Masha Honda - 281455, 09568519999; Shri Masha Honda (Sikandrabad) - 8477004028; Sri Ganga Honda (Anoopshahr) - 9719524751; KLA Honda (Khurja) - 9837098515, 9720088882; Agarwal Honda (Dibai) - 9412563721; Veer Honda (Shikarpur) - 7536810266; Shri Bhagirathi Honda (Jahagirabad) - 9927544326; Al Uzair Honda (Gulaothi) - 9997729105; **BAHADURGARH:** Shri Balaji Honda - 9896297567, 7404533495; **JHAJJAR:** Shree Shyam Honda - 9466511837, 8607200651; **ROHTAK:** Lohchab Honda - 8684888803, 8684888804; Shri Krishna Honda - 8930303243, 9896655630; **SAMPLA:** Rama Honda - 8684840808, 8684840505; **GOHANA:** Shirin Honda - 8222999406, 8222999408; **SONEPAT:** Triumph Honda - 0130-2237002, 9254015907; **CHOTU RAM CHOWK(SONEPAT):** Triumph Honda - 9254015901; **GANNAUR:** Triumph Honda - 9254015908; **KHARKHODA:** Ashirwad Honda - 9017190979; **KUNDLI:** Triumph Honda - 9254015904; **BAHALGARH:** Triumph Honda - 9034015921.
For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda2wheelersindia.com